

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, कहावतें बाकी तनाख से भिन्न हैं

© 2024 टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट नीतिवचन पर एक प्रस्तुति दे रहे हैं, जिसमें इस प्रश्न पर विचार किया जा रहा है कि नीतिवचन बाकी तनाख से किस प्रकार भिन्न या अद्वितीय है?

नीतिवचन की पुस्तक की प्रस्तुति में आपका स्वागत है। नीतिवचन की पुस्तक में क्या अनोखा है? इस प्रस्तुति का शीर्षक नीतिवचन है। यह तनाख के बाकी हिस्सों से किस प्रकार भिन्न या अद्वितीय है? जब मैं तनाख कहता हूँ, तो मेरा मतलब है कि कुछ लोग ओल्ड टेस्टामेंट कहते हैं या तनाख का मतलब टोरा है, बाइबिल की पहली पांच किताबें, उत्पत्ति से व्यवस्थाविवरण, नेविम, जो पैगंबर हैं, और केतुविम, जो कि है लेखन।

और यह उन तीन खंडों, तनाख, टोरा, पैगम्बरों और लेखों का सारांश देता है, पुराने नियम और या पहले नियम का सारांश देता है, चाहे आप इसे जिस भी रूप में नामित करना चाहें। आरंभ करने के लिए, हमें शैली, साहित्यिक शैली, साहित्य की श्रेणी के महत्व को समझने की आवश्यकता है, और यह आपके चीजों को पढ़ने के तरीके को कैसे प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, यदि आप एक समाचार पत्र लेते हैं, उदाहरण के लिए, यदि कुछ लोगों को याद है कि समाचार पत्र अब क्या है, तो आपको एक मुख पृष्ठ मिलेगा और कुछ लेख समाचार पत्र के मुख पृष्ठ पर रखे जाएंगे।

आपको अखबार में आमतौर पर एक राय पेज भी मिला होता है। और यह अलग बात है जहां लोग पहले पन्ने की खबरों से अलग सामग्री पर अपनी राय देते हैं, हालांकि हाल ही में, कभी-कभी वे भ्रमित हो जाते हैं। आपको शादी की घोषणाएँ मिल गई हैं।

और इसलिए, जब आप शादी की घोषणा अनुभाग में जाते हैं, तो आप उम्मीद करते हैं कि लोग अपनी शादी और इस तरह की चीजों की घोषणा करेंगे। आपके पास एक मृत्युलेख अनुभाग है; आप उन दोनों को भ्रमित नहीं करना चाहेंगे। और यदि आप मृत्युलेख अनुभाग में जाते हैं, तो आप पाते हैं कि हाल ही में किसका निधन हुआ है।

आपको कार्टून अनुभाग भी मिला है, जिसका आनंद मैं बचपन में लेता था। और आपके पास वर्गीकृत विज्ञापन भी हैं, जहां लोग वर्गीकृत अनुभाग में चीजें खरीदने और बेचने की कोशिश कर रहे विज्ञापन दे रहे हैं। इसलिए, अखबार में, आपको यह जानना होगा कि आप कहां हैं और आप प्रत्येक अनुभाग की अलग-अलग तरीके से व्याख्या कैसे करते हैं।

किताबों में हमें एक ही तरह की चीजें मिलती हैं। आपके पास कुछ विज्ञान-फाई पुस्तकें हैं, और विज्ञान-फाई पुस्तकें जीवनियों से भिन्न हैं। और आपके पास ऐसी किताबें हैं जो रहस्य हैं, आपके पास ऐतिहासिक कथा साहित्य हैं, आपके पास कविताओं के संकलन की किताबें हैं।

और वे किताबें दंतकथाएं हैं, विभिन्न संस्कृतियों में पौराणिक कथाओं की कहानियां हैं। आपके पास पाठ्यपुस्तकें हैं, और एक पाठ्यपुस्तक की व्याख्या पौराणिक कथाओं से भिन्न होती है। कुकबुक, कुछ लोगों के पास कुकबुक होगी।

और जब आप किसी रसोई की किताब में जाते हैं, तो आप किसी जीवनी की तुलना में कुछ अलग की उम्मीद करते हैं। आपके पास एक एटलस है, और एक एटलस कुछ जानकारी प्रस्तुत करता है। आज, हम सिर्फ गूगल मैप्स पर जाते हैं, लेकिन एटलस कुछ भौगोलिक जानकारी, कुछ मौसम की जानकारी और विभिन्न चीजों को उसी तरह प्रस्तुत करता है।

शब्दकोश, एक शब्दकोश थिसारस से भिन्न होता है। शब्दकोश आपको किसी शब्द का अर्थ बताता है। एक थिसारस आपको बताएगा, कि यहां 25 समानार्थक शब्द हैं, और यहां 10 विलोम शब्द हैं जो आप जो देख रहे हैं उसके विपरीत हैं।

तो, थिसारस एक शब्दकोश से अलग है, और आप वहां विभिन्न उद्देश्यों के लिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, एक विश्वकोश, या एक विकी। आप किसी विशिष्ट विषय पर लेख पाने के लिए विश्वकोश में जाते हैं।

इसलिए, शैली क्या है, इस पर निर्भर करते हुए, आपकी अपेक्षाएं सामने आती हैं, और यह भी कि आप जो जानकारी प्राप्त कर रहे हैं उसकी व्याख्या कैसे करेंगे। अब यह वास्तव में निराशाजनक है जब आप वेब पर आते हैं, और आपको लगता है कि आप किसी ऐसी चीज़ पर क्लिक कर रहे हैं जो आपको एक समाचार आइटम पर ले जा रही है, और यह पता चलता है कि यह वास्तव में एक प्रायोजित विज्ञापन है। इसलिए, जब प्रायोजित विज्ञापन कहा जाता है तो आप बहुत जल्दी सीख जाते हैं, यह कोई व्यक्ति कुछ आगे बढ़ा रहा है, और यह विषय पर एक लेख से अलग है।

ऐसा लगता है कि यह अनुशंसा करता है कि आप उस जानकारी के आधार पर उससे संपर्क करें जो वह आपको देने जा रहा है, लेकिन वास्तव में यह सिर्फ एक विज्ञापन है। तो, इस तरह वे अपने क्लिक या अपना मनोरंजन प्राप्त करते हैं। इसलिए, जानकारी की शैली, या साहित्यिक वर्ग, जब आप इसे खोलते हैं, और जब आप इसे पढ़ते हैं, तो आपकी अपेक्षाओं को प्रभावित करते हैं।

आप इससे क्या उम्मीद करते हैं? और फिर यह भी कि आप कैसे व्याख्या करते हैं। आप पाठ और उसके अर्थों की व्याख्या कैसे करते हैं? इमेजिस। यदि आप बेबीलोन बी जा रहे हैं, और वे कुछ व्यंग्यपूर्ण या व्यंग्यात्मक कहते हैं, तो आपको जानना होगा कि वह व्यंग्यात्मक या व्यंग्यात्मक है।

क्योंकि यदि आप इसे शाब्दिक रूप में लेते हैं, तो आप पूरी तरह से मुद्दे से चूक गए हैं। और ऐसी बहुत सी चीज़ों के साथ ऐसा ही होता है जो व्यंग्यात्मक या व्यंग्यात्मक होने की कोशिश की जाती हैं। और ऐसा लगता है कि अब हमारे पास इसके प्रति अधिक सहनशीलता नहीं है, क्योंकि अब चीज़ें बहुत गंभीर हैं और चंचल, व्यंग्यात्मक या व्यंग्यपूर्ण नहीं हैं।

और इसलिए, आपको यह जानना होगा कि आप किस प्रकार के साहित्य से निपट रहे हैं। प्रारंभिक प्रश्न जिस पर हम काम कर रहे हैं, वह यह है कि क्या नीतिवचन पुराने नियम या तनाख

के बाकी हिस्सों की तरह ही, भगवान के मुक्तिदायक इतिहास की कहानी के रूप में पढ़ा जाना चाहिए? और पुराने नियम का अधिकांश भाग परमेश्वर के मुक्तिदायक इतिहास की कहानी है।

क्या नीतिवचन उस साँचे में फिट बैठते हैं? एक कहावत भविष्यवाणी या ऐतिहासिक आख्यान से किस प्रकार भिन्न है? एक कहावत किस प्रकार भिन्न है? यहाँ फोकस इसी पर है।

तो, हमारी थीसिस यह है कि नीतिवचन टोरा, ऐतिहासिक किताबें, भविष्यसूचक किताबें या भजन के समान नहीं हैं। यह अलग है। यह प्रस्तुति इस बारे में है कि एक कहावत क्या नहीं है, यह दर्शाती है कि यह कैसे भिन्न या अद्वितीय है।

बाद में हम इस प्रश्न पर आयेंगे कि कहावत क्या है? यह कोई कहावत नहीं है; हमारी एक अलग प्रस्तुति होगी। हम इससे निपटेंगे कि एक कहावत क्या है। संचार के लिए यह किन रूपों का उपयोग करता है? और कौन से शब्द लौकिक साहित्य की विशेषता हैं और उन्हें उसी ज्ञान या लौकिक संदर्भ में समझने की आवश्यकता है, उन्हीं शब्दों के विपरीत और उनकी व्याख्या एक ऐतिहासिक पुस्तक या टोरा में कैसे की जाती है।

एक कहावत कैसे पढ़ी जाती है? एक कहावत कैसे जुड़ती है जब हमने दिखाया कि यह तनाख के अन्य वर्गों से कैसे भिन्न है? फिर हम चारों ओर वापस आएँगे, चारों ओर वापस आएँगे, और कहेंगे, ठीक है, कहावतें तनाख के बाकी हिस्सों, विशेष रूप से टोरा, विशेष रूप से व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के साथ अंतःपाठीय रूप से कैसे जुड़ती हैं? तो मूलतः, हम यह दिखाएँगे कि यह किस प्रकार भिन्न है। और फिर हम वापस आएँगे और दिखाएँगे कि यह बाद की प्रस्तुति में कैसे फिट बैठता है।

लेकिन सबसे पहले, हमें यह स्वीकार करना होगा, और यह आज बहुत से लोगों के लिए एक बड़ी समस्या है कि नीतिवचन किस प्रकार भिन्न हैं। वे कहना चाहते हैं कि सब कुछ वैसा ही है। हम कह रहे हैं, नहीं, यह वैसा नहीं है।

और इसलिए, मैं 13 विचार विकसित करूँगा, और मैं उन विचारों का पूर्वावलोकन करूँगा। और फिर हम उनसे होकर गुजरेंगे। और जैसा कि हम आगे बढ़ते हैं, ऐसा करने में काफी समय लगने वाला है, हम पुराने नियम के माध्यम से इन 13 विचारों में से प्रत्येक का सर्वेक्षण करेंगे और दिखाएँगे कि नीतिवचन में यह कैसे नहीं या अलग या अलग तरीके से प्रतिबिंबित होता है।

इसलिए, उदाहरण के लिए, कहावतें अलग हैं। ऐसे कोई व्यक्तिगत नाम नहीं हैं जो पुराने नियम के बाकी हिस्सों में सर्वव्यापी हों, लेकिन लौकिक संग्रह के अंदर, छह नामों का उपयोग किया गया है, और वे सभी आमतौर पर शीर्षकों, उपाधियों में हैं। और इसलिए वे अध्याय एक, श्लोक एक, अध्याय 10, श्लोक एक, अध्याय 25, श्लोक एक में हैं। वे व्यक्तिगत नाम केवल उन शीर्षकों तक ही सीमित हैं और अन्यत्र नहीं पाए जाते हैं।

जबकि अनेक पुस्तकों में व्यक्तिगत नाम सर्वत्र पाये जाते हैं। और हम उसका सर्वेक्षण करेंगे। यहां किसी जनजाति या राष्ट्र, जनजातीय समूहों का उल्लेख नहीं है। और इसलिए, हम कई अन्य पुस्तकों में मोआबियों, अम्मोनियों, एदोमियों और इन सभी आदिवासी समूहों को पाएँगे। और

कहावतों में, पलिशियों का कभी उल्लेख नहीं किया गया, कभी भी इन आदिवासी समूहों या राष्ट्रीय, विभिन्न राष्ट्रों का उल्लेख नहीं किया गया। इज़राइल इन दोनों से घिरा हुआ था, जिन्हें वे बड़ी बिल्लियाँ कहते हैं। आपको दक्षिण में मेसोपोटामिया, बेबीलोन, असीरिया और मिस्र मिले हैं। और इज़राइल के बीच की भूमि है जैसा कि जिम मॉन्सन और अन्य ने सही ढंग से निर्दिष्ट किया है। लेकिन मिस्र, बेबीलोन और असीरिया का उल्लेख नहीं है।

हालाँकि, मुझे यह सुधारना चाहिए कि मिस्र का उल्लेख 7:16 में मिस्र के लिनेन, मिस्र के लिनेन के संदर्भ में किया गया है, क्योंकि यह मैडम फ़ॉली के प्रलोभनों के बारे में बात कर रहा है और वह कैसे अपने मिस्र के लिनेन के साथ युवक को लुभाने की कोशिश कर रही है। कुछ और ही लगता है। हम उस पर विचार करेंगे। लेकिन वैसे भी, यहां किसी आदिवासी समूह या राष्ट्रीय समूह आदि का उल्लेख नहीं किया गया है।

शहर और स्थान. पुराने नियम के अधिकांश भाग में, आपको शहर पर शहर मिले हैं, आपको क्षेत्रों का उल्लेख मिला है। और नीतिवचन की पुस्तक में, मूल रूप से कुछ भी नहीं है, उस तरह के शहरों, कस्बों या स्थानों का बहुत कम उल्लेख किया गया है जो पुराने नियम के बाकी हिस्सों में सर्वव्यापी हैं, लेकिन नीतिवचन शून्य में नहीं। कहावतें अलग हैं .

किसी व्यक्ति विशेष की कॉल नहीं है. और ये आह्वान पुराने नियम में पाए जाते हैं जहां व्यक्तियों को बुलाया जाता था, यह आह्वान नीतिवचन की पुस्तक में बिल्कुल भी नहीं पाया जाता है। किसी को भी नहीं बुलाया गया या उनका व्यवसाय निर्दिष्ट नहीं किया गया। कहावतें अलग हैं .

नंबर पांच, वहां कोई मंदिर नहीं है. वहाँ कोई तम्बू नहीं है. नीतिवचन में प्रभु का कोई घर नहीं है, जो एक तरह से हास्यास्पद है क्योंकि नीतिवचन सुलैमान के बारे में है और सुलैमान का उल्लेख उन तीन शीर्षकों में किया गया है जिनका हमने अभी उल्लेख किया है। सुलैमान की सबसे बड़ी उपलब्धि मंदिर का निर्माण है। इसका जिक्र तक नहीं किया गया है. शून्य मंदिर, भगवान का घर, या तम्बू, इसका उल्लेख तक नहीं किया गया है। कहावतें अलग हैं .

पुरोहिताई जैसी किसी संस्था का उल्लेख नहीं है। पुजारी पूरे पुराने नियम में हैं। पैगम्बरों का उल्लेख नहीं है. पैगम्बरों, मेरे सेवकों पैगम्बरों का उल्लेख पूरे पुराने नियम में किया गया है। वहां उनका जिक्र नहीं है. सैमसन, गिदोन, या यिप्तह जैसे किसी न्यायाधीश का उल्लेख नहीं किया गया है। कहावतें अलग हैं .

अब राजायें हैं। वहाँ राजाओं का उल्लेख है और आप कहते हैं, ठीक है, राजा हैं, हम जानते हैं, डेविड, सोलोमन, शाऊल, यूनाइटेड किंगडम, जेरोबाम, अहाब, वगैरह, हिजकिय्याह। राजाओं का उल्लेख नहीं है, लेकिन पुराने नियम की अधिकांश पुस्तकों में राजाओं के नाम अभीमेलेक, अडोनाई बेजेक, विभिन्न राजाओं का उल्लेख है। नीतिवचन की पुस्तक में, शीर्षकों के अलावा राजाओं का वास्तव में उल्लेख नहीं किया गया है।

पुस्तक हालांकि राजाओं के बारे में बात करती है, लेकिन यह इस बारे में बात करती है कि राजाओं के सामने उनका व्यवहार कैसा होना चाहिए, और आपका आचरण कैसा होना चाहिए,

न कि राजा की सूची बनाकर यह कहना कि इस राजा ने ऐसा किया। नहीं, यह कह रहा है कि आपको राजाओं के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए और राजाओं को अपने मुद्दों और इस तरह की चीजों से कैसे निपटना चाहिए। इसलिए राजाओं के साथ भी, याजकों और भविष्यवक्ताओं का उल्लेख नहीं किया गया है, और नामित न्यायाधीशों का भी उल्लेख नहीं किया गया है।

नंबर सात, कोई नहीं है, "प्रभु यों कहते हैं," कोल अमर यहोवा। नहीं, "यहोवा यों कहता है।" ऐसे कोई दिव्य स्वप्न नहीं हैं जहाँ ईश्वर स्वप्न या दर्शन के माध्यम से अपने लोगों से संवाद करता हो।

वे सपने अन्यत्र पाए जाते हैं, जो पूरे पुराने नियम में बिखरे हुए हैं। इस प्रकार प्रभु कहते हैं, फिर से, विशेष रूप से भविष्यवक्ताओं और पुराने नियम के अन्य स्थानों पर छिड़का गया। " यहोवा यों कहता है।" कहावतों में ऐसा नहीं है।

नंबर आठ, वहाँ कोई थियोफनी नहीं है जहाँ थियोफनी तब होती है जब भगवान किसी रूप में या क्रिस्टोफनी में प्रकट होते हैं, या जिस तरह से आप उसे लेना चाहते हैं। कोई देवदूत या प्रभु का दूत नहीं। तो, कोई थियोफनी नहीं है, कोई देवदूत नहीं है, प्रभु का कोई देवदूत नहीं है, और कोई चमत्कार नहीं है, कोई चमत्कार नहीं है। और ये चीजें पूरे पुराने नियम में बिखरी हुई हैं। आपको मिस्र से बाहर आना और विभिन्न चीजें और चमत्कार याद हैं जो भगवान ने पुराने नियम में किए थे। नीतिवचन की पुस्तक में चमत्कारों का उल्लेख नहीं है।

यहाँ एक और है। नंबर नौ, दावतें। इज़राइल के पर्व, वसंत और पतझड़ में विभिन्न पर्वों का उल्लेख नहीं किया गया है। सब्बाथ, यहाँ का एक प्रमुख मुद्दा, सब्बाथ, का नीतिवचन की पुस्तक में उल्लेख नहीं किया गया है। तीर्थयात्रा, जहाँ आप ऊपर जाते हैं, आरोहण के स्तोत्र, जहाँ आप यरूशलेम तक जाते हैं, का उल्लेख नहीं किया गया है। जुबली का वर्ष, विश्राम वर्ष, का उल्लेख नहीं किया गया है। नीतिवचन की पुस्तक में कोई सामूहिक बैठकें, उपवास या जुलूस का उल्लेख नहीं है। कहावतें अलग हैं।

इसमें स्पष्ट रूप से किसी अनुबंध का उल्लेख नहीं है, मानवीय और दैवीय रिश्ते एक अनुबंध द्वारा निर्दिष्ट होते हैं। और इस अवधि में हमारे पास मोटे तौर पर इब्राहीम की वाचा है। हमें मूसा के साथ सिनैटिक वाचा मिली है, और फिर आपको डेविडिक वाचा मिली है, और फिर आपको नई वाचा मिली है। एकमात्र जो दिखाई देता है वह सिनैटिक वाचा है, जहाँ कानून संभवतः व्यवस्थाविवरण और चीजों से जुड़ा हुआ है, लेकिन इब्राहीम वाचा का उल्लेख नहीं किया गया है। डेविडिक वाचा, भले ही यह राजाओं और राजाओं के प्रशिक्षण के बारे में है, इसका उल्लेख नहीं किया गया है। और नई वाचा का बिल्कुल भी उल्लेख नहीं किया गया है। और वाचा के बड़े विषयों और पुराने नियम के विषयों में से एक वादा की गई भूमि है। भूमि और जनजातियों के बीच भूमि का विभाजन पवित्रशास्त्र में एक प्रमुख विषय है, इसका नीतिवचन में उल्लेख नहीं किया गया है। इसलिए कहावतें अलग हैं।

मूर्तिपूजा. पुराने नियम में मूर्तिपूजा और मूर्तिपूजा के विरुद्ध लड़ाई सर्वव्यापी है। उत्पत्ति में इसकी शुरुआत होती है, इस फल को खाओ, तुम भगवान की तरह बन जाओगे। यह किताब के अंत तक जाता है। मूर्तिपूजा की सर्वत्र निंदा होती है। और हम उनमें से कई संदर्भ

देखेंगे। मूर्तिपूजा, आप सोचते हैं कि यह एक बड़ा पाप है, नीतिवचन की पुस्तक में इसका उल्लेख नहीं है। वह संख्या 11 है, कोई मूर्तिपूजा नहीं। यह वास्तव में पुराने नियम के बाकी धर्मग्रंथों से अलग है। कहावतें अलग हैं। कोई इतिहास नहीं है।

इतिहास की विलक्षणता के बारे में सोचें। और इसलिए, इब्राहीम कसदियों के ऊर से फ़िलिस्तीन में जाता है और वह बेशेबा तक जाता है और फिर वह अबीमेलक के पास जाता है। वह मेरी बहन है और फिर वह मिस्र चला जाता है।

वह फिर से मेरी बहन है। और फिर वह वापस आता है और मकपेला की गुफा में दफन सारा के लिए एक जगह खरीदता है। और इसलिए, एक इतिहास है जहां इब्राहीम का परिचय दिया गया है। वह भागता है, उसके जीवन में विभिन्न समस्याएं हैं। वह उन समस्याओं का समाधान करता है। और फिर ये कहानी खत्म हो जाती है। इब्राहीम मर जाता है और उसके बेटे उसे ममरे के पास एक गुफा में दफना देते हैं। कहानी के प्रारूप, आरंभ और अंत और मध्य का वह संबंध नीतिवचन में नहीं होता है। नीतिवचन भावनात्मक हैं और वे एक ऐसी प्रक्रिया हैं जहां "एक बुद्धिमान पुत्र अपने पिता के लिए खुशी लाता है, एक मूर्ख बेटा अपनी मां के लिए दुख का कारण बनता है।" यह कई स्थितियों में लागू होता है। यह केवल एक स्थिति नहीं है जो आपको किसी विशेष स्थान पर किसी विशेष समय में किसी विशेष व्यक्ति के बारे में बताती है और उसने क्या किया, ए, बी, सी, डी, और भगवान ने उस व्यक्ति या उस राष्ट्र को अपने पास लाने की प्रक्रिया में क्या किया। नहीं, कहावतें एकवचन के बजाय बहुत छोटी और बहुत हैं, मैं कैसे कहूँ।

दूसरे शब्दों में, इब्राहीम के साथ ऐसा एक बार हुआ था और वह कसदियों के उर से एक बार फ़िलिस्तीन, एक बार इज़राइल गया था। नहीं, नीतिवचन में कहा गया है, "एक बुद्धिमान पुत्र पिता के लिए खुशी लाता है," ऐसा हर साल लाखों बार होता है। और इसलिए, यह बिल्कुल अलग है। नीतिवचनों में उस विलक्षणता का अभाव है जो आपको ऐतिहासिक कथात्मक प्रकार की चीज़ों में मिलती है। ऐतिहासिक आख्यानो या कहानियों को पैराग्राफ और पेरिकोप्स, कहानियों के आसपास समूहीकृत किया जाता है। तो, आपके पास एक कहानी है जो इस व्यक्ति के बारे में एक पैराग्राफ से बनी है जो किसी व्यक्ति के जीवन की कहानी बताती है या भगवान ने उस व्यक्ति के साथ कैसे बातचीत की। यह मूलतः अनुच्छेदों पर बनी कहानी है। कहावतें अधिक भावात्मक होती हैं। दूसरे शब्दों में, यह एक छोटा वाक्य है और बस इतना ही।

मेरा मतलब है, यह एक छोटा वाक्य है और फिर आप आगे बढ़ते हैं और फिर आप अगला वाक्य, अगला वाक्य और अगला वाक्य मारते हैं। इसलिए, कुछ अर्थों में यह अधिक अस्थिर है और हमें दूसरे व्याख्यान में भी इससे निपटना होगा। मुझे लगता है कि उनमें से कुछ चीज़ें जुड़ी हुई हैं और छोटे वाक्य जुड़े हुए हैं, लेकिन यह काफी परिष्कृत है और हमें बाद में इस पर विचार करना होगा।

तो वैसे भी, भजन, कविताओं पर बने होते हैं और उन कविताओं को आम तौर पर स्तम्भों में विभाजित किया जाता है, कई छंद जो एक साथ लटकते हैं और वे लगभग काव्य पैराग्राफ की तरह होते हैं, लेकिन वे कई छंद होते हैं। लोकोक्तियाँ, एक वाक्य मिल जाए, बस। तो, कहावतें अलग हैं।

तो वे 13 चीजें हैं जिनसे हम गुजरना चाहते हैं। और अब आइए पहले एक, व्यक्तिगत नामों पर चलते हैं। तनख के बाकी हिस्सों में व्यक्तिगत नाम सर्वव्यापी हैं, लेकिन लौकिक संग्रह के बाहर, वे केवल शीर्षकों तक ही सीमित हैं।

और इसलिए, मुझे इनमें से कुछ को पढ़ने दीजिए। कहावतें अलग हैं . जबकि व्यक्तिगत नाम पूरे पुराने नियम में नीतिवचनों में पाए जाते हैं, वे मूल रूप से केवल शीर्षकों में सूचीबद्ध हैं।

इसलिए, उदाहरण के लिए, मुझे उनमें से कुछ शीर्षकों पर नजर डालने दीजिए। नीतिवचन 1:1 पुस्तक का परिचय देता है और यह यही कहता है। "सुलैमान की नीतिवचन, व्यक्तिगत नाम, दाऊद का पुत्र, व्यक्तिगत नाम, इस्राएल का राजा।"

तो, हमें वहां दो व्यक्तिगत नाम मिले हैं, सुलैमान और डेविड, लेकिन इसे एक शीर्षक के रूप में नीतिवचन 1:1 में सूचीबद्ध किया गया है और फिर यह आता है और फिर यह अध्याय में आपको ज्ञान निर्देश के बारे में बताता है। अध्याय 10:1 वाक्य का परिचय है। तो, अध्याय 1:1 निर्देशों का परिचय देता है। नीतिवचन 1-9 में बुद्धि के बारे में ये लंबे निर्देश हैं, मैडम बुद्धि, मैडम मूर्खता, बुद्धि बोलती है, मैडम मूर्खता बोलती है, और वे युवक से यह देखने की होड़ कर रहे हैं कि वह बुद्धिमान होगा या वह मूर्ख होगा। उन लम्बे अनुदेशों के बाद, फिर अध्याय 10:1 में, हम भावात्मक नीतिवचनों पर प्रहार करते हैं, यदि आप चाहें तो नीतिवचन उचित हैं। और नीतिवचन 10:1 फिर से इस शीर्षक से शुरू होता है, "सुलैमान की नीतिवचन।" बस इतना ही। सुलैमान की कहावतें. और बूम, 10:1 10:1 से मूल रूप से 25 या वास्तव में 22 या जो भी हो, एक और खंड शुरू करता है, जैसे भी आप इसे विभाजित करना चाहते हैं।

अध्याय 25:1 आप एक और प्रमुख शीर्षक खंड पर क्लिक करते हैं और यह कहता है, "ये सुलैमान की और भी कहावतें हैं।" व्यक्तिगत नाम "हिजकिय्याह के लोगों द्वारा संकलित", एक अन्य व्यक्तिगत नाम, "इज़राइल का राजा" पर ध्यान दें। इसलिए अब हिजकिय्याह नीतिवचन इकट्ठा कर रहा है और उन नीतिवचनों का संपादन कर रहा है जो सुलैमान ने वहां दिए थे। और वह मूल रूप से अध्याय 25 से 29 जोड़ रहा है। वे हिजकिय्याह के लोग हैं जिन्होंने उन्हें सोलोमोनिक संग्रह से बाहर निकाला। और इसलिए, सुलैमान के नाम और हिजकिय्याह के नाम का उल्लेख किया गया है, लेकिन फिर से, केवल शीर्षक में, शीर्षक के बाद, व्यक्तिगत नामों का कोई उल्लेख नहीं है।

जचेल के पुत्र अगुर की बातें, एक दैवज्ञ या एक प्रेरित कथन। तो यहाँ आपको अगूर मिल गया है, हम वास्तव में नहीं जानते कि वह कौन है, " जचेल का पुत्र, " " जचेल का पुत्र, एक दैवज्ञ।" और इसलिए यहां दो अन्य नाम हैं। ये अज्ञात नाम हैं, अगुर और जचेल ।

फिर अध्याय 31 में, तो वह अध्याय 30 है। और फिर अध्याय 31 में, हमें राजा लेमुएल के बारे में यह मिलता है। यह राजा लमूएल कौन है, इस पर तरह-तरह के अनुमान लगाए जा रहे हैं । इस्राएल का राजा लमूएल नाम का कोई राजा नहीं है। इसलिए, कुछ लोगों का अनुमान है कि यह

सुलैमान का संदर्भ दे रहा है। तो इस पर बड़ी बहसें हो रही हैं। मैं उसमें नहीं पड़ना चाहता। "राजा लमूएल की बातें, एक प्रेरित कथन जो उसकी मां ने उसे सिखाया था।"

और फिर अध्याय 31 का पहला श्लोक, दसवाँ श्लोक और अध्याय 31 का अगला भाग पवित्र स्त्री के बारे में है। नीतिवचन 31 को आमतौर पर हर कोई पहचानता है, गुणी महिला या वीडब्यू। लेकिन यह आगे बढ़ता है, "यह राजाओं के लिए नहीं है," माँ अपने बेटे से बात कर रही है, "यह राजाओं के लिए नहीं है, हे लमूएल, यह राजाओं के लिए नहीं है कि वे शराब पियें या शासकों के लिए मजबूत पेय लें।" (नीति. 31:4) तो, माँ अपने बेटे को लेमुएल कहकर संबोधित करती है। "यह एक राजा के लिए नहीं है, हे लमूएल, उसके बेटे।" तो, वहां आपको लेमुएल नाम पाठ में मिलता है, शीर्षक में नहीं।

हमारे पास अगुर है, हमारे पास जेकेल, सोलोमन, डेविड, हिजकिय्याह, सभी शीर्षक अनुभाग में हैं। और उस खंड का शेष भाग जो 10, 15 अध्यायों, या पाँच अध्यायों, चार अध्यायों तक चलता है, किसी भी व्यक्तिगत नाम का कोई उल्लेख नहीं है, शून्य। तो यह बहुत दिलचस्प है कि व्यक्तिगत नाम वास्तव में उन चीज़ों में उन शीर्षकों तक ही सीमित हैं। नीतिवचन 31 अध्याय लंबा है और यह लगभग 915 छंद लंबा है। तो, बहुत सारे श्लोक हैं, 915 श्लोक। यह तनाख की 11वीं लंबी किताब है। तो, बहुत सारे 31 अध्याय हैं और फिर भी उन शीर्षकों के अलावा लेमुएल को छोड़कर कोई नाम नहीं है (नीतिवचन 31:4)। अन्य पुस्तकें शीर्षकों से भरी हुई हैं और हम बस पुराने नियम का एक तरह से सर्वेक्षण करेंगे।

पुराने नियम को प्रतिबिंबित करना मज़ेदार होगा। जहाँ तक व्यक्तिगत नामों की बात है, नीतिवचनों में कोई आदिम पात्र नहीं हैं। क्या आदम और हव्वा जैसे लोगों के बारे में सुना है? आदम और हव्वा का उल्लेख नहीं है। कैन और हाबिल का उल्लेख नहीं किया गया है। नूह, का उल्लेख नहीं किया गया था। आदिम पात्रों में से कोई भी, जिसका उल्लेख नीतिवचन में नहीं किया गया है।

पितृसत्ता, कोई पितृसत्ता नहीं है। कोई इब्राहीम, इसहाक, याकूब, और यूसुफ नहीं। इब्राहीम, इसहाक, याकूब और यूसुफ का कोई उल्लेख नहीं है। वे पुराने नियम या तनाख में प्रमुख पात्र हैं। वे नीतिवचन की पुस्तक में बिल्कुल नहीं हैं, शून्य हैं।

मूसा जैसा कोई इस्राएली नेता नहीं। मूसा, विशाल नाम का कभी उल्लेख नहीं किया गया। हारून, मूसा के साथ पहला याजक और मिस्र से बाहर आने पर चीज़ें। हारून का उल्लेख नहीं किया गया है। यहोशू जेरिको की लड़ाई में फिट बैठे। जोशुआ का उल्लेख नहीं किया गया है। सैमसन, आप जानते हैं, हर किसी ने सैमसन, डेलिलाह के बारे में सुना है, इसका बिल्कुल भी उल्लेख नहीं किया गया है। सैमुएल का उल्लेख नहीं किया गया है। शाऊल का उल्लेख नहीं है। जोनाथन का उल्लेख नहीं किया गया है। यारोबाम का उल्लेख नहीं है। अहाब, का उल्लेख नहीं है। ये इसराइल के प्रमुख राजा हैं। इसलिए किसी भी इज़राइली नेता का उल्लेख नहीं किया गया है।

कोई इस्राएली विरोधी नहीं। अब विरोधियों का जिक्र अक्सर होता रहता है। इस लड़के का नाम ओग और सीहोन है। इसलिए, ओग और सीहोन का उल्लेख नहीं किया गया है। बालाम, संख्या 22 से 24 तक असफल गलत भविष्यवक्ता, का उल्लेख नहीं किया गया है। बिलाम का उल्लेख नहीं किया गया है। इजराइल के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी गोलियथ, डेविड और गोलियथ का उल्लेख नहीं किया गया है। हम आज भी इस कहानी का उपयोग करते हैं। एक व्यक्ति जो एक बड़े निगम से लड़ रहा है, हम कहते हैं कि यह डेविड बनाम गोलियथ है। गोलियथ का उल्लेख नहीं है। संबल्लत, नबूकदनेस्सर, वगैरह।

इजराइल के उन विरोधियों में से कोई भी प्रमुख नामित पात्र नहीं हैं, फिर भी वे नीतिवचन में बिल्कुल नहीं पाए जाते हैं। किसी भी इस्राएली पैगम्बर का नाम नहीं लिया गया है। कोई यिर्मयाह, यशायाह, दानियेल, योना, होशे या मीका नहीं है। इन लोगों का जिक्र नहीं है। इस्राएल के प्रमुख पैगम्बरों में से एक का भी उल्लेख नहीं है।

किसी महिला का नाम नहीं लिया गया है। ईव का नाम नहीं है। सारा, नाम नहीं है। राहेल, लिआ, रिबका, रूथ, दलीला, या गोमेर का नाम नहीं लिया गया है।

मेरा मतलब है, पुराने नियम में इनमें से कई महिलाओं के नाम हैं, फिर भी नीतिवचन की किताब में नाममात्र भी नहीं है। कोई विदेशी राजा नहीं। पुराने नियम, उत्पत्ति 14 में प्रसिद्ध मलिकिसिदक का उल्लेख नहीं किया गया है। अबीमेलक का फिर से उल्लेख नहीं किया गया। ओह, कोई उल्लेख नहीं है। सन्हेरीब का उल्लेख नहीं है। गत के राजा आकीश का कोई उल्लेख नहीं है।

तो, ये प्रमुख नाम हैं जो बिल्कुल सूचीबद्ध नहीं हैं। पुरोहितों का भी, पुरोहितों का भी नाम है। हारून का नाम है। एलीएजेर का नाम है। डेविड के साथ एब्द्यातार का नाम लिया गया है। अहिमेलक का नाम रखा गया है। बाद में एज्रा को पुजारी नामित किया गया। इनमें से किसी का भी नाम नीतिवचन में नहीं है।

नीतिवचन की पुस्तक में कोई वंशावली नहीं है। अब आप वंशावली जानते हैं जब मैं वंशावली के बारे में सोचता हूँ, तो आप उत्पत्ति 5, उत्पत्ति 11 और उस प्रकार की चीजों के बारे में सोचते हैं। रूत 4, 1 इतिहास, पहले कुछ अध्यायों में ठोस वंशावली हैं। तो, पूरे धर्मग्रंथ में वंशावली हैं, भले ही आप मैथ्यू 1 और यीशु मसीह की वंशावली के बारे में सोचें। ल्यूक में मैथ्यू 1 या उससे ऊपर, लेकिन नीतिवचन में कोई वंशावली नहीं है। वंशावली व्यक्तिगत नामों से भरी हुई हैं, फिर भी उनमें से कोई भी नीतिवचन की पुस्तक में नहीं है।

खैर, देखिए, संक्षेप में, आइए रूथ की किताब लें। यह संक्षिप्त है, संक्षिप्त है, और आइए रूथ की पुस्तक के माध्यम से व्यक्तिगत नामों का चयन करें और वे कैसे घटित होते हैं, इस पर गौर करें। अब ध्यान दें कि वे कहानी में स्वाभाविक रूप से कैसे घटित होते हैं।

नीतिवचन, फिर से, केवल शीर्षकों में, नीतिवचन के निम्नलिखित भागों में कभी नहीं। तो, रूत 1:5 यह कहता है, “जिन दिनों में न्यायी न्याय करते थे, उन दिनों देश में अकाल पड़ा। इसलिये यहूदा के बेतलेहेम का एक पुरूष अपनी पत्नी और दो पुत्रोंसमेत कुछ समय के लिये मोआब देश में रहने को गया। उस व्यक्ति का नाम एलीमेलक था। उनकी पत्नी का नाम नाओमी था।” तो अब

आपको एलीमेलेक और उसकी पत्नी, नाओमी, "और उनके दोनों बेटों के नाम, महलोन और किल्योन" मिल गए हैं। तो, इसमें दोनों बेटों के नाम, पिता और माता के नाम हैं, "और वे यहूदा के बेतलेहेम के एप्राथी थे। और वे मोआब में जाकर रहने लगे। अब नाओमी का पति एलीमेलेक मर गया, और उसके दो पुत्र रह गए। उन्होंने ओर्पा नाम की मोआबी स्त्री से विवाह किया, जो दूसरा नाम था, और दूसरे ने रूत से विवाह किया। और उनके 10 वर्ष जीवित रहने के बाद, महलोन और चिलिओन दोनों, जिनकी भी मृत्यु हो गई, और नाओमी, जो एक और व्यक्तिगत नाम था, "अपने दो बेटों और अपने पति के बिना रह गई।" यह पुस्तक के पहले पाँच छंदों में है, लेकिन यह स्थापित हो जाता है। तू ने एलीमेलेक का विवाह नाओमी से कर दिया है। उसके दो बेटे हैं, महलोन और चिलिओन। वे ओर्पा और रूथ से शादी करते हैं। और इस प्रकार आपके पास छह अक्षर सूचीबद्ध हैं।

और फिर जैसे ही आप अध्याय तीन में कथा से गुजरते हैं, एक और चरित्र पेश किया जाता है। "एक दिन रूत की सास नाओमी ने उस से कहा, हे मेरी बेटी, मुझे तेरे लिये एक ऐसा घर ढूँढ़ना है जहाँ तेरा भरण पोषण हो। अब बोअज़, जिसकी स्त्रियों के साथ तुमने आज काम किया है, वह हमारा रिश्तेदार है।" तो यहाँ आपको एक और चरित्र मिला है, बोअज़। निस्संदेह, वह कहानी का नायक बनने जा रहा है। और मूलतः बोअज़ का परिचय कराया गया है। और इसलिए, आपको इसमें व्यक्तिगत नामों के साथ-साथ रूथ की पुस्तक के अंत में एक वंशावली भी मिलेगी। आपके पास एक वंशावली है, बहुत लंबी नहीं, लेकिन उसमें लिखा है, "यह पेरेज़ का परिवार है। पेरेज़ हेस्रोन का पिता था। हेस्रोन राम का पिता था, वगैरह-वगैरह। मुझे नीचे जाने दो। "सैल्मन, बोअज़ का पिता।" तो, यह हमें बताता है कि यह वंशावली बोअज़ से होकर गुजरती है। लेकिन फिर जो वास्तव में दिलचस्प है, वह बोअज़ से कहाँ जाता है? वह कहाँ गया? "बोअज़ ओबेद का पिता था। ओबेद यिशै का पिता था। और यिशै दाऊद का पिता था।" तो, डेविड के पिता जेसी थे। आप शायद उसके बारे में कुछ कहानियाँ जानते होंगे। और फिर ओबेद दाऊद का दादा था, और उसका परदादा बोअज़ था।

और इसलिए, यह वंशावली डेविड और वंशावली और चीजों के अंत पर ध्यान केंद्रित करती है, इन सभी व्यक्तिगत नामों को सूचीबद्ध करती है। नीतिवचन में कुछ भी नहीं है। इसलिए कहावतें अलग हैं।

यह रोचक है। जब आप यिर्मयाह 15:1 पर जाते हैं, तो परमेश्वर दो नाम सामने लाता है। आप जानते हैं, यिर्मयाह 600, 587 या 6 ईसा पूर्व लिख रहा है। ये लोग कम से कम चार या 500 साल पहले से आते हैं। "और फिर यहोवा ने मुझसे कहा, भले ही मूसा और शमूएल यहाँ मेरे सामने खड़े हों," यह यिर्मयाह 15 है। इसलिए यिर्मयाह सैकड़ों साल बाद, सैकड़ों-सैकड़ों साल बाद लिख रहा है। और वह कहता है, यदि मूसा और शमूएल भी मेरे सामने खड़े होते, तौभी मेरा मन इन लोगों की ओर न लगता। परमेश्वर यिर्मयाह से यही कहता है। भले ही मूसा और शमूएल जिन्होंने अपने लोगों के लिए मध्यस्थता की थी, भले ही उन्हें इन लोगों के लिए मध्यस्थता करनी पड़े, यिर्मयाह, जिनके साथ आप सैकड़ों साल बाद निपट रहे हैं, बेबीलोन की कैद से ठीक पहले, मैं उनकी बात नहीं सुनूंगा। ठीक है। बहुत ही रोचक। वह यिर्मयाह 15 में उन दो व्यक्तिगत नामों को लाता है।

यहेजकेल 14:14 से एक और दिलचस्प बात यहां दी गई है। "भले ही ये तीन आदमी, नूह, डैनियल और अय्यूब" डैनियल पर हों, इस पर कुछ बहस है, "अगर वे इसमें होते, तो वे अपनी धार्मिकता से अपने जीवन को बचा लेते, प्रभु की यही वाणी है।"

दूसरे शब्दों में, ये धर्मी लोग हैं। नूह, बाढ़, उसने बाढ़ से बचाया। डैनियल या डैनियल, हम उस पर बहस को छोड़ देंगे, और जॉब, ये लोग केवल अपनी धार्मिकता से खुद को बचाएंगे। बाकी लोगों का न्याय किया जाएगा. और इसलिए, यहेजकेल 14:14, यिर्मयाह 15:1, इन नामों को सामने लाएँ। ऐसे ही अन्य व्यक्तिगत नाम आते हैं. "ये इस्राएल के पुत्रों के नाम हैं जो याकूब के साथ मिस्र गए थे। जैकब एक व्यक्तिगत नाम है. प्रत्येक अपने परिवार में," यह निर्गमन 1:1-4 है। रूबेन, व्यक्तिगत नाम. शिमोन, व्यक्तिगत नाम. ये इज़राइल में जनजातीय नाम हैं, इज़राइल की 12 जनजातियाँ। रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, जबूलून, बिन्यामीन, दान, नफ्ताली, गाद, और आशेर। इसमें इज़राइल की 12 जनजातियों को सूचीबद्ध किया गया है। तो ये सभी व्यक्तिगत नाम हैं जो मिस्र में गए लोगों का जिक्र करते हैं।

निर्गमन 3:14 और 15, प्रसिद्ध मार्ग, जलती हुई झाड़ी। इसलिए, मूसा जलती हुई झाड़ी के पास जाता है और उसे भगवान से एक व्यक्तिगत बुलावा आता है। "मैंने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।" परमेश्वर ने मूसा से कहा, " फिर से, मूसा का व्यक्तिगत नाम, "इस्राएलियों से कहो, हे प्रभु, तुम्हारे पूर्वजों का परमेश्वर, इब्राहीम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर।" इब्राहीम, इसहाक और याकूब का यहाँ विशेष रूप से उल्लेख किया गया है, "उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।"

वह झाड़ी में थियोफनी में मूसा की ईश्वर से मुलाकात में जलती हुई झाड़ी से निकल रहा है। वह कहता है, "मैं इब्राहीम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर हूँ।" ईश्वर स्वयं को उन तीन व्यक्तिगत नामों से पहचानता है।

नीतिवचनों में व्यक्तिगत नाम नहीं मिलते। यशायाह अध्याय 51:2, यशायाह कहता है, अपने पिता इब्राहीम की ओर देखो, और सारा की ओर देखो, जिसने तुम्हें जन्म दिया। तो यहाँ वह इब्राहीम और सारा को सूचीबद्ध करता है, यशायाह 51:2।

इज़राइल के इतिहास में बाद में, बेबीलोन में निर्वासन के बाद, नहेमायाह 9:7, "आप भगवान भगवान हैं जिन्होंने अब्राम को चुना और उसे कसदियों के ऊर से बाहर लाया और उसका नाम इब्राहीम रखा।" तो यहां नहेमायाह इस तथ्य को उठाता है कि अब्राम, जो कसदियों के उर से निकला था, बाद में भगवान ने उसका नाम अब्राहम रखा, जो कई राष्ट्रों का पिता था और उसका नाम बदल दिया। नहेमायाह ने अब्राम और इब्राहीम नाम चुना। नहेमायाह 13:1, "उस दिन, मूसा की पुस्तक," तोरा की पहचान करते हुए, "मूसा की पुस्तक लोगों के सामने जोर से पढ़ी गई।" और इस प्रकार, तोरा की पुस्तक की पहचान मूसा की पुस्तक के रूप में की गई। नहेमायाह अध्याय 13:1.

भजनों के बारे में क्या? स्तोत्र में भी बहुत सारे नाम हैं। कई बार वे भजनों के शीर्षक में होते हैं। भजन 51, बहुत प्रसिद्ध भजन, डेविड, और बतशेबा और वह अपने पाप का पश्चाताप करता है। भजन 51, कहता है, "संगीत के निर्देशक के लिए, डेविड का एक भजन," यह एक व्यक्तिगत नाम है, जब भविष्यवक्ता नाथन, व्यक्तिगत नाम, डेविड के बाद उनके पास आया, व्यक्तिगत

नाम, ने बथशेबा, व्यक्तिगत नाम के साथ व्यभिचार किया था। तो बस उस एक शीर्षक में, आपको वहां चार नाम मिलते हैं।

इसके अलावा भजन की किताब में, भजन 105:26, भगवान ने अपने सेवक मूसा को भेजा, नाम से मूसा का उल्लेख किया और हारून जिसे उसने चुना था, व्यक्तिगत नाम हारून का उल्लेख किया। अध्याय 105:9 और 42, वह वाचा जो उसने इब्राहीम के साथ बनाई थी, फिर से भजन 105 में इब्राहीम के साथ वाचा को सूचीबद्ध करता है। 105.17, उसने यूसुफ से पहले एक आदमी भेजा था। तो अब वह स्पष्ट रूप से उत्पत्ति की पुस्तक से यूसुफ का उल्लेख करता है, और जिसे दास के रूप में बेचा गया था।

भजन 106 और फिर फिनीस उठ खड़ा हुआ। तो अब आपको भजन 106 में फिनीस के आने की कहानी मिल गई है। इसलिए, भजन 105, भजन 106, उन्होंने इब्राहीम और बहुत पुराने समय के विभिन्न लोगों और जोसेफ और इस प्रकार की चीजों का उल्लेख किया है। इसलिए, स्तोत्रों में कई व्यक्तिगत नाम बिखरे हुए हैं।

मूलतः शीर्षकों के बाहर नीतिवचनों में कोई व्यक्तिगत नाम नहीं हैं। जबकि पुराने नियम के बाकी हिस्सों में, व्यक्तिगत नाम हर जगह सर्वव्यापी हैं। कहावतें अलग हैं . कहावतें अलग हैं .

अब, दूसरा बिंदु, कोई भी आदिवासी समूह या राष्ट्र नामित नहीं है, जो पुराने नियम के बाकी हिस्सों में सर्वव्यापी हैं। लेकिन नीतिवचन के अंदर, वे बड़े पैमाने पर शीर्षकों में समाहित हैं और शीर्षक मूल रूप से कहते हैं, डेविड, इज़राइल का राजा। तो, इज़राइल एक है। फिर 25:1 में, यह यहूदा के राजा हिजकिय्याह का उल्लेख करता है, जो इज़राइल के विपरीत है, राज्य 9.31 में विभाजित हो गया। तो मूल रूप से इज़राइल और यहूदा ही एकमात्र जनजातियाँ हैं और वे दोनों फिर से उपाधियों में हैं। और फिर मैंने इसे बाद में भी उठाया जब मैडम फ़ॉली युवक को बहकाने की कोशिश कर रही थी।

और वह कहती है, मूल रूप से, मेरे पति शहर से बाहर हैं, यार, मैंने तुम्हारे लिए शयनकक्ष पूरा तैयार कर लिया है। और मुझे अध्याय 7:16 में मिस्र से लिनेन मिले हैं। इसमें मिस्र के लिनेन का उल्लेख है।

तो, उस एक संदर्भ में मिस्र का उल्लेख किया गया है। जाहिर है, यह अपने लिनेन के लिए प्रसिद्ध था। और हम एक सेकंड में उस पर गौर करेंगे।

नीतिवचन के बाहर जिन जनजातीय समूहों का उल्लेख किया गया है, उनमें मोआबी, आपके पास अम्मोनी, आपके पास एदोमी, आपके पास इज़राइल, आपके पास पलिशियों का हर जगह उल्लेख है, मिस्रवासी, कसदी, एमोरी, अमालेकी, अरामी शामिल हैं। असीरियन, बेबीलोनियाई, इज़राइल की जनजातियाँ, एप्रैम, यहूदा, बिन्यामीन, दान, जिनका आदिवासी समूहों के रूप में उल्लेख इज़राइल शीर्षक के अलावा नीतिवचन में नहीं किया गया है।

अब यहाँ कुछ उदाहरण हैं। निर्गमन अध्याय तीन, श्लोक आठ। “ इसलिये मैं उन्हें छुड़ाने के लिये नीचे आया हूँ,” परमेश्वर ने कहा, “मैं उन्हें मिस्त्रियों के हाथ से छुड़ाने और उन्हें इस देश से निकाल कर एक अच्छे और विशाल देश में ले जाने के लिये आया हूँ।” भूमि पर ध्यान केंद्रित करें, दूध और शहद से बहने वाली भूमि। “कनानी, हित्ती, एमोरी, परिज्जी, हिब्बी, और यबूसी लोगों का निवास।”

उनमें से किसी भी आइटम और टाइट्स का बिल्कुल भी उल्लेख नहीं किया गया है। वे यहां सूचीबद्ध हैं, उनमें से दो, चार, छह यहां एक पंक्ति में सूचीबद्ध हैं। एज्रा 9:1, इसकी प्रतिध्वनि करता है।

अब यह सैकड़ों साल बाद है। आपके पास मूसा है और फिर आपके पास कैनन के दोनों सिरों पर एज्रा है। एज्रा 9:1 कहता है, “इन बातों के हो जाने के बाद प्रधान लोग मेरे पास आकर कहने लगे, इस्राएल के लोग, याजकों और लेवियों समेत, अपने घृणित कामों के कारण अपने को पड़ोसी देशों के लोगों से अलग नहीं रखते। कनानियों, हित्तियों, परिज्जियों, यबूसियों, अम्मोनियों, मोआबियों, मिस्त्रियों, और एमोरी लोगों की तरह। इनमें से दो, चार, छह, आठ सूचीबद्ध हैं, उनमें से कई वही दोहराते हैं जो हमने निर्गमन में देखा था और कुछ में मोआबियों, अम्मोनियों, वगैरह को जोड़ा गया था। न्यायियों 1:21 में " हालाँकि बिन्यामीनियों ने यबूसियों को बाहर नहीं निकाला।”

तो, यहोशू में, हाँ, “उन्होंने सारी ज़मीन पर कब्ज़ा कर लिया।” और फिर आप न्यायाधीशों के पास आते हैं और कहते हैं, ठीक है, हाँ, वास्तव में नहीं। उन्होंने अधिकांश भूमि पर कब्ज़ा कर लिया, परन्तु वे यरूशलेम में रहने वाले यबूसियों को नहीं निकाल सके। इस प्रकार यबूसी लोग अब भी यरूशलेम में हैं, और बिन्यामीन यबूसी लोगों को बाहर न निकाल सके। लेकिन ध्यान दें कि इसमें बिन्यामियों को सूचीबद्ध किया गया है और इसमें यबूसियों को भी सूचीबद्ध किया गया है, दो आदिवासी समूह, एक इज़राइल में, एक बाहर। “आज तक, यबूसी और बिन्यामीन वहाँ रहते हैं,” वगैरह, वगैरह।

यहोशू की पुस्तक में इस्राएल की जनजातियों का उल्लेख किया गया है। जैसे ही यहोशू ने भूमि को विभाजित किया, उसने इसे विभिन्न जनजातियों और जनजाति के बीच विभाजित किया। और इसलिए उन जनजातियों का उल्लेख इज़राइल या नीतिवचन की पुस्तक में नहीं किया गया है।

न्यायाधीश अध्याय 12, पद चार, तब यिप्तह ने गिलाद के लोगों को एक साथ बुलाया और एप्रैम के विरुद्ध लड़ा। गिलादियों ने, फिर से, इट्स और टाइट्स, गिलादियों, वे लोग ट्रांसजॉर्डन में गिलाद में रहते हैं, उन्हें मार डाला क्योंकि एप्रैमियों, फिर से, इसराइल में आदिवासी समूह ने कहा था, तुम गिलादियों एप्रैम और मनश्शे के पाखण्डी हो। तो फिर, गिलादियों को एप्रैमियों के साथ चित्रित किया गया है।

एदोमी लोग बहुत प्रसिद्ध हैं। वे एसाव के वंशज थे। तो, एसाव के वंशज एदोमी थे जो लाल शब्द का प्रयोग कर रहे थे और उनके पहाड़ लाल थे।

पेट्टा, इसका एक प्रसिद्ध उदाहरण है। व्यवस्थाविवरण 23:7, "किसी एदोमी को तुच्छ न जानना, क्योंकि एदोमी तुम्हारे सम्बन्धी हैं।" हाँ। वे एसाव के वंशजों के समान हैं। तो, उन पर शांत रहें। उन्हें चोट मत पहुँचाओ। उनका सामान मत लो। उन्हें अकेला छोड़ दो। "किसी मिस्री को तुच्छ न जानना, क्योंकि तुम उसके देश में परदेशी होकर रहते हो।"

तो यहाँ आपको बाइबिल में मिस्रवासियों और एदोमियों का उल्लेख मिलता है, जो कहते हैं, अरे, उनके प्रति सम्मान रखो। ये लोग आपके रिश्तेदार हैं। मिस्रवासियों, आपकी मेजबानी उनके देश ने की थी। बेशक, आपको गुलाम बनाया गया था, लेकिन आपकी मेजबानी वहाँ की गई थी। तो, मिस्रवासियों के प्रति भी सहजता बरतें। 1 शमूएल 21:7.

उस दिन शाऊल का एक सेवक यहोवा के साम्हने हिरासत में था। उसका नाम एदोमी दोएग था। और इसलिए, उसे एदोमी, एसाव के वंशज के रूप में निर्दिष्ट किया गया है। लेकिन ध्यान दें कि इसे कैसे पेश किया गया है। यह कथा में स्वाभाविक रूप से फिट बैठता है। एदोमी दोएग, शाऊल का मुख्य चरवाहा। और फिर दोएग नोब के भविष्यवक्ताओं या पुजारियों को मारने के लिए आगे बढ़ता है। पूरे अध्याय एदोमियों को दिए गए हैं।

तो, आपको उत्पत्ति अध्याय 36 मिलता है। आपको वहाँ एदोमियों की वंशावली मिलती है। यिर्मयाह 49 उसके समानांतर है। और फिर ओबद्याह की पूरी किताब, पूरी किताब।

खैर, यह वास्तव में कोई लंबी किताब नहीं है, लेकिन कम से कम ओबद्याह की पूरी किताब मूल रूप से एदोम की निंदा है। और फिर क्लासिक्स में से एक भजन अध्याय 137, श्लोक सात है। स्तोत्र 137, श्लोक सात यह कहता है, हे प्रभु, स्मरण कर, जिस दिन यरूशलेम गिर गया उस दिन एदोमियों ने क्या किया, उसे ढा दिया, वे चिल्लाए।

तो यहाँ इज़राइल की याद में, और इसे एक गीत में पिरोया गया है, वे याद करते हैं कि जब मंदिर नष्ट हो गया था, जो इज़राइल के लिए कई मायनों में विनाशकारी था, मंदिर नष्ट हो गया था और वे तबाह हो गए थे। यह एदोमी लोग ही थे जिन्होंने बेबीलोनियों का उत्साहवर्धन किया जब उन्होंने इसे नष्ट कर दिया, इसे ध्वस्त कर दिया। एदोमियों ने चिल्लाया और इस्राएलियों ने उसे एक गीत में पिरोया, भजन संहिता की पुस्तक में भजन 137।

इसलिए, एदोमी पूरे धर्मग्रंथ में प्रसिद्ध थे, नीतिवचन की पुस्तक में शून्य। मोआबियों, मोआबियों की उत्पत्ति उत्पत्ति के अध्याय 19, श्लोक 37 में हुई है। और उत्पत्ति 19 में, मूल रूप से, लूत सदोम से भागने के बाद गुफा में चला जाता है और भगवान सदोम और अमोरा को नष्ट कर देते हैं। वह अपनी बेटियों के साथ एक गुफा में है। वे उसे शराब पिलाते हैं। उनके अपने पिता से बच्चे हैं। और इसलिए, उसका नाम "पिता से" मोआब रखा गया है। मुझे खेद है, यह एक तरह से अशोभनीय है, लेकिन मोआब शब्द यहीं से आया है, पिता से। निर्गमन 15:15 एदोम के सरदार भयभीत हो जाएंगे, और मोआब के सरदार और फिर आदिवासी समूह सूचियां, एदोम और मोआब थरथरा कर पकड़ लिए जाएंगे, और कनान के लोग पिघल जाएंगे।

उस राजा को याद करें जिसने गिनती 22 से 24 में बिलाम, बिलाम और उसके बोलने वाले गधे को किराये पर लिया था। बिलाम इस्राएल को श्राप देने जा रहा है क्योंकि मोआब के राजा बालाक ने बिलाम को इस्राएल के पीछे आकर उन्हें श्राप देकर जाने के लिए किराये पर लिया था। और इसलिए मोआब के राजा बालाक ने फिर से उन चीजों को सूचीबद्ध किया, संख्या 22 से 24 तक, पूरे स्थान पर, मोआबी मूल का था।

व्यवस्थाविवरण अध्याय दो, श्लोक नौ, तब यहोवा ने मुझ से कहा, मोआबियोंको मत सताना, और न उन्हें युद्ध के लिये उकसाना, क्योंकि मैं उनके देश में से कुछ भी तुझे न दूंगा। और इसलिए मोआबी फिर से, लूत के माध्यम से इज़राइल से संबंधित थे और मूल रूप से मोआबियों के साथ रहते थे। हालाँकि, दूसरे शमूएल 8:2 में, दाऊद ने मोआबियों को भी हरा दिया।

वहां कुछ तनाव है और 2 शमूएल 8:2 में दाऊद ने मोआबियों पर हमला किया। 1 राजा 11.1 यह भी कहता है, कि राजा सुलैमान, फिरौन की बेटी के अलावा कई विदेशी महिलाओं से प्यार करता था। मोआबी, अम्मोनी, एदोमी। हमने बस उन मोआबियों, अम्मोनियों, एदोमियों को देखा। सुलैमान ने सीदोनियों और हित्तियों, इन रखेलियों और भांति भांति की स्त्रियोंको अपने सामान में ले लिया।

और इसमें 1 राजा 11:1 के अध्याय 11 में उसके पतन का उल्लेख है। हम उसमें नहीं पड़ना चाहते, लेकिन वहां कहने को और भी बहुत कुछ है। यशायाह अध्याय 16:7 इसलिये मोआब लोग छाती पीटते हैं। वे मोआब के लिये एक साथ विलाप करते हैं। तो, यशायाह की पुस्तक में मोआबियों का फिर से उल्लेख किया गया है। रूथ को मोआबियों रूथ के नाम से जाना जाता है।

तो, वह मोआब की भूमि और उस वंशज, उस क्षेत्र से आती है, और उसे मोआबी रूत कहा जाता है। इसलिए, मोआबियों का उल्लेख पूरे धर्मग्रन्थ में किया गया है। फिर भी कहावतों में शून्य उल्लेख हैं।

अम्मोनियों ने, फिर से, अम्मोन, लूत से मेरी प्रजा और गुफा में उसकी बेटियाँ, दो बेटियाँ, एक ने मोआबियों को जन्म दिया, दूसरे ने अम्मोनियों को, और अम्मोन-जॉर्डन का नाम आज तक अम्मोन के नाम पर रखा गया है। छोटी बेटी का भी एक बेटा हुआ और उसने उसका नाम बेन-अम्मी रखा, जो मेरे लोगों का बेटा है। और वह आज तक अम्मोनियों का पिता है।

और इसलिए वे लूत के वंशज के रूप में यहीं से आए हैं। व्यवस्थाविवरण 2:37 परन्तु हमारे परमेश्वर यहोवा की आज्ञा के अनुसार तुम ने अम्मोनियोंके किसी देश पर अधिकार न किया। दूसरे शब्दों में, जब इस्राएल आ रहा था और वे एदोम के चारों ओर चले गए, क्योंकि परमेश्वर ने कहा था, उनके साथ खिलवाड़ मत करो। वे एसाव के वंशज हैं। मोआब के साथ खिलवाड़ मत करो, वे लूत के वंशज हैं। वे भाई-भाई हैं और अम्मोनियों के साथ खिलवाड़ नहीं करते और उन्होंने उन्हें नहीं छुआ।

परन्तु जब वे एदोम, मोआब और अम्मोन के पार चले गए, तब एमोरी ओग और सीहोन ने उन पर चढ़ाई की, और वे एमोरी थे, और एमोरी इस्राएलियों के भाई न थे। और इसलिए वहां वही हुआ।

परन्तु फिर भी, न्यायियों 3:13, अम्मोनियों और अमालेकियों को अपने साथ मिला कर, एग्लोन आया और इस्राएल पर आक्रमण किया। मेरा मानना है कि एग्लोन एक मोआबी राजा था और उसने अम्मोनियों और अमालेकियों को अपनी सहायता के लिए बुलाया था। तो, वहाँ दो और चीजें और संबंध हैं और उन्होंने जॉर्डन नदी के ठीक पार पाम्स शहर, जेरिको शहर ले लिया।

न्यायियों 10:7 यिप्तह उन पर क्रोधित हुआ। उसने उन्हें पलिशतियों, अर्थात् इस्राएल के एक प्रसिद्ध समूह, पलिशतियों और अम्मोनियों के हाथ में बेच दिया। इसलिए, अम्मोनियों और पलिशतियों ने एक समूह बनाया और यिप्तह अम्मोनियों के विरुद्ध जाने वाला है और न्यायाधीशों की पुस्तक के अनुसार वहाँ युद्ध होने वाला है और यिप्तह सफल होने वाला है। प्रथम शमूएल अध्याय 14, श्लोक 47, शाऊल ने इस्राएल पर शासन कर लिया था और वह हर तरफ के शत्रुओं से लड़ता था।

मोआब और अम्मोनियों, तुम्हारे अम्मोनियों, एदोम, ज़ोबा के राजा, और पलिशतियों, फिर से, पलिशतियों, आदिवासी नाम। वह जिधर मुड़ता, उधर ही उनको दण्ड देता। यिर्मयाह समय से बहुत आगे भविष्यवक्ताओं के पास जाता है, यिर्मयाह अम्मोनियों के बारे में और फिर वह अध्याय 49:1 पर जाता है, प्रभु अम्मोन और अम्मोनियों के बारे में यही कहता है, वह उनके पीछे जाता है और जहाँ किताब, भविष्यवक्ताओं की ओर अंत में, यिर्मयाह के पास ये सभी खंड बेबीलोन में ही विभिन्न ऊंचाइयों और कठिनाइयों के विरुद्ध हैं।

यिर्मयाह 49 और सपन्याह 2:9 के बाद, सर्वशक्तिमान यहोवा, इस्राएल का परमेश्वर कहता है, निश्चय मेरे जीवन की शपथ, निश्चय मोआब सदोम के समान और अम्मोनी अमोरा के समान हो जाएंगे। तो यहां आपको इतिहास में समय के दूसरे छोर पर सफन्याह मिल गया है, जो घास-फूस और नमक के गड्डों का स्थान है, जो हमेशा के लिए बंजर भूमि है। उन्होंने उल्लेख किया है कि अम्मोनियों का पतन वैसे ही हो रहा है जैसे अमोरा का हुआ था।

तो, अम्मोनियों, इसलिए हमने एदोमियों, एसाव के वंशजों को देखा है, मोआबियों ने अम्मोनियों, अम्मोन-जॉर्डन और अम्मोनियों, यिप्तह, वगैरह से संबंधित सभी धर्मग्रंथों का उल्लेख किया है। और वे अब पलिशती हैं, एक अन्य समूह जिसका उल्लेख सभी धर्मग्रंथों में किया गया है। उत्पत्ति अध्याय 26:1 में भी, इब्राहीम के समय में पिछले अकाल के अलावा अब देश में अकाल था। और इसहाक गरार में पलिशतियों के राजा अबीमेलेक के पास गया। तो यहाँ आपको गरार का राजा अबीमेलेक मिला है, और वह एक पलिशती है। दरअसल, याद रखें इसहाक के ऐसा करने से पहले, वह अपनी पत्नी के बारे में झूठ बोलने वाला था कि वह फिर से मेरी बहन है। इसहाक वही करने जा रहा है जो उसके पिता ने किया था। उनके पिता पहले ही ऐसा कर चुके हैं। मुझे लगता है कि यह उत्पत्ति के अध्याय 12 या 20 में पलिशती राजा के साथ भी था।

न्यायियों 10:6, और फिर, “इस्राएलियों ने यहोवा की दृष्टि में बुरा किया। उन्होंने बाल, अशेरोत, अराम के देवताओं, सीदोन के देवताओं, मोआब के देवताओं, अम्मोनियों के देवताओं, पलिशतियों के देवताओं की उपासना की।” इसमें पलिशतियों को सूचीबद्ध किया गया है क्योंकि इस्राएलियों ने यहोवा को त्याग दिया और अब उसकी सेवा नहीं की।

न्यायियों 14:4, कौन लड़े, किस न्यायी ने सचमुच पलिशतियों से सिर उठाकर मुकाबला किया? उसके माता-पिता, सैमसन के माता-पिता, नहीं जानते थे कि यह प्रभु की ओर से था जो पलिशतियों का सामना करने का अवसर तलाश रहा था। इसलिए, शिमशोन पलिशतियों के विरुद्ध जाने वाला है। और सचमुच, वह एक पलिशती स्त्री दलीला से विवाह करने जा रहा है। वह अपने जीवन के अंत में मंदिर में जाने वाला है, और वह दीवारों को गिरा देगा और अपनी मृत्यु में और अधिक लोगों को मारेगा, क्योंकि वहाँ एक मंदिर, एक मंदिर, एक फिलिस्तीनी मंदिर था जिसे सैमसन ने अपने जीवन के अंत में गिरा दिया था। तो, सैमसन का पूरा जीवन इसलिए है क्योंकि वह भी वहीं है जहां वह बेत शोमेश क्षेत्र में रहता था, घाटी में, और पलिशतियों के पास आ रहा था। और इसीलिए उसने सबसे पहले एक पलिशती स्त्री से विवाह किया।

दाऊद, यह कहता है, दाऊद दौड़कर खड़ा हो गया। यह 1 शमूएल 17:51 है। दाऊद दौड़कर उसके पास खड़ा हुआ और उसने पलिशती की तलवार पकड़कर म्यान से खींच ली। और उस ने उसे मार डाला, और तलवार से उसका सिर काट डाला। तब जब पलिशतियों ने देखा कि उनका वीर मर गया, तब वे मुड़कर भागे। दाऊद ने पलिशतियों के प्रमुख या महान योद्धा गोलियथ को मारकर पलिशतियों को हरा दिया।

तो, डेविड और गोलियथ, इसका पूरा संदर्भ पलिशतियों में है। पलिशतियों का उल्लेख किया गया है, पलिशतियों, पलिशतियों, पलिशतियों, पलिशतियों। यशायाह 9:12 में, पूर्व से अरामियों और पश्चिम से पलिशतियों ने खुले मुँह से इस्राएल को निगल लिया है।

अरामी, मूल रूप से सीरिया, पूर्व से और पलिशती पश्चिम से आते हैं और यशायाह की पुस्तक, यिर्मयाह की पुस्तक में इसका उल्लेख किया गया है, यह इज़राइल के इतिहास में बहुत बाद की बात है, क्योंकि सभी पलिशतियों को नष्ट करने का दिन आ गया है। तो, पलिशती वहाँ हैं।

और फिर निस्संदेह, आमोस 1:8 में, "मैं अशदोद के राजा को, जो अश्कलोन में राजदंड रखता है, नष्ट कर दूँगा। और मैं एक्रोन के विरुद्ध अपना हाथ तब तक बढ़ाऊँगा जब तक कि पलिशतियों में से सब मर न जाएं। तो, पलिशतियों के पास पांच शहर थे जिन्हें पेंटापोलिस के नाम से जाना जाता था, पांच पेंटापोलिस शहर, पांच शहर, एक्रोन, गाथ, गाथ वह जगह है जहां से गोलियथ था, अशदोद, अश्कलोन, और गाजा, गाजा पट्टी, या गाजा स्ट्रिप्स आज भी हैं।, गाजा इज़राइल के पक्ष में एक दर्द है।

नीतिवचन की पुस्तक में पलिशतियों का उल्लेख कहाँ है? शून्य। किसी भी प्रमुख राष्ट्र का उल्लेख नहीं किया गया है, जैसा कि हमने उल्लेख किया है, नीतिवचन में 7.16 में मिस्र के लिनेन का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा कोई जिक्र नहीं है। यह मुझे एक तरह से याद दिलाता है कि मिस्र के लिनेन आज भी प्रसिद्ध हैं। आपके पास MyPillow आदमी खड़ा है और कह रहा है कि उसके पास ये गीज़ा ड्रीम शीट हैं जो वास्तव में अच्छी मानी जाती हैं क्योंकि वे गीज़ा से कपास का उपयोग करते हैं, जो मूल रूप से नील नदी और भूमध्य सागर के साथ मिस्र में है। और उसके पास ये गीज़ा ड्रीम शीट हैं, जो दुनिया की सबसे अच्छी कपास है। और आज तक भी, वह विज्ञापन कर रहा है कि यह दुनिया में सबसे अच्छा कपास है, मेरी, मेरी गीज़ा सपनों की चादरें

खरीदो। और इसलिए, नीतिवचन वास्तव में, आप जानते हैं, बहुत पहले से, मिस्र के लिनेन पर आधारित है।

मुझे खेद है, वह छूट गया। लेकिन फिर भी, उत्पत्ति 12:10, यह कहता है, "अब देश में अकाल पड़ा और अब्राम अकाल के कारण कुछ समय के लिए मिस्र में रहने के लिए चला गया।" इज़राइल में अकाल, वह कहाँ गया ? वह मिस्र चला गया।

मिस्र एक नदी संस्कृति है। तो, उन्हें हमेशा मिलता रहा है, मुझे कैसे कहना चाहिए, उन्हें हमेशा फसल मिलती रही है। वहाँ अकाल कम ही पड़ता है। अब वहाँ कभी-कभार अकाल पड़ता है। हम इसे जोसेफ के साथ देखते हैं, लेकिन मोटे तौर पर मिस्र रोटी की टोकरी था। और इसलिए, आपको इज़राइल में समस्याएँ हैं। इज़राइल बारिश की संस्कृति है और आपको बारिश नहीं मिलती। आपको अपना भोजन प्राप्त करने के लिए मिस्र में नदी संस्कृति की ओर जाना होगा जैसा कि अब्राहम ने यहाँ किया था और इज़राइल ने बाद में किया था। उत्पत्ति अध्याय 39, श्लोक एक। अब यूसुफ को मिस्र ले जाया गया। अतः यूसुफ के भाई ने उसे एक गड़हे में डाल दिया। फिर उन्होंने उसे इश्माएलियों को बेच दिया।

इश्माएली उसे मिस्र ले गए और उसे दास के रूप में मिस्र में बेच दिया गया। निर्गमन अध्याय एक, श्लोक आठ। फिर मिस्र में एक नया राजा सत्ता में आया जिसके लिए यूसुफ कोई मायने नहीं रखता था।

निर्गमन के संपूर्ण प्रारंभिक अध्याय, मिस्र में फिरौन और मूसा, निर्गमन, मिस्र से बाहर जाना, निर्गमन के अध्याय 14 और 15, और फसल सभी मिस्र में पहले जन्मे बच्चे की मृत्यु के आसपास बनाए गए हैं। तो, अध्याय सात में इन मिस्री लिनेन के अलावा, मिस्र, मिस्र, मिस्र, मिस्र का उल्लेख सभी जगह किया गया है, नीतिवचन की पुस्तक में नहीं। यहोशू अध्याय 24, श्लोक छह।

जब मैं तुम्हारे लोगों को मिस्र से बाहर लाया, तो तुम समुद्र और निर्गमन मूल भाव पर आए। न्यायाधीश अध्याय छह, श्लोक आठ। उस ने उनके पास एक भविष्यद्वक्ता भेजा, जिस ने कहा, इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है।

मैं तुम्हें मिस्र से बाहर ले आया। इसलिए, परमेश्वर को उस परमेश्वर के रूप में जाना जाता है जो उन्हें मिस्र से बाहर लाया। और इसका बार-बार उल्लेख किया गया है।

निर्गमन का मूल भाव पूरे टेस्टामेंट में प्रतिध्वनित होता है। और इसलिए, वह उन्हें मिस्र, मिस्र, मिस्र, मिस्र से बाहर ले आया, जिसका उल्लेख नीतिवचन की पुस्तक में नहीं है। प्रथम शमूएल अध्याय 15, पद दो।

सर्वशक्तिमान प्रभु यही कहते हैं। मैं अमालेकियों को वैसा ही दण्ड दूँगा जैसा उन्होंने इस्राएलियों के साथ किया था जब उन्होंने उन्हें मिस्र से निकलते समय रास्ते में रोक लिया था। फिर से, मिस्र का उल्लेख किया गया था।

1 राजा 4:30 सुलैमान की बुद्धि पूर्व के लोगोंकी सारी बुद्धि से, और मिस्र की सारी बुद्धि से बढ़कर थी। मिस्र. हमारे पास ढेर सारा मिस्र का ज्ञान साहित्य है, और वह ज्ञान साहित्य कहता है कि सुलैमान की बुद्धि मिस्र के लोगों से अधिक महान थी।

फिर से ध्यान दें, मिस्र, ज्ञान और नीतिवचन की पुस्तक में वर्णित चीजों के साथ संबंध पर ध्यान दें। नहेमायाह, निर्वासन और निर्वासन के बहुत बाद में मंदिर का विनाश, नहेमायाह अध्याय नौ, श्लोक 18। और जब उन्होंने अपने लिए एक बछड़े की मूर्ति बनाई और कहा, यह तुम्हारा परमेश्वर है जो तुम्हें मिस्र से निकाल लाया या ये देवता हैं .

दूसरे शब्दों में, यह यहोवा यहोवा नहीं था जो तुम्हें बाहर लाया। ये वही बछड़े थे जिन्हें परमेश्वर ने तुम्हें बाहर निकाला। ये ही वे देवता हैं जो तुम्हें मिस्र से निकाल लाए।

और वह मूर्तिपूजा का हिस्सा है. लेकिन ध्यान दें कि वे आपको मिस्र से बाहर लाए, इसे नहेमायाह ने भी इज़राइल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में पहचाना है। स्तोत्र इसमें खूब समाते हैं।

डेविड एमानुएल, यदि आप बाइबिल ई-लर्निंग में शामिल होते हैं और आप स्तोत्रों पर जाते हैं, तो आप पांच व्याख्यान देखेंगे जहां डेविड इमानुएल स्तोत्रों की पुस्तक में मिस्र से आने वाले पलायन के रूप को विकसित करते हैं। भजन 78, भजन 105, 106, भजन 135, और 136। उन पाँच भजनों में, वह दिखाता है कि कैसे भजन की पुस्तक में निर्गमन का भाव प्रतिध्वनित होता है।

यहाँ भजन है, मैं एक अलग भजन करूँगा। भजन 81:10, "मैं यहोवा, तुम्हारा परमेश्वर हूँ जो तुम्हें मिस्र से निकाल लाया" भजन 81:10 से।

यशायाह 11:11, उस दिन, प्रभु दूसरी बार अपना हाथ बढ़ाएगा और अपने लोगों के बचे हुए अवशेषों को अश्शूर से, निचले मिस्र और ऊपरी मिस्र से, कुश से, यरूशलेम से वापस लाएगा। और वह आगे बढ़ता है, लेकिन ध्यान दें कि वह उन्हें ऊपरी और निचले मिस्र से वापस लाने जा रहा है, जैसा कि उल्लेख किया गया है।

और फिर, जैसा कि हमने पहले कहा, नीतिवचन में एकमात्र उल्लेख अध्याय सात, श्लोक 16 में मिस्र से आए इन रंगीन लिनेन का है।

नीतिवचनों में असीरिया का बिल्कुल भी उल्लेख नहीं है। नीतिवचनों में बेबीलोन का उल्लेख ही नहीं है। लिनेन को छोड़कर मिस्र का उल्लेख नहीं किया गया है।

इसलिए, नीतिवचन जनजातीय समूहों, पलिशतियों, अम्मोनियों, मोआबियों, हित्तियों, यबूसियों का उल्लेख नहीं करता है, उनमें से किसी का भी पुराने नियम में उल्लेख नहीं किया गया है। कहावतें अलग हैं .

अब स्थानों के बारे में क्या? नंबर तीन, कोई शहर या स्थान नहीं हैं, आदिवासी सीमाएँ जो पुराने नियम में सर्वव्यापी हैं, इन सभी स्थानों को विस्तार से सूचीबद्ध किया गया है। फिर भी नीतिवचन

की पुस्तक में शून्य है। शून्य। इसमें उल्लेख तक नहीं है, ठीक है, पहले वाले में यरूशलेम, सिय्योन, एक प्रसिद्ध स्थान, सेलम का भी उल्लेख नहीं है, आप इसे जो भी कहना चाहें, जेरूसलम, सेलम, सिय्योन, नीतिवचन की पुस्तक का उल्लेख नहीं है।

और फिर भी उत्पत्ति 14:8 में, सेलम का राजा मलिकिसिदक, यरूशलेम का राजा मलिकिसिदक रोटी और दाखमधु लेकर आया। वह परमप्रधान परमेश्वर का पुजारी था। यहोशू 10:1, यरूशलेम के राजा अदोनिसेदेक ने सुना कि यहोशू ने मुझे ले लिया है। यहोशू 15:63, यहूदा यरूशलेम में रहने वाले यबूसियों को बेदखल नहीं कर सका। तो, यबूसियों के पास यरूशलेम और बेन्जामियों का स्वामित्व था, या यहां यह कहा गया है कि यहूदा उन्हें बेदखल नहीं कर सका। आज तक, यबूसियों का नियंत्रण था। अब 1 शमूएल 17:54, दाऊद पलिशती का सिर, अर्थात् गोलियत का सिर, ले कर यरूशलेम को ले आया। ऐसा तब होगा जब उसने बाद में उसे मार डाला। वह अपना सिर यरूशलेम में लाता है और उसने पलिशती के हथियारों को अपने तम्बू में रख दिया है। तो, उसके पास गोलियत की तलवार थी, गोलियत का सिर उसने यरूशलेम में छोड़ दिया था।

2 शमूएल 5:5 हेब्रोन में दाऊद ने यहूदा पर सात वर्ष तक राज्य किया। तो, दाऊद हेब्रोन में, जो कि दक्षिण में है, यरूशलेम से 20 मील या उसके दक्षिण में, सात वर्ष तक राजा रहा, और छः वर्ष तक। और यरूशलेम में उस ने इस्राएल और यहूदा पर तैंतीस वर्ष तक राज्य किया। इस प्रकार वह हेब्रोन में था, यहूदा पर राज्य करता था, और फिर उसने विस्तार किया। वह राजधानी को उत्तर की ओर ले गया। यह मियामी में आपकी राजधानी होने जैसा होगा। यह बहुत दूर दक्षिण में है। मियामी में यह उनके पास नहीं है। उन्होंने इसे वाशिंगटन डीसी में 13 राज्यों के बीच में रखा और इसे बीच में रखा।

इसलिए, डेविड ने अपनी राजधानी उत्तर की ओर यरूशलेम में स्थानांतरित कर दी और यरूशलेम तब डेविड का शहर बन गया क्योंकि डेविड ने इस पर कब्जा कर लिया और इसे अपनी राजधानी बना लिया। और तब दाऊद सन्दूक को वहां ले आएगा। दाऊद, सुलैमान और सुलैमान यरूशलेम में मन्दिर बनाएंगे। यीशु बाद में यरूशलेम आएंगे और वहीं मरेंगे। तो वैसे भी, यह यरूशलेम है, एक प्रमुख, प्रमुख शहर। यरूशलेम, सुलैमान ने वहाँ मन्दिर बनवाया। लोकोक्तियों में इसका उल्लेख शून्य है। 1 राजा 9:15, यहां राजा सुलैमान द्वारा यहोवा के मन्दिर, अपने महल और छतों, यरूशलेम और हासोर की शहरपनाह, मगिदो और गेजेर के निर्माण के लिए की गई बेगार का विवरण दिया गया है। तो, इसमें यरूशलेम के साथ-साथ हासोर, मगिदो और गेजेर को भी सूचीबद्ध किया गया है।

सुलैमान ने इन नगरों का विशेष रीति से पुनर्निर्माण किया। और उनका उल्लेख विशेष रूप से 1 किंग्स में किया गया है। नीतिवचनों में इनमें से किसी भी बात का उल्लेख नहीं है।

भजन संहिता 15:18 क्या तू प्रसन्न हो, कि सिय्योन को समृद्ध करे, और यरूशलेम की शहरपनाह को बनाए। भजन 51, दाऊद द्वारा बतशेबा के साथ अपने पाप की स्वीकारोक्ति। और इसके अंत में वह कहता है, वह कहता है, क्या आप सिय्योन को समृद्ध करने में प्रसन्न होंगे। दूसरे शब्दों में,

मैंने तुम्हारे खिलाफ पाप किया, लेकिन फिर भी सिव्योन को समृद्ध किया, यरूशलेम की दीवारों का निर्माण किया। और डेविड उसके लिए प्रार्थना करता है।

भजन 137, जैसा कि हमने कहा, वास्तव में एक उत्कृष्ट भजन है। भजन 137 में बेबीलोन की नदियों द्वारा मंदिर के विनाश का वर्णन किया गया है। ध्यान दें बेबीलोन का उल्लेख किया गया है, नीतिवचन में कभी उल्लेख नहीं किया गया है। " बाबुल की नदी के किनारे हम बैठ गए और सिव्योन को स्मरण करके रोने लगे," यरूशलेम को स्मरण करके हम रोने लगे। "वहां चिनार पर हमने अपनी वीणाएं लटकाई, क्योंकि वहां हमारे बंदी हमसे गीत मांगते थे, हमारे सताने वाले खुशी के गीत मांगते थे। उन्होंने कहा, सिव्योन के गीतों में से एक हमारे लिये गाओ।" इसलिए यहां यहूदियों को निर्वासित कर दिया गया है। मंदिर नष्ट हो चुका है। उन्हें बेबीलोन ले जाया गया है और बेबीलोनवासी कह रहे हैं, सिव्योन के गीतों में से एक हमारे लिए गाओ।

भजन आराधना और यरूशलेम तक जाने वाले जुलूसों का केंद्र था। और अब बेबीलोनियों ने उन्हें ले लिया है, और कहते हैं, सिव्योन के गीतों में से एक हमारे लिये गाओ। इज़राइल के इतिहास में भयानक समय। तो, जेरूसलम, जेरूसलम, सेलम और सिव्योन ने तीनों धर्मग्रंथों का उल्लेख किया, शून्य। कहावतों में,

यह एक तरह से अद्भुत है। सिनाई, सिनाई भी एक और प्रसिद्ध जगह है। निर्गमन 19:20, प्रभु सीनै पर्वत की चोटी पर उतरे और मूसा को पर्वत की चोटी पर बुलाया। तो, मूसा ऊपर चला गया। निर्गमन के सिनाई अध्याय 19:23 में मूसा ने यहोवा से कहा, लोग सिनाई पर्वत पर नहीं चढ़ सकते, क्योंकि तू ने आप ही हम को चिताया, और पर्वत के चारों ओर बाड़ लगाई, और उसे पवित्र जानकर अलग रखा। इसलिए, माउंट सिनाई को अलग कर दिया गया। लोगों को ऊपर जाने की इजाजत नहीं थी। मूसा ऊपर चले गए, उन्हें सिनाई पर्वत पर ऊपर जाने की अनुमति नहीं थी।

व्यवस्थाविवरण 33:2, उसने कहा, यहोवा सीनै से आया, और सेईर से उन पर उदय हुआ। सेईर वह स्थान है जहाँ एदोमी लोग रहते हैं। "वह पारान पर्वत से चमका।"

न्यायियों 5:5 यहोवा के साम्हने सीनै के पहाड़ कांप उठे। ध्यान दें कि भगवान कैसे स्वयं को इस स्थान से पहचानते हैं। और सीनै के यहोवा के साम्हने पहाड़ कांप उठे, और अपने को पहचान लिया।

भजन 68:8, "पृथ्वी हिल उठी, आकाश ने सीनै परमेश्वर के साम्हने मेंह बरसाया।" तो, भगवान वहां अपनी उपस्थिति में सिनाई से जुड़े थे। आपको यह भी याद है कि ऊपर से ही एलिय्याह इज़ेबेल से भाग रहा था और वह अंततः सिनाई की ओर जा रहा था और इज़ेबेल से अपनी उड़ान में वह सिनाई में भगवान से मिला था। भगवान उसे वापस ऊपर भेज देते हैं। वैसे भी, आपको वह कहानी याद है।

अब, जॉर्डन के बारे में क्या? हम इज़राइल के बारे में जॉर्डन के रूप में बहुत बात करते हैं। हमारे पास गाने हैं। "मैंने शक्तिशाली जॉर्डन को रोल करते देखा है" और इस तरह की चीज़। जॉर्डन वास्तव में अमेरिका में एक खाड़ी की तरह है, लेकिन वहां के लिए यह बहुत बड़ा है। उत्पत्ति

13:11. "अतः लूत ने यरदन का सारा मैदान अपने लिये चुन लिया, और पूर्व की ओर चल पड़ा।" इब्राहीम पश्चिम की ओर चला जाता है और लूत नीचे चला जाता है जहां जॉर्डन है, जॉर्डन नदी।

और इसलिए, इसका उल्लेख उत्पत्ति 13 की पुस्तक में किया गया है। संख्या 22 की पुस्तक में, इस्राएलियों ने मोआब के मैदानों की यात्रा की और यरीहो के पार जॉर्डन के किनारे डेरा डाला। तो, जेरिको यहाँ जॉर्डन नदी से कुछ ही मील की दूरी पर है। और इसलिए जॉर्डन नदी, जब आप जॉर्डन नदी को पार करते हैं, तो मृत सागर के ठीक उत्तर में, रिफ्ट घाटी में जेरिको पहला शहर है जहां आप पहुंचते हैं। इसलिए, पवित्रशास्त्र में जॉर्डन नदी का अक्सर उल्लेख किया गया है। व्यवस्थाविवरण 1:5, यरदन के पूर्व में मोआब के क्षेत्र में, मूसा ने व्यवस्था को समझाना आरम्भ किया। तो, मूसा मोआब के मैदानों में व्यवस्थाविवरण की पुस्तक, व्यवस्था की व्याख्या कर रहा है। और जैसे ही वे बाहर देखते हैं, वे नीचे देखते हैं और वहां क्या है? जॉर्डन नदी और जॉर्डन नदी के ठीक पार, जेरिको शहर। और आप इसे माउंट पिसगाह से देख सकते हैं। और तुम नीचे जॉर्डन नदी और जेरिको को देखो।

और यहीं पर मूसा ने व्यवस्थाविवरण की पुस्तक दी। यहोशू 3:13. और उन्होंने कहा, जब याजक उतर रहे थे, तो यरदन नदी पार कर रहे थे। और उन्होंने यरदन में पांव रखा, और उसका जल नीचे की ओर बहकर कट गया, और ढेर बन कर खड़ा हो गया। और इस प्रकार, जॉर्डन नदी को पार किया गया। इस बात पर बड़ा जोर है कि याजक सन्दूक लेकर आ रहे हैं और पानी को अदमा में रोका जा रहा है और याजक सूखी जमीन पर जा रहे हैं जैसा कि उन्होंने निर्गमन के साथ किया था, मिस्र से बाहर आने और पार करने की प्रतिध्वनि रीड सागर.

2 शमूएल 19:5 तब राजा लौट आया, और यरदन तक चला गया। अब यहूदा के लोग गिलगाल में आए। गिलगाल राजा से मिलने और उसे जॉर्डन के पार लाने के लिए जेरिको से थोड़ा बाहर है। तभी दाऊद का पुत्र अबशालोम उसका पीछा कर रहा है। अबशालोम ने दाऊद को मार डालना चाहा। और इसलिए, डेविड भाग गया।

जब आप यरूशलेम से भागते हैं, तो आप पहाड़ी से नीचे रिफ्ट घाटी में भाग जाते हैं और जॉर्डन नदी के पार ट्रांसजॉर्डन में चले जाते हैं। और इसलिए, दाऊद वहां से पार हो गया था और अबशालोम दूसरी तरफ ट्रांसजॉर्डन में योआब द्वारा मारा जाने वाला था। और इसलिए अब डेविड जॉर्डन के पार वापस आ रहा है और यह नोट करता है कि वह जॉर्डन को पार कर रहा है। तो, इसका उल्लेख हर जगह किया जाता है। एलिय्याह ने एलीशा से कहा, "यहाँ ठहरो। यहोवा ने मुझे यरदन तक भेजा है। उसने उत्तर दिया, "यहूदा में यहोवा के निवास की शपथ, मैं तुझे न छोड़ूंगा।" तो, एलिय्याह एलीशा को चकमा देने की कोशिश कर रहा है। एलीशा, इस स्वर्गदूत ने एलीशा से कहा, हे मनुष्य, उसके साथ रहो क्योंकि जब वह जाएगा तो यदि तुम उसे देखोगे, तो तुम्हारे साथ कुछ अच्छा होने वाला है। और एलीशा कह रहा है, मैं नहीं जाऊंगा। और फिर एलिय्याह कहता है, अरे, वापस जाओ, वापस जाओ, वापस जाओ। मुझे जॉर्डन नदी पार करनी है, वापस जाना है। वह कहते हैं, मैं वापस नहीं जा रहा हूँ. और इसलिए, एलीशा उसका पीछा करने की कोशिश करता है। और फिर एलिय्याह बदल गया और ऐसी ही चीज़ें। तो वैसे भी, जॉर्डन नदी के साथ यह एक अच्छी कहानी है।

भजन 114:3, “समुद्र ने देखा और भाग गया। जॉर्डन पीछे मुड़ गया।” समुद्र ने देखा और भाग गया। निर्गमन 14 और 15, मिस्र और जॉर्डन नदी से निकलकर वापस लौट आए। और इसलिए, जॉर्डन नदी यहाँ लाल सागर से निकलने वाले निर्गमन के समानान्तर थी।

यिर्मयाह 12:5, “यदि तू पैदल मनुष्यों के साथ दौड़ में उतर आया है और उन्होंने तुझे थका दिया है, तो तू घोड़ों के साथ कैसे प्रतिस्पर्धा कर सकता है? यदि तू सुरक्षित देश में ठोकर खाता है, तो यरदन नदी के पास झाड़ियों में कैसे टिकेगा?” तो, यिर्मयाह कह रहा है, तुम जॉर्डन में झाड़ियों के बीच से नहीं भाग सकते। और जॉर्डन नदी का उल्लेख अक्सर किया जाता है। यीशु का बपतिस्मा भी जॉर्डन नदी में हुआ था।

जॉर्डन नदी वह स्थान है जहाँ यीशु को जॉन द बैपटिस्ट द्वारा बपतिस्मा दिया गया था। वास्तव में मुझे गलील सागर के ठीक दक्षिण में, जॉर्डन नदी में अपनी बेटी को बपतिस्मा देने का सौभाग्य मिला। तो, जॉर्डन नदी का उल्लेख हमारे सभी धर्मग्रंथों में कई स्थानों पर किया गया है, फिर भी नीतिवचन में इसका कभी उल्लेख नहीं किया गया है।

यहां, मुझे बस उन अन्य लोगों के बारे में चर्चा करने दीजिए जिनका उल्लेख तक नहीं किया गया है। और वे इज़राइल में प्रसिद्ध स्थान हैं। बेथेल की कहावतों में इसका कोई जिक्र नहीं है। बेथेल वह स्थान है जहाँ जैकब की सीढ़ी है, वह लेटता है और स्वर्गदूतों को ऊपर-नीचे जाते हुए देखता है। यह वह जगह है जहां यारोबाम के सुनहरे बछड़े, उनमें से एक बेतेल में रखे गए हैं। बेथेल का अर्थ है भगवान का घर।

हेब्रोन, जहां आज तक कुलपतियों को दफनाया गया है। और तुम हेब्रोन को जाओ, हेब्रोन, दाऊद आपके राज्य के पहिले भाग में, अर्थात् लगभग सात वर्ष तक वहां राज्य करता रहा। यह हेब्रोन में राजा था।

दान से लेकर बेशेबा तक कोई उल्लेख नहीं है, बेशेबा। बेशेबा का कभी उल्लेख नहीं किया गया है। इब्राहीम का कुआँ वहीं है।

उत्तर में दान, दान का पूरा गोत्र लैश शहर तक जाता है, ठीक वहां हेर्मोन पर्वत के नीचे। डैन ने पूरे पवित्रशास्त्र में इसका उल्लेख किया है, फिर भी नीतिवचन में इसका कभी उल्लेख नहीं किया गया है। यारोबाम के सुनहरे बछड़ों में से एक को भी यहीं रखा गया था, जिसका कभी उल्लेख नहीं किया गया।

गिलगाल, एक प्रसिद्ध स्थान है। शीलो, जहां इजराइल में शुरू में कुछ वर्षों तक तम्बू रखा गया था। शिलोह का फिर कभी नीतिवचनों में उल्लेख नहीं किया गया है।

सामरिया, उल्लेख नहीं किया गया। शकेम, उल्लेख नहीं किया गया। मेगिदो, उल्लेख नहीं किया गया। हज़ोर, उल्लेख नहीं किया गया। यिज़ेल, उल्लेख नहीं किया गया। नीतिवचन की पुस्तक में पलिशती पेंटापोलिस, अक्रोन, गाथ, एश्टन, अशकलोन, गाजा का कभी उल्लेख नहीं किया गया है।

यहाँ एक दिलचस्प बात भी है, लेविटिकल शहर। वहाँ 48 लेवीय नगर हैं जहाँ लेवी जा रहे थे। उन्हें 48 नगर दिये गये, नीतिवचनों में इसका कभी उल्लेख नहीं मिलता।

शरण के शहर, छह शरण के शहर, ट्रंसजॉर्डन पर तीन, जॉर्डन में तीन, इज़राइल की ओर, ऐसे स्थान जहाँ लोग अपनी बेगुनाही का दावा करने के लिए भाग सकते थे। वहाँ शरण नगर हैं और उनमें से किसी का भी उल्लेख नहीं किया गया है। तो, मुद्दा यह है कि नीतिवचन में उल्लिखित कोई भी शहर, नदियाँ, जनजातीय सीमाएँ या जनजातीय स्थान नहीं हैं, जहाँ पुराने नियम के बाकी हिस्सों में, इन स्थानों, बेथेल, जेरूसलम, सियोन का उल्लेख किया गया है, और पूरे नियम में सर्वव्यापी हैं। .

इनमें से किसी का भी नीतिवचन में उल्लेख नहीं है। कहावतें अलग हैं . कहावतें अलग हैं .

अब मैं पीछे हटना चाहता हूँ और यह कुछ संख्यात्मक कार्य है जो मैंने किया है। और मैं बस इतना करना चाहता हूँ कि मुझे यहां आपके साथ संख्यात्मक रूप से एक गेम खेलने दें। और अब मैं चार्ट और सामग्री के बिना जानता हूँ, और शायद मैं इन्हें प्राप्त कर सकता हूँ।

वे PowerPoint में हैं। मैं इस व्याख्यान को नीचे रखूंगा, मैं उन्हें पावरपॉइंट में और वहां मौजूद नोट्स में भी डालूंगा। उत्पत्ति की पुस्तक, उत्पत्ति की पुस्तक में कितनी बार व्यक्तिगत नाम हैं? खैर, 802 बार उनके व्यक्तिगत नाम हैं, जो लगभग 52% है। उत्पत्ति के 52% छंदों में लोगों के नाम, जनजातीय नाम या शहर के नाम हैं। मेरा तात्पर्य इन तीन प्रकार के नामों से है। मूलतः 52% श्लोकों में यह है।

व्यवस्थाविवरण में लगभग 16% है। कहावतों में 1% है। कैसा विरोधाभास है।

उत्पत्ति में 52% छंद, नीतिवचन में 16%, 1% और वे सभी शीर्षक में हैं। इसलिए, यदि आप शीर्षक हटा दें, तो आपको कुछ नहीं मिलेगा।

स्थानों के नामों के बारे में क्या? उत्पत्ति में, 16% छंदों में स्थान के नाम, बेथेल, मिस्र, बर्शेबा, शकेम और विभिन्न स्थान हैं जहां कुलपिता गए थे। व्यवस्थाविवरण में 26% छंदों में स्थान नाम हैं। नीतिवचन, उत्पत्ति की पुस्तक में 16% छंदों में स्थान नाम हैं, व्यवस्थाविवरण में 26%, नीतिवचन 0% हैं। कहावतें अलग हैं .

और फिर जनजातीय नामों, राष्ट्रीय नामों, अम्मोनियों, मोआबियों, पलिशितियों, इस तरह की चीजों के बारे में क्या? उत्पत्ति 17% श्लोकों में 17% का उल्लेख है। व्यवस्थाविवरण में, यह 13% है। कहावतों में यह 0.3% है। यह 1% से नीचे है। मेरा मतलब है, यह 0.3% छंदों में है।

इसलिए, मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जब आप संख्यात्मक रूप से देखते हैं, तो नीतिवचन व्यक्तिगत नामों, स्थान के नामों और आदिवासी या राष्ट्रीय नामों के लिए चार्ट से नीचे हैं और सभी के लिए 1% और 0% के बीच 1% या 0% से नीचे हैं। उनमें से तीन श्रेणियां। तो, मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि अब आप कहते हैं, ठीक है, और मैं जो करने की कोशिश कर रहा हूँ वह यह है कि मैंने छंद लिया है, आप जानते हैं, उत्पत्ति में 1,533 छंद हैं। और मैंने इसे समान बनाने की

कोशिश करने के लिए इसे चीजों की संख्या में विभाजित किया। और फिर व्यवस्थाविवरण में 959 और नीतिवचन में 915 हैं। इसलिए, मैंने नीतिवचन में 915 छंदों को विभाजित किया है, इसमें निश्चित रूप से एक स्थान का नाम होना चाहिए। मेरा मतलब है, 915 श्लोक।

धर्मग्रंथ के किस अन्य अंश में 915 श्लोक हैं और किसी स्थान का कोई उल्लेख नहीं है? वहां कोई नहीं है। इसलिए, फिर मैंने उनकी तुलना की और उन्हें एक तरह से बराबर बना दिया। नीतिवचन 915 छंदों में बहुत सारे छंद हैं लेकिन फिर भी स्थानों के नाम नहीं हैं। लोगों के नाम केवल उपाधियों में ही बहुत कम हैं। इसलिए मुझे लगता है कि आँकड़े उस बात का समर्थन करते हैं जो मैं अभी आपके साथ साझा कर रहा हूँ।

अब मैं चौथे नंबर पर आता हूँ। हम अपने तरीके से काम करेंगे। उम्मीद है, हम थोड़ा तेजी से आगे बढ़ना शुरू करेंगे, लेकिन कोई व्यावसायिक या व्यक्तियों की कॉल नहीं। नीतिवचन की पुस्तक में व्यक्तियों की कोई व्यावसायिक बुलाहट नहीं है।

उत्पत्ति 12:1 में इब्राहीम को बुलाया गया है, "यहोवा ने इब्राहीम से कहा, अपने देश, अपनी प्रजा, और अपने पिता के घराने से निकलकर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊंगा।" इब्राहीम के लिए ज़मीन सचमुच बहुत बड़ी चीज़ है। उसे वादा किए गए देश में जाने के लिए उर छोड़ने के लिए कहा गया था।

निर्गमन 3:9 श्लोक 10 में मूसा। तो अब जाओ, मैं भेज रहा हूँ, या हाँ, अध्याय 3:9 और 10। तो अब मैं तुम्हें मेरी प्रजा, इस्राएलियों को मिस्र से बाहर लाने के लिए फिरौन के पास भेज रहा हूँ। और इसलिए, मूसा को फिरौन के पास भेजा गया, फिरौन, नीतिवचन की पुस्तक में फिरौन या किसी फिरौन का कोई उल्लेख नहीं है। और निर्गमन 3 में मूसा को जलती हुई झाड़ी से बुलाया गया है।

न्यायियों 6 में गिदोन को बुलाया गया है, जब स्वर्गदूत प्रभु गिदोन में प्रकट हुए और उन्होंने कहा, हे शक्तिशाली योद्धा, प्रभु तुम्हारे साथ है। इस बीच, गिदोन इस छोटी सी वाइनप्रेस चीज़ में छिप गया। उन्होंने कहा कि वह एक शक्तिशाली योद्धा की तरह महसूस नहीं करते। वह कहता है, भगवान, चलो। यह क्या है? आप मुझे एक शक्तिशाली योद्धा बना रहे हैं। मैं यहाँ इन लोगों और मिद्यानियों और अन्य चीज़ों से छिपकर आया हूँ। और फिर भगवान गिदोन को बुलाते हैं और वह एक महान नेता बन जाता है।

सैमुअल, क्या आपको छोटा लड़का सैमुअल याद है? वह एली के घर में है। वह याजक एली के अधीन है और यहोवा कहता है, शमूएल, शमूएल। और छोटा लड़का बाहर भागता है और कहता है, एली, तुम क्या चाहती हो? एली कहती है, बच्चे वापस सो जाओ। और फिर यह फिर आता है, सैमुअल, सैमुअल। परमेश्वर कहता है, शमूएल एली के पास दौड़ता है। एली, तुम क्या चाहती हो? एली कहता है, जाओ। तीसरी बार, आखिरकार, एली को इसका पता चल गया और उसने कहा, हे यार, भगवान तुम्हारे साथ कुछ कर रहा होगा, हे यार। इसलिये जब परमेश्वर आकर कहता है, शमूएल, शमूएल, तो तुम कहते हो, मैं यहाँ हूँ। और इसलिए सैमुअल, सैमुअल। तब शमूएल ने कहा, बोल, तेरा दास सुन रहा है। उसके शब्दों से खेलें। उसके नाम में शेमा का अर्थ है सुनना।

और इसलिए सैमुअल को एली के बारे में इस रात्रि दर्शन के लिए भगवान द्वारा बुलाया गया और एली के बेटे वैसे भी मारे जाने वाले हैं। यह वहां से चलता रहता है।

शाऊल, शाऊल कहा जाता है। वह अपने पिता के गधे का शिकार करने निकला है। वह शमूएल के पास आता है और शमूएल शाऊल का अभिषेक करता है और शाऊल को बुलाता है और कहता है, "आओ, हम गिलगाल चलें और वहां राज का नवीनीकरण करें।" शाऊल, 1 शमूएल 11:14 और 15. इसलिये सब लोग गिलगाल को गए, और यहोवा के साम्हने शाऊल को राजा नियुक्त किया। तो यह शाऊल का बुलावा है।

डेविड, आपको राजा के रूप में डेविड का आह्वान और 1 शमूएल 16:6 और उसका अनुसरण याद है। और तब वे पहुंचे, और शमूएल ने एलीआब को देखकर सोचा, निश्चय यहोवा का अभिषेक यहोवा के साम्हने खड़ा है। और यहोवा ने शमूएल से कहा, उसके रूप या कद का ध्यान न करना, क्योंकि मैं ने उसे तुच्छ जाना है। परमेश्वर उन चीजों को नहीं देखता जिन्हें लोग देखते हैं।

लोग बाहरी रूप को देखते हैं, परन्तु प्रभु हृदय को देखता है। तब प्रभु ने कहा, उठो, उठो। और फिर थोड़ी देर बाद वह कहता है, उठो और उसका अभिषेक करो। यह वही है जो डेविड का जिक्र कर रहा है। अतः शमूएल ने तेल का सींग लिया और अपने भाइयों के साम्हने उसका अभिषेक किया। और उस दिन से यहोवा की आत्मा दाऊद पर बलपूर्वक उतरती गई। शमूएल रामा को गया। स्थान के नाम और सैमुअल पर ध्यान दें। तो ये सभी नाम, इनमें से कोई भी चीज़ नहीं, नीतिवचन में कोई नाम नहीं।

डेविड का उल्लेख केवल उस एक शीर्षक में किया गया है और रामाह में सैमुअल का बिल्कुल भी उल्लेख नहीं किया गया है, बेशक, इसका उल्लेख नहीं किया गया है। और इसलिए, इन सभी चीजों की प्रस्तावना अलग है।

सुलैमान को गिबोन में उसका फोन आया। और इसलिए, वह बाहर है और प्रभु ने रात के दौरान एक सपने में सुलैमान को दर्शन दिये। और परमेश्वर ने उस से कहा, जो कुछ तू चाहता है कि मैं तुझे दूं वह मांग ले। और इसलिए, अपने सेवक को इस लोगों पर शासन करने और सही और गलत के बीच अंतर करने के लिए एक समझदार दिल दें।

तो, सुलैमान बुद्धि मांगता है। और भगवान कहते हैं, आप जानते हैं, मैं इससे प्रसन्न हूँ। मैं तुम्हें लंबी आयु और धन देने जा रहा हूँ क्योंकि तुमने उन्हें नहीं मांगा।

मैं वैसे भी उन्हें तुम्हें देने जा रहा हूँ। तो, सुलैमान को 1 राजा 3 में बुलाया गया है, फिर भी, नीतिवचन में किसी बुलावे का उल्लेख नहीं है।

यशायाह 6, उसके ऊपर सेराफिम थे, और प्रत्येक के छः छः पंख और दो पंख थे। उन्होंने अपने चेहरे, दो पंख, अपने पैर ढके हुए थे या आप जो भी व्याख्या करना चाहें। और वे दो के साथ उड़ रहे थे, और एक दूसरे को पुकार रहे थे, पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु, प्रभु सर्वशक्तिमान है। सारी पृथ्वी उसकी महिमा से परिपूर्ण है। तभी मैंने प्रभु की आवाज सुनी, ठीक है, इस स्वर्गीय दर्शन से

यह सब उड़ गया। और फिर अचानक, प्रभु कहते हैं, मैं किसे भेजूं और हमारे लिए कौन जाएगा? और यशायाह कहता है, मैं यहां हूँ, मुझे भेजो। क्या बुलावा है, क्या बुलावा है।

यिर्मयाह को बुलाया जाता है। यिर्मयाह 1:4 से 6. “यहोवा का यह वचन मेरे पास पहुंचा, कि मैं ने तुझे पेट में रचने से पहिले ही जान लिया। इससे पहले कि मैं तुम्हें गर्भ में रचूँ, मैं तुम्हें जानता था।” गर्भ में निर्माण के बारे में वह क्या कहता है? “तुम्हारे जन्म से पहले, मैंने तुम्हें अलग कर दिया था। मैंने तुम्हें राष्ट्रों के लिए भविष्यवक्ता के रूप में नियुक्त किया है।” तो इस बेचारे आदमी को कोई मौका नहीं मिला। परमेश्वर कहते हैं, उसके जन्म से पहले ही, हे मनुष्य, मैं तुझे जानता था। और मैं जानता था कि आप राष्ट्रों के लिए भविष्यवक्ता बनेंगे। “अफसोस, हे प्रभु, वह कहता है, मैं नहीं जानता कि कैसे बोलना है। मैं युवा हूँ।” हाँ, लेकिन भगवान अपने शब्द आपके मुँह में डालने जा रहे हैं। वे आपके मुँह में आग की तरह जलने वाले हैं और आप बोलने वाले हैं और आपकी पिटाई होने वाली है। लेकिन वैसे भी, यह एक और कहानी है।

योना, योना अध्याय एक में योना को बुलाया गया है, प्रभु का वचन योना के पास आया। “नीनवे के महान नगर में जाओ और उसके विरुद्ध, उसकी दुष्टता के विरुद्ध प्रचार करो। इसकी दुष्टता मेरे सामने आ गई है।” और इसलिए, योना को नीनवे में प्रचार करने के लिए बुलाया गया है। बेशक, वह भागता है और मछली के पेट में समा जाता है और अंततः नीनवे में पहुँच जाता है। ऐसा वहाँ होता है। यहाँ अमोस से एक है।

अमोस को बुलाया जाता है और वह यह बताता है क्योंकि उसे राजा से कुछ आलोचना मिल रही है। अमोस ने राजा अमस्याह को उत्तर दिया, “मैं न तो भविष्यवक्ता था और न भविष्यवक्ता का पुत्र, परन्तु मैं एक चरवाहा था।” वह कह रहा है, मैं कोई वेतनभोगी भविष्यवक्ता नहीं था। मुझे इस पद पर पैसा या इस तरह की चीजें कमाने के लिए नहीं रखा गया था। मैं चरवाहा था और गूलर के पेड़ों की देखभाल भी करता था। परन्तु यहोवा ने मुझे भेड़-बकरियोंको चराने से ले लिया, और मुझ से कहा, जाकर मेरी प्रजा इस्राएल के पास भविष्यद्वक्ता बनो। अब तो प्रभु का वचन सुनो। और फिर वह उसके पीछे चला जाता है। तो वैसे भी, यहाँ अमोस की कॉल है।

नीतिवचन में कोई व्यावसायिक आह्वान नहीं है। और यहां हमारे पास इज़राइल में कई प्रमुख पात्र हैं। नीतिवचन की पुस्तक में बिल्कुल भी बुलावा नहीं है। नीतिवचन पुराने नियम के शेष तनाख से भिन्न है।

यहाँ एक ऐसा है जो वास्तव में चौंकाने वाला है। सुलैमान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक क्या थी? मंदिर का निर्माण। डेविड, उसका पिता मंदिर नहीं बना सका क्योंकि वह खून का आदमी था। सोलोमन या श्लोमो, श्लोमो मंदिर बनाता है। वह शालोम का आदमी है।

वह शांतिप्रिय व्यक्ति हैं। और इसलिए, वह मंदिर का निर्माण कर सकते हैं। डेविड ने बहुत सारा पैसा बचाया।

इसलिए, जब सुलैमान ऐसा करता है, तो उसके पास बहुत सारी संपत्ति होती है जो पहले से ही उसके पिता डेविड द्वारा प्रदान की गई थी, लेकिन उसे परियोजना का प्रबंधन करना था। जीके

बीले की एक अद्भुत किताब है, द टेंपल एंड द चर्च मिशन, ए बाइबिलिकल थियोलॉजी ऑफ द डवेलिंग प्लेस ऑफ गॉड, जीके बीले द्वारा लिखित। मंदिर, तम्बू, अपने लोगों के साथ रहने वाले भगवान के निवास स्थान पर अच्छी किताब।

टैबरनेकल, एक्सोडस की पुस्तक में विशाल खंड हैं जो टैबरनेकल का वर्णन करते हैं, इसे कैसे बनाया जाना था, और फिर इसे कैसे बनाया गया था। निर्गमन अध्याय 25 से मूल रूप से 40 सिनाई जंगल पर, कैसे उन्होंने तम्बू को ध्वस्त कर दिया, फिर उन्होंने इसे बनाया। लेवी इसे ले जाएंगे और याजक इसे पवित्र करेंगे।

बाद में वादा किए गए देश में प्रवेश करने के बाद उस तम्बू की संरचना को शीलो तक ले जाया जाएगा। और वर्षों तक यह शीलो में रहेगा। तुम्हें शीलो में एली, होप्पी और पीनहास याद हैं।

और फिर बाद में, दाऊद, जब सन्दूक बाहर निकला और पलिशियों ने उस पर कब्जा कर लिया। दाऊद सन्दूक को यरूशलेम, अपने नगर, दाऊद के नगर तक वापस लाएगा क्योंकि उसने उस पर कब्जा कर लिया था। डेविड फिर मंदिर के निर्माण की तैयारी करता है।

फिर सुलैमान, दाऊद इसे नहीं बना सका। सुलैमान ने मन्दिर बनवाया। यह उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

1 राजा 8 और 9 इसका सुन्दर वर्णन करते हैं। 1 राजा 8 और 9, सुलैमान ने मन्दिर बनवाया। तो, मंदिर पवित्रशास्त्र में एक बहुत बड़ा विषय है।

मंदिर को 586, 587 में बेबीलोनियों द्वारा नष्ट कर दिया गया था। बेबीलोनियों और नबूकदनेस्सर ने आकर उस स्थान को समतल कर दिया। और यह है कि मंदिर के विनाश ने वास्तव में इस्राएलियों के लिए बहुत सारा सामान नष्ट कर दिया।

सर्वनाशकारी रूप से, यह ईजेकील अध्याय 40 से 48 में वापस आता है, इस सर्वनाशकारी अंत समय के मंदिर का उल्लेख है, जैसा कि प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में है। दिलचस्प बात यह है कि नए नियम के प्रकाशितवाक्य 21 और 22 में, नया यरूशलेम स्वर्ग से उतरता है और वहां कोई मंदिर नहीं है। तो, यह बड़ा परिवर्तन है।

मेरे अच्छे मित्र डेविड मैथ्यूसन ने प्रकाशितवाक्य 21 और 22 पर विस्तार से लिखा है। और वहाँ एक परिवर्तन है। जीसस कहते हैं, इस मंदिर को, इसके शरीर को नष्ट कर दो, तीन दिन में मैं इसे खड़ा कर दूंगा। और फिर चर्च बन जाता है। तो, वहाँ कुछ बदलाव हैं। लेकिन फिर भी, बस इस और सामान तथा मंदिर के महत्व पर कुछ छंद पढ़ें।

भजन 5:7, "परन्तु मैं तेरे बड़े प्रेम के कारण तेरे घर आया हूँ।" बहुत से भजनों का ध्यान प्रभु के घर आने पर है। "आदर में, मैं आपके पवित्र मंदिर की ओर झुकता हूँ।"

भजन में मुख्य फोकस सिष्यों के गीत हैं। भजन संहिता 122:1, “जो मुझ से कहते थे, कि आओ, हम यहोवा के भवन को चलें, मैं उन के साथ आनन्दित हुआ। हे यरूशलेम, हमारे पांव तेरे फाटकों पर खड़े हैं।”

जैसा कि मैंने इसके लिए तैयारी की थी, मैं दूसरे दिन बर्तन साफ़ कर रही थी। और मैं और मेरी पत्नी ऊपर देखते हैं, हमने यह अर्मेनियाई पट्टिका खरीदी थी जो तब बनाई गई थी जब हम यरूशलेम में थे। हम यरूशलेम में सत्तर के दशक में रहते थे, न कि सत्तर के दशक में, लेकिन वैसे भी, यह बहुत समय पहले की बात है। और हमारे पास यह है, यह हिब्रू में लिखा है, “हे यरूशलेम, यदि मैं तुझे भूल जाऊं, तो क्या मैं अपना दाहिना हाथ भूल जाऊं।” ठीक है। और इसलिए, भजन संहिता की पुस्तक में यरूशलेम बहुत महत्वपूर्ण है, वास्तव में वहाँ केंद्रित है।

यशायाह 40:28, यशायाह कुसू से कहता है, जो कुसू से कहता है, वह मेरा चरवाहा है, परमेश्वर फारस के राजा कुसू से बातें करता है, और जो कुछ मैं चाहता हूं वह सब पूरा करेगा। वह यरूशलेम से कहेगा, उसे फिर बनाने दो, और मन्दिर की नेव डालने दो।” और इसलिए, साइरस वह होगा जो प्रायोजित करेगा, एज्रा दूसरे मंदिर और चीजों का पुनर्निर्माण करेगा।

यह दिलचस्प है क्योंकि वे दूसरे मंदिर का पुनर्निर्माण करते हैं। अब सुलैमान ने बनाया, पहले यह एक तम्बू है, यह एक तम्बू में है। और फिर मूल रूप से सुलैमान ने मंदिर का निर्माण किया। मंदिर कई सौ वर्षों तक अस्तित्व में रहा और बेबीलोनियों द्वारा नष्ट कर दिया गया। वे 70 वर्षों के लिए बाबुल जाते हैं जब वे एज्रा और नहेमायाह और उन लोगों के साथ वापस आते हैं, तो वे मंदिर का पुनर्निर्माण करते हैं। लेकिन अब इस मंदिर की तुलना सुलैमान के भव्य मंदिर से की जाती है, ऐसे कुछ लोग हैं जो इसे याद कर सकते हैं, लेकिन कई पुराने पुजारी और लेवी और उनके परिवार के मुखिया जिन्होंने पहले मंदिर को देखा था, जब उन्होंने इस मंदिर की नींव को देखा तो जोर से रोने लगे लेट गया जबकि कई अन्य लोग खुशी से चिल्लाने लगे। तो, युवा लोग कह रहे थे, ठीक है, हमने अभी-अभी मंदिर की नींव रखी है और वे सभी पंप हो गए हैं। और कुछ पुरनियों ने उसे देखकर कहा, हे मनुष्य, जो कुछ सुलैमान के पास था उसकी तुलना में यह कुछ भी नहीं। और अंततः, यीशु उस दूसरे मंदिर में आएंगे।

अब हेरोदेस, निस्संदेह, ईसा के समय से पहले हेरोदेस दूसरे मंदिर के पुनर्निर्माण और उसे भव्य बनाने में वर्षों बिताएगा। और यीशु उस तरह की हेरोडियन संरचना में आएंगे, लेकिन यह दूसरा मंदिर होगा। इसलिए यहूदियों के पुरनियों ने हाग्वै भविष्यवक्ता और इद्दू के वंशज जकर्याह के उपदेश से निर्माण और समृद्धि जारी रखी।

उन्होंने इस्राएल के परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, कुसू, दारा, अर्तक्षत्र, फारस के राजाओं के मत के अनुसार मन्दिर का निर्माण पूरा किया। फिर, कुसू, दारा, अर्तक्षत्र, फारस के राजा। नीतिवचन की पुस्तक में इस प्रकार के किसी भी नाम का उल्लेख नहीं किया गया है।

मंदिर का कोई जिक्र नहीं है। सुलैमान की सबसे बड़ी उपलब्धि का कोई उल्लेख नहीं है। कहावतें अलग हैं।

संस्थाएँ। ये छठा नंबर है। कहावतों में संस्थाओं का उल्लेख नहीं है। याजकों, भविष्यवक्ताओं और न्यायाधीशों के बारे में क्या? याजकों और भविष्यवक्ताओं का उल्लेख पूरे धर्मग्रन्थ में किया गया है, नीतिवचन की पुस्तक में एक शब्द भी नहीं। ध्यान राजाओं पर है और राजाओं का उल्लेख कहीं और नाम से मिलता है। कहावतों में राजाओं की चर्चा की गई है।

नीतिवचन 1:1 दाऊद का पुत्र सुलैमान। नीतिवचन 10:1. ये सुलैमान की नीतिवचन हैं। नीतिवचन 25:1. ये सभी शीर्षक हैं।

ये सुलैमान की नीतिवचन हैं। हिजकिय्याह के लोगों ने उनकी नकल कर ली। तो वहाँ राजाओं का उल्लेख किया गया है और राजा लेमुएल, राजा लेमुएल को पढ़ाने वाली माँ का भी उल्लेख किया गया है।

लेकिन जबकि ये सभी शीर्षक हैं, जब यह वास्तव में सामान का वर्णन करता है और यह राजाओं और कहावतों के बारे में बात करता है, तो उनमें से किसी का भी नाम नहीं लिया गया है। उनकी किसी भी उपलब्धि या समस्या का जिक्र नहीं किया गया है। नीतिवचन की पुस्तक में आपको कभी अहाब या इज़ेबेल नहीं मिलता।

इसके बजाय, पुजारियों का कोई उल्लेख नहीं है। आइए उससे शुरुआत करें। उत्पत्ति की पुस्तक में, यह उल्लेख किया गया है कि मलिकिसिदक, जो सलेम का राजा था, रोटी और शराब लाया गया था। वह सर्वोच्च परमेश्वर का पुजारी था। वह एक पुजारी थे। वह एक पुजारी और राजा था, मलिकिसिदक, उत्पत्ति 14:18 से इस प्रकार का रहस्यमय व्यक्ति।

हारून, लैव्यव्यवस्था 1:7, हारून के पुत्र, वह याजक जो वेदी पर आग रखता और आग पर लकड़ी सजाता था। यहोशू 21:13. तो, याजक हारून के वंशज। इसलिये हारून याजक है। नीतिवचन की पुस्तक में किसी भी पुजारी का उल्लेख नहीं है। शून्य। पुजारियों का कोई उल्लेख नहीं है। भजन 99:6, "मूसा और हारून उसके याजकों में से थे।" यहां मूसा को पुजारी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। निःसंदेह, उन्हें भविष्यवक्ता के रूप में भी वर्गीकृत किया गया था। शमूएल उन लोगों में से था जिन्होंने उसका नाम पुकारा। उन्होंने प्रभु को पुकारा और उसने उन्हें उत्तर दिया। एलीएजेर, हारून का पुत्र, जिसने हारून के बाद सत्ता संभाली, गिनती 3:32। "और लेवियों का प्रधान याजक हारून का पुत्र एलीएजेर था।"

1 शमूएल 23:9 में एब्यातार, डेविड के पास यह मित्र पुजारी होगा। जब दाऊद को मालूम हुआ कि शाऊल मेरे विरुद्ध षड्यन्त्र रच रहा है, तब उस ने याजक एब्यातार से कहा, एपोद ले आओ। और दाऊद इस एपोद के द्वारा जिसे याजक पहनता है यहोवा से परामर्श करने को जाता है। और यह एक बनियान और चीजों की तरह है। अतः एब्यातार, याजक, दाऊद को वहाँ बन्द कर दिया गया। यिर्मयाह, यिर्मयाह 1.1, हिल्किय्याह के पुत्र यिर्मयाह के शब्द, जो बिन्यामीन के क्षेत्र में अनातोत के याजकों में से एक था।

तो पुजारियों का जिक्र, वे सभी नामित पुजारी हैं। हारून, एलीएजेर, हिल्किय्याह, मेल्कीसेदेक, उनके नाम हैं, और एब्द्यातार, अहीमेलोक, वे याजक कहलाए। उनका नाम पुराने नियम में दिया गया है।

उनमें से किसी का भी नाम नहीं है, या नीतिवचन में पुजारियों का उल्लेख नहीं है। फिर कई बार पुजारियों का उल्लेख केवल सामान्य तौर पर किया जाता है। निर्गमन 19:6, एक सुंदर श्लोक है। यह कहता है, “तुम मेरे लिये याजकों का राज्य बनोगे। हे यहूदी, तुम अब मिस्र से बाहर आओ, मैं तुम्हारे लिये याजकों का राज्य और पवित्र जाति बनाऊंगा। तुम्हें इस्राएलियों से ये ही बातें कहनी हैं।”

लैव्यव्यवस्था 22:15, याजकों को इस्राएलियों द्वारा यहोवा को दी जाने वाली पवित्र भेंटों का अपमान नहीं करना चाहिए। पुजारियों को पंथ और बलिदान और दावतों की प्रथाओं पर नियंत्रण रखना होगा। फिर, बलिदान पुरोहिती कार्य है।

उससे पहचाने जाने वाले पुजारियों का उल्लेख नीतिवचन में कभी नहीं किया गया है। इसलिए, जब लोगों ने यरदन पार करने के लिए पड़ाव डाला, तो वाचा का सन्दूक उठाने वाले याजक उनके आगे-आगे चले। इसलिए, जैसे ही वे जॉर्डन नदी के पार जाते हैं, जैसा कि हमने बताया, पुजारी सन्दूक ले जा रहे हैं। जब याजक ऊपर आते हैं, तब उनके पांव यरदन नदी तक पहुंचते हैं, और यरदन नदी सूख जाती है, और ऊपर से कट जाती है।

1 शमूएल 22:18 तब राजा ने दोएग को आज्ञा दी, तू घूमकर याजकोंको मार डाल। तो, दोएग ने मुड़कर उन पर हमला कर दिया। तो, यहीं पर शाऊल और डेविड के प्रति उसकी नफरत के कारण मूल रूप से नोब के पुजारियों को एदोमाइट दोएग ने मार डाला। एदोमी यहूदियों को मारने के बारे में चिंतित नहीं हैं। वे धर्मग्रंथों में ऐसा अक्सर करते हैं और दोएग ने शाऊल के आदेश में नोब के पुजारियों को मार डाला।

2 शमूएल 19:11, राजा दाऊद ने याजकों सादोक और एब्द्यातार को सन्देश भेजा। तो सादोक और एब्द्यातार दाऊद की तरह के याजक थे और वह इसी तरह संदेश भेजता है।

एज्रा 2:70 और याजक और लेवीय और संगीतकार और द्वारपाल और मन्दिर के सेवक अपने अपने नगर में बस गए।

नीतिवचन में याजकों और लेवियों का कभी उल्लेख नहीं किया गया है।

यिर्मयाह 2:8, “याजकों ने न पूछा, यहोवा कहां है? जो लोग कानून से निपटते हैं वे मुझे नहीं जानते। जो लोग व्यवस्था का काम करते हैं, वे याजक मुझे नहीं जानते।” पुजारियों ने नहीं पूछा, प्रभु कहाँ हैं? और इसलिए, यिर्मयाह उनकी निंदा करता है। अब यिर्मयाह अनातोत के याजकों से जुड़ा है। वह पुजारियों की भी निंदा करता है।

नीतिवचन की पुस्तक में पुजारियों का कभी उल्लेख नहीं किया गया है। कहावतें अलग हैं .

भविष्यवक्ताओं के बारे में क्या? पैगम्बरों के नाम और अनाम, नामित पैगम्बर। हारून वास्तव में मूसा के भविष्यवक्ता की तरह था। निर्गमन 7:1, "तब यहोवा ने मूसा से कहा, देख, मैं ने तुझे फिरौन के साम्हने परमेश्वर के तुल्य ठहराया है, और तेरा भाई हारून तेरा भविष्यद्वक्ता होगा।" जैसे ईश्वर नबी से बात करता है और नबी राजा से बात करता है।

तो अब मूसा परमेश्वर के समान होने जा रहा है। वह हारून से बात करने जा रहा है और हारून फिरौन से बात करेगा। तो, हारून एक भविष्यवक्ता की तरह है, जिस तरह से हारून मूसा से संदेश राजा फिरौन तक लाता है।

और वह सेटअप था. अतः हारून तुम्हारा भविष्यद्वक्ता होगा। मूसा ने कहा कि वह बोल नहीं सकता। और भगवान कहते हैं, हारून बहुत अच्छी तरह से बात कर सकता है। हम उसे ऐसा करने देंगे. वह आपका भविष्यवक्ता है।

मरियम, निर्गमन 15:20. यहाँ आपके पास एक महिला है जिसे पैगम्बर कहा जाता है। "तब मरियम भविष्यवक्ता, हारून की बहन, ने अपने हाथ में एक लकड़ी ली" और फिर वह मरियम का गीत सुनाती है, वास्तव में वहाँ निर्गमन 15 में पवित्रशास्त्र का हिस्सा लिखती है।

न्यायियों 4:4. "अब दबोरा, एक भविष्यवक्ता और लैपिडोट की पत्नी, उस समय इज़राइल का नेतृत्व कर रही थी।" तो यहाँ दबोरा, एक और महिला, वह एक भविष्यवक्ता है। यशायाह के समय में हुल्दा एक और भविष्यवक्ता था।

तो, ऐसी महिला भविष्यवक्ता थीं जो परमेश्वर का वचन बोलती थीं। यह पुराने नियम में है और हमने आपको वहाँ कुछ संदर्भ दिए हैं।

1 शमूएल 10:11, जब उन सब ने जो उसे पहिले से जानते थे, उसे भविष्यद्वक्ताओं के साथ भविष्यद्वक्ताणी करते देखा, तब शाऊल पर परमेश्वर का आत्मा आ गया, और वह घबरा गया। वे एक दूसरे से पूछते हैं, कीश के पुत्र शाऊल को क्या हुआ है? "क्या शाऊल भविष्यद्वक्ताओं में से है?" और इसलिए, यह लगभग एक कहावत की तरह बन जाता है, "क्या शाऊल भविष्यवक्ताओं में से है?" क्योंकि उनका आत्मा से रिश्ता था, इस पर तरह-तरह की चर्चाएं होती रहती हैं। 2 शमूएल 7:2, "उस ने नातान भविष्यद्वक्ता से कहा, मैं यहां देवदार के घर में रहता हूँ, और परमेश्वर का सन्दूक तम्बू में है।" डेविड कहते हैं मैं भगवान का घर बनाना चाहता हूँ। मैं एक मंदिर बनाना चाहता हूँ. मैं भगवान के लिए एक घर बनाना चाहता हूँ। और वह नाथन को भविष्यवक्ता कहता है। वह कहता है, अरे, नाथन, क्या यह ठीक है? मैं भगवान का घर बनाने जा रहा हूँ। नाथन कहता है, अरे, इसके लिए जाओ। और भगवान प्रकट हो जाते हैं. नाथन, मैंने तुम्हें ऐसा कहने के लिए नहीं कहा था। डेविड को मेरे लिए घर नहीं बनाना है। और फिर भगवान इसे पलट देते हैं। यह, हाँ, 2 शमूएल 7 में है। यह डेविडिक वाचा है। परमेश्वर कहते हैं, नाथन, दाऊद मेरे लिये ऐसा घर नहीं बनवाएगा जो मन्दिर हो। मैं उसके लिए एक राजवंशीय घर बनाने जा रहा हूँ। मैं उसके लिये एक ऐसा घर बनाने जा रहा हूँ जो एक राजवंश होगा और दाऊद के वंशज इस्राएल पर सदैव शासन करेंगे। और वह दाऊद की वाचा, दाऊद की प्रतिज्ञा है। और यही कारण है कि यीशु दाऊद के वंश में है, और इस्राएल पर सर्वदा शासन करेगा।

1 राजा 1:34, सादोक याजक और नातान भविष्यद्वक्ता ने सुलैमान को इस्राएल का राजा नियुक्त किया। इसलिए, जब सुलैमान वहाँ आ रहा था, तो अदोनियाह के भाई के साथ कुछ विवाद हुआ। याजक सादोक और नातान भविष्यद्वक्ता ने सुलैमान का अभिषेक किया। और फिर उसे दाऊद के शाही गधे पर बिठाया गया, शहर में मार्च किया गया और हर कोई कहता है, राजा के लिए हुर्रे। और फिर अदोनियाह, उसे कुछ समस्याएँ हैं। वैसे भी, 1 राजा 18:36, बलिदान के समय, भविष्यद्वक्ता एलियाह ने आगे बढ़कर प्रार्थना की, हे प्रभु इब्राहीम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, या मुझे क्षमा करें, इब्राहीम, इसहाक और इस्राएल का परमेश्वर। आज यह प्रगट कर दे कि तू इस्राएल का परमेश्वर है, और मैं तेरा दास हूँ, और मैं ने तेरे आदेश से ये सब काम किए हैं। और इसलिए, एलियाह पुराने नियम के महान भविष्यद्वक्ताओं में से एक है। और वास्तव में, जॉन द बैपटिस्ट एलियाह की आत्मा और शक्ति में आएगा।

और पुराने नियम की पुस्तक के अंत में, मुझे लगता है कि यह मलाकी में है, वे महान मसीहा के आने से पहले एलियाह की प्रतीक्षा कर रहे हैं। और इसलिए जॉन द बैपटिस्ट उस भूमिका को एलियाह से भर देगा। वैसे भी, एलिजा के साथ वहाँ बहुत सारी चीजें चल रही हैं।

2 राजा 9, आपको एलीशा मिलता है जो एलियाह का अनुसरण करता है। भविष्यद्वक्ता एलीशा ने भविष्यद्वक्ताओं की मंडली में से एक व्यक्ति को बुलाया और उससे कहा, और एलीशा ने उसे करने के लिए कुछ चीजें बताईं।

2 राजा 19:2, “उसने राजमहल के प्रशासक, शेव, एक अन्य सचिव, और प्रधान याजकों को, सब टाट पहिने हुए, आमोज़ के पुत्र यशायाह भविष्यद्वक्ता के पास भेजा। और इसलिए, यशायाह का उल्लेख ऐतिहासिक पुस्तकों में किया गया है। एज्रा अध्याय पांच, श्लोक एक, अब हाग्वै भविष्यद्वक्ता, जकर्याह भविष्यद्वक्ता, एडू के वंशज ने यहूदा और यरूशलेम में यहूदियों के लिए भविष्यवाणी की। हाग्वै भविष्यद्वक्ता, जकर्याह भविष्यद्वक्ता पर ध्यान दें, और यह ऐतिहासिक खंड में इन दो भविष्यद्वक्ताओं का उल्लेख करने वाला एज्रा है। नीतिवचन की पुस्तक में कोई भविष्यद्वक्ता नहीं हैं, शून्य।

यिर्मयाह 20:2, यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता, ठीक है, उसने यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता को पिटवाया और बिन्यामीन के ऊपरी फाटक में यहोवा के मन्दिर में काठ में ठोंक दिया। तो, अध्याय 20 में यिर्मयाह को तारकोल से पीटा जाता है। वह अध्याय 22 में शिकायत करता है, वह कहता है, हे भगवान, हर बार जब मैं आपका शब्द बोलता हूँ, तो मुझे पीटा जाता है। मुझे यह पसंद नहीं है। और वैसे भी, यिर्मयाह, तुम्हें वहाँ चल रही चीजें मिल जाएंगी। यह एक दिलचस्प किताब है, बहुत दिलचस्प किताब है। गैरी येट्स ने जेरेमिया की पुस्तक पर 30 व्याख्यान दिए हैं। यदि आप रुचि रखते हैं, तो वे YouTube पर हैं और biblicalelearning.org पर भी निःशुल्क उपलब्ध हैं। यिर्मयाह 29:29, तथापि, सपन्याह याजक ने यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता को पत्र पढ़कर सुनाया। तो, यहाँ यिर्मयाह को भविष्यद्वक्ता के रूप में लेबल किया गया है।

तो उन सभी के नाम भविष्यद्वक्ता, यशायाह, यिर्मयाह, विभिन्न भविष्यद्वक्ता और होशे हैं। ये सभी पैगम्बर नामित हैं। अब अनाम भविष्यद्वक्ता भी हैं। यहीं पर यह सामान्यतः एक भविष्यद्वक्ता को

संदर्भित करता है। व्यवस्थाविवरण 13:2, एक प्रसिद्ध श्लोक है। "और यदि बोला गया संकेत या चमत्कार होता है, तो इसका मतलब है कि यदि कोई भविष्यवक्ता भविष्यवाणी करता है और यह वास्तव में होता है और भविष्यवक्ता और उद्धरण भविष्यवक्ता," यह वास्तव में, शब्द भविष्यवक्ता कहता है, "आइए हम आपके पास मौजूद अन्य देवताओं, देवताओं का अनुसरण करें ज्ञात नहीं है और आइए हम उनकी पूजा करें।" तो फिर आप जानते हैं, वह व्यक्ति झूठा भविष्यवक्ता है। भले ही वह कोई चमत्कार करे, अगर वह कहता है, अन्य देवताओं के पीछे जाओ, तो वह एक झूठा भविष्यवक्ता है। व्यवस्थाविवरण 13.2.

1 शमूएल 9:9, एक और प्रसिद्ध परिच्छेद है। पूर्व में इज़राइल में, 1 शमूएल 9.9, यदि कोई ईश्वर से पूछने जाता था, तो वे कहते थे, आओ, हम द्रष्टा, रोह के पास चलें, क्योंकि आज के नेवीम, आज के भविष्यवक्ता को द्रष्टा कहा जाता था। . तो, दूसरे शब्दों में, यहाँ यह परिच्छेद वास्तव में उन लोगों के बीच भाषा में परिवर्तन का वर्णन करता है, जिन्हें हम द्रष्टा कहते थे। अब हम द्रष्टा या रोह कहते हैं, देखता है, वह दर्शन देखता है। अब हम उन्हें पैगंबर और नेविडम कहते हैं। और वैसे भी, यह 1 शमूएल 9:9 में द्रष्टा से भविष्यवक्ता तक के इस भाषाई कदम का वर्णन करता है।

नीतिवचन की पुस्तक में द्रष्टा या भविष्यवक्ता का कोई उल्लेख नहीं है।

2 राजा 17:13 यहोवा ने अपने सब भविष्यवक्ताओं और दशियों के द्वारा इस्राएल और यहूदा को चिताया, अपने बुरे चालचलन से फिरो, और जो व्यवस्था मैं ने तुम्हारे पुरखाओं को दी है उस के अनुसार मेरी आज्ञाओं और विधियोंका पालन करो; मेरे सेवकों, भविष्यवक्ताओं के माध्यम से.

अब यह एक तकिया कलाम है. यंग नाम का एक लड़का है जो वेस्टमिंस्टर सेमिनरी में काम करता था। अब उनका निधन हो चुका है, लेकिन उन्होंने एक किताब लिखी, माई सर्वेट्स, द प्रोफेट्स उनकी किताब थी, जो भविष्यवक्ताओं पर एक उत्कृष्ट किताब है।

मेरे सेवक, भविष्यवक्ता, 2 राजा 17:13. यिर्मयाह 23:39, यदि कोई भविष्यवक्ता या याजक या कोई और यह दावा करे कि यह यहोवा का सन्देश है, तो मैं उनको उनके घराने में ही दण्ड दूंगा। तो, यिर्मयाह में भविष्यवक्ताओं और पुजारियों का उल्लेख किया गया है। यिर्मयाह 29:19, क्योंकि उन्होंने मेरी बातें नहीं सुनीं, यहोवा की यही वाणी है। जो वचन मैं ने आपके दासों अर्थात् भविष्यवक्ताओंके द्वारा उनके पास बारंबार भेजे, और तुम बन्धुओंने भी नहीं माने, यहोवा की यही वाणी है। तो, भगवान कहते हैं, मैंने तुम्हें बार-बार चेतावनी दी। मैंने अपने सेवकों, नबियों को भेजा. तुमने क्या किया? तुमने यिर्मयाह को पीटा।

आप उसे तीन दिन के लिए सेप्टिक टैंक में डाल दें। यह बहुत बुरा था. जकर्याह 1:6 परन्तु मेरे वचन और जो नियम मैं ने अपने दास भविष्यवक्ताओं को दिए थे, वे तुम्हारे पूर्वजों पर न चले। यह, सैकड़ों वर्षों के बाद, मेरे सेवकों, पैगम्बरों का अभी भी उपयोग किया जा रहा है।

नीतिवचन की पुस्तक में भविष्यवक्ताओं का कोई उल्लेख नहीं है। कहावतें अलग हैं .

अब यहाँ एक और है. नंबर सात, कोई नहीं है, "प्रभु यों कहते हैं," कोहोल अमर यहोवा। नीतिवचन में "प्रभु यों कहता है" ऐसा कुछ नहीं है। नीतिवचन की किताब में कोई दिव्य स्वप्न नहीं हैं - कोई दिव्य स्वप्न नहीं हैं। नीतिवचन की पुस्तक में "प्रभु यों कहता है" ऐसा कुछ नहीं है।

स्वप्न, स्वप्न पुराने नियम में घटित हुए। अबीमेलेक, इब्राहीम की यह बात स्मरण रखो, कि वह पलिशती अबीमेलेक के पास आकर कहता है, सारा मेरी बहिन है। वह आहत नहीं होना चाहता था. वह कहता है कि सारा मेरी बहन है। तब अबीमेलेक ने कहा, सुनो, मैं सारा को अपने अन्तःपुर में ले जाऊंगा। वह फ़िलिस्तियों का राजा, अबीमेलेक है, अध्याय 12 में, मैं उत्पत्ति के बारे में सोचता हूँ। और वैसे भी, और भगवान अबीमेलेक के पास स्वप्न में आते हैं और कहते हैं, उस स्त्री से अपना हाथ दूर रखो। तुम उसे छूते हो, तुम एक मरे हुए आदमी हो। और अबीमेलेक बाहर आकर कहता है, हे इब्राहीम, यह क्या है? तुम्हें पता है, मुझे यह स्वप्न भगवान से यह कहते हुए मिला है, वह तुम्हारी पत्नी है। और इसलिए परमेश्वर ने मूलतः एक स्वप्न के माध्यम से अबीमेलेक को चेतावनी दी।

निस्संदेह, डैनियल के सपने हैं।

याकूब की सीढ़ी जहाँ याकूब झुकता है और अपने भाई एसाव से भागता है। उसने अपने पिता इसहाक को धोखा दिया और फिर उसे भागना पड़ा क्योंकि एसाव उसे मारने की कोशिश कर रहा है, उसे मारने जा रहा है। इसलिए, वह परमेश्वर के भवन बेतेल की ओर भाग गया। वह एक चट्टान पर लेटा हुआ है और उसका सपना है कि यह सीढ़ी स्वर्ग तक जा रही है या जैसा कि आप इसे चित्रित करना चाहते हैं और स्वर्गदूत इस पर ऊपर और नीचे जा रहे हैं। और यह बेतेल में है, परमेश्वर का घर, बेतेल का स्थान। और फिर यह उसका सपना है कि उसका सपना है। और फिर वह वर्षों बाद उस स्थान पर वापस आता है और वह बेथेल वापस जाता है जहाँ उसने यह मूल सपना देखा था, जैकब की सीढ़ी, जैसा कि हम इसे कहते हैं।

निःसंदेह, जोसेफ अपने भाई के साथ अपने सपनों के लिए जाना जाता है और उसके भाई उसके सामने झुकते हैं। फिर अध्याय 41 की आयत 15 में फिरौन ने यूसुफ से कहा, मैं ने एक स्वप्न देखा है, और उसका फल कोई नहीं बता सकता, परन्तु मैं ने तेरे विषय में सुना है, कि तू स्वप्न सुन कर उसका फल बता सकता है। तो, यूसुफ फिरौन के स्वप्न का अर्थ बताता है। उसके पास सात मोटी गायें और सात पतली गायें थीं। मोटी गायें बहुतायत के समय का प्रतिनिधित्व करती हैं, और पतली गायें अकाल का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसलिए, हमें यह करने की आवश्यकता है कि आपके पास प्रचुर मात्रा में अच्छे वर्ष हों। हमें सामान जमा करना होगा. इसलिए, जब अकाल पड़ता है और निश्चित रूप से, अकाल सात वर्षों की प्रचुरता को प्रभावित करता है, सात वर्षों का अकाल, जोसेफ इसका पता लगाता है, सपने देखता है और जोसेफ सपनों की व्याख्या करता है।

डैनियल कुछ हद तक जोसेफ की तरह है। यह पूरी बात है, लेकिन जोसेफ और डैनियल के बीच एक दिलचस्प तुलना है। डैनियल बेबीलोन के समय में है। यह सैकड़ों-सैकड़ों वर्ष बाद की बात है। और दानिय्येल, अर्योक ने दानिय्येल को तुरन्त राजा के पास ले जाकर कहा, मुझे यहूदा के बंधुओं में से एक मनुष्य मिला है जो राजा को उसके स्वप्नों का अर्थ बता सकता है। और इसलिए, डैनियल राजा के पास जाता है और कहता है, अरे यार, राजा यही है, आपके सपने का यही

मतलब है। और वह स्वप्न की व्याख्या करता है। डैनियल सपनों की व्याख्या कर रहा था। यूसुफ सपनों की व्याख्या करता है।

मूसा का कथन गिनती 12:6 में परमेश्वर कहता है, “मेरी बातें सुनो। जब कोई भविष्यद्वक्ता तुम्हारे बीच में होता है, तो मैं, प्रभु, अपने आप को दर्शन में उन पर प्रकट करता हूँ। मैं उनसे सपनों में बात करता हूँ। परमेश्वर ने अपने भविष्यवक्ताओं से कैसे बात की? वह उनसे बात करता है। मैं अपने आप को उसके सामने दर्शनों में प्रकट करता हूँ। यदि कोई जाग रहा हो, और जागते हुए उसे कोई दर्शन मिले, तो वह शाऊल होगा।

क्या आपको टार्सस का शाऊल याद है जब वह बेहोश हो गया था और उसने यीशु का संदेश देखा था? जब वह जाग रहा होता है तो वह एक दृश्य होता है और जब वे सो रहे होते हैं तब वह सपना देखता है। और ऐसा सपनों में होता है। भगवान कहते हैं कि मैं अपने भविष्यवक्ता के साथ दर्शन और सपने देखता हूँ, लेकिन मैं मूसा के साथ इस तरह काम नहीं करता हूँ। मूसा के साथ, मैं उससे आमने-सामने बात करता हूँ। और बस यह इंगित कर रहा हूँ कि मूसा का परमेश्वर के साथ वास्तव में विशेष संबंध है। संख्या 12:6, उस समय मरियम के साथ कुछ संघर्ष है। आइए ऐसा न करें।

व्यवस्थाविवरण अध्याय 13:1, यदि कोई भविष्यद्वक्ता वा स्वप्न के द्वारा भविष्यद्वक्ता करनेवाला तुम्हारे बीच में प्रकट हो, और कोई चिन्ह वा चमत्कार सुनाए, तो वह भविष्यद्वक्ता जो चिन्ह वा चमत्कार दिखाता हो। 1 शमूएल 28:6 उस ने यहोवा से पूछा, परन्तु यहोवा ने न तो स्वप्न के द्वारा, और न उरीम के द्वारा उसे उत्तर दिया। उरीम छाती की थैली का हिस्सा था। आइए उसमें न जाएं। लेकिन उरीम और उरीम से परामर्श करें और भगवान उन्हें उत्तर बताएंगे। हाँ, नहीं, या कोई उत्तर नहीं या भविष्यवक्ताओं के माध्यम से। इसके बाद शाऊल एंडोर की चुड़ैल के पास जाता है। और शाऊल ने एंडोर की जादूगरनी से कहा, हमें कल पलिशियों से लड़ना है। क्या होने वाला है यार? और अचानक शमूएल ने आकर कहा, शाऊल, तू कल मेरे साथ रहेगा। शाऊल कहता है, हाँ, मैं कल शमूएल के साथ रहूँगा। यह बहुत अच्छा है। ओह, सैमुअल मर गया। मेरे खयाल से। ठीक है। खैर, यह शाऊल के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा। मुझे इस तरह मजाक नहीं करना चाहिए। वह पलिशियों के खिलाफ लड़ाई में अगले दौर में अपने बेटे जोनाथन की तरह मर गया।

अब, यिर्मयाह 23 झूठे भविष्यवक्ताओं की निंदा है। दरअसल, मैं उन लोगों के खिलाफ हूँ जो झूठे सपने दिखाते हैं। तो यहाँ आपके पास भविष्यवाणी और झूठे सपने हैं, फिर से, सपने आ रहे हैं।

नीतिवचनों में कोई भविष्यसूचक स्वप्न नहीं हैं फिर भी हम उन्हें पूरे पुराने नियम में पाते हैं। कहावतें अलग हैं।

इस प्रकार भगवान, कोल अमर यहोवा कहते हैं।

निर्गमन 7:17 यहोवा यों कहता है, इस से तुम जान लोगे कि मैं यहोवा हूँ। मैं अपने हाथ की लाठी से नील नदी के पानी पर प्रहार करूँगा और वह खून में बदल जाएगा। इसके द्वारा प्रभु यही कहते

हैं। निर्गमन 10:3 तब मूसा और हारून ने फिरौन के पास जाकर उस से कहा, इब्रानियोंका परमेश्वर यहोवा यही कहता है। प्रभु यही कहते हैं।

फिर, इनमें से कुछ भी नीतिवचन में नहीं है।

यहोशू अध्याय 24:2 यहोशू ने सब लोगों से कहा, इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है। और इसलिए, यहोशू अनुसरण करता है।

1 शमूएल 2:27 तब परमेश्वर का जन एली के पास आकर उस से कहने लगा, यहोवा यों कहता है। 2 शमूएल 7:5, जाकर मेरे दास दाऊद से कह, यहोवा यों कहता है। क्या आप ही मेरे लिए घर बनाने वाले हैं? नाथन बोल रहा हूँ।

1 राजा 13:21 उस ने परमेश्वर के उस भक्त को जो यहूदा से आया था, अर्थात् यहूदा से आए हुए भविष्यवक्ता की दोहाई दी। प्रभु यही कहते हैं। तुम ने यहोवा के वचन की अवहेलना की है, और जो आज्ञा तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने तुम्हें दी है उसका पालन नहीं किया है।

और इसलिए, भविष्यवक्ता ने मूल रूप से वाचा के उल्लंघन की घोषणा की कि राजा गड़बड़ कर रहा था और भगवान ने जो आदेश दिया था उसके खिलाफ जा रहा था। सो, 2 राजा 1:16, उस ने राजा से कहा, यहोवा यही कहता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इज़राइल में कोई भगवान नहीं है जिससे आप सलाह लेते हैं। तू ने एक्रोन के परमेश्वर बाल्जबूब, एक्रोन के परमेश्वर, पलिशती, एक्रोन से परामर्श करने को दूत भेजे हैं। तो, भविष्यवक्ताओं, फिर से, आप परमेश्वर के वचन का उल्लंघन कर रहे हैं। आप इन अन्य देवताओं के पीछे जा रहे हैं।

भविष्यवक्ता प्रकट होते हैं और राजा को धोखा देते हैं। यशायाह 10:24 इसलिये यहोवा यों कहता है। सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, मेरी प्रजा के लोग जो सिय्योन में रहते हैं, अशशूरियों से मत डरो।

इसलिए, वह हमें अपने लोगों को सांत्वना, सांत्वना देने वाली बातें बताता है। प्रभु यही कहते हैं। यशायाह 42:5, आकाश का रचयिता जो उन्हें फैलाता है।

प्रभु फिर यही कहते हैं। यिर्मयाह 2:5, यहोवा यही कहता है। तुम्हारे पूर्वजों ने मुझमें ऐसा क्या दोष पाया कि वे मुझसे इतने दूर चले गये? वे निकम्मे मूरतों के पीछे हो लिये और स्वयं निकम्मे बन गये।

और इसलिए, कहावतों में सपने नहीं होते। नीतिवचन की किताब में प्रभु ऐसा कहते हैं, ऐसा नहीं है, जैसा कि पुराने नियम में हर जगह मौजूद है।

नंबर आठ, यह लंबा चल रहा है, लेकिन क्षमा करें। इस मामले में कोई थियोफनी, भगवान की उपस्थिति, स्वर्गदूत या भगवान के स्वर्गदूत की उपस्थिति या चमत्कार नहीं हैं, जो अक्सर पुराने नियम के बाकी हिस्सों में पाए जाते हैं, लेकिन नीतिवचन में बिल्कुल नहीं। तो, कहावतें अलग हैं। थियोफनीज़, उत्पत्ति 19:1, ये दो स्वर्गदूत दिखाई देते हैं। सारा उन्हें खाना खिलाती है। वह

इसहाक के बारे में बात करती है। वह हँसती है और देवदूत उठकर सदोम की ओर देखते हैं। वे सदोम की ओर जा रहे हैं और दोनों स्वर्गदूत शाम को सदोम पहुंचे, लूत शहर के प्रवेश द्वार पर बैठा था और उसने उन्हें देखा। वह उनसे मिलने के लिये उठा और भूमि पर मुँह करके दण्डवत् किया। ये दोनों स्वर्गदूत, जाहिरा तौर पर प्रभु के स्वर्गदूतों या स्वर्गदूतों की उपस्थिति हैं, और वे सदोम को धूम्रपान करते हैं।

उत्पत्ति 32:30 इस प्रकार याकूब ने उस स्थान का नाम पनीएल रखा। पेनियल का अर्थ है चेहरा, पेनियल, भगवान। इसका कारण यह था कि मैंने ईश्वर को आमने-सामने देखा था और फिर भी मेरी जान बच गयी।

तो, वह रात में इस देवदूत के साथ कुशती करता है और तब उसे एहसास होता है कि देवदूत उसके कूल्हे को छूता है, उसे बाहर निकालता है और उसे एहसास होता है कि वह भगवान के साथ कुशती कर रहा है। इसलिए, उन्होंने उस स्थान का नाम भगवान का चेहरा रखा। और वह इनमें से एक और होगा, थियोफनीज़।

मूसा और जलती हुई झाड़ी, प्रभु का दूत उसे दिखाई देता है। और जब प्रभु ने देखा, तो क्या यह प्रभु का दूत था या प्रभु का? वहां दोनों का संदर्भ दिया गया है। वह देखने के लिये उधर गया, तो परमेश्वर ने उसे झाड़ी में से पुकारा, मूसा, मूसा।

और मूसा ने कहा, मैं यहां हूँ। जलती हुई झाड़ी, निर्गमन 3. निर्गमन 13:21, दिन के समय यहोवा उनको मार्ग दिखाने के लिये बादल के खम्भे में होकर उनके आगे आगे चलता था। और रात को, आग के एक खम्भे ने उन्हें प्रकाश दिया ताकि वे दिन या रात यात्रा कर सकें। तो, बादल का एक खंभा, भगवान खुद को इस्राएल के लिए प्रकट करता है और जंगल और चीजों के माध्यम से इसराइल का मार्गदर्शन करता है, और रात में उनका मार्गदर्शन करने के लिए आग का एक खंभा है। और वे थियोफनीज़, भगवान के प्रकटन हैं। धर्मग्रंथ तो है, लेकिन नीतिवचन में कोई भी नहीं है।

व्यवस्थाविवरण 31:15 और यहोवा तम्बू में बादल के खम्भे में से दिखाई दिया। तो, वहाँ एक तम्बू है और तम्बू में बादल का खम्भा है। यह भगवान का स्वरूप है।

नहेम्याह 9:12 तू दिन को बादल का खम्भा, और रात को आग का खम्भा बनाकर उनकी अगुवाई करता था। यह नहेमायाह हजारों साल बाद, या कई, कई सैकड़ों साल बाद है, जो उन्हें उनके रास्ते पर रोशनी दे रहा है। स्तोत्र 99, श्लोक 7 में यह भी दर्ज है, उसने बादल के खम्भे में से उनसे बात की। उसने अपनी विधियाँ और विवेक रखे। उसने उन्हें दे दिया।

1 राजा 8:11 याजक काम नहीं कर सके। सुलैमान ने एक मन्दिर बनवाया और जब उन्होंने मन्दिर का समर्पण किया, तो याजक अपनी सेवा नहीं कर सके क्योंकि यहोवा की महिमा का बादल मन्दिर में भर गया था और याजक वहाँ प्रवेश भी नहीं कर सके। पहले राजा 9.2 और 3 में, प्रभु ने उसे, सुलैमान को, दूसरी बार दर्शन दिए, जैसे उसने उसे पहली बार गिबोन में दर्शन दिए थे। और यहोवा ने उस से कहा, जो प्रार्थना तू ने मेरे साम्हने की है वह मैं ने सुनी है। और मैं ने इस

मन्दिर को, जो तू ने बनवाया है, वहां मेरा नाम सदा के लिये रखकर पवित्र किया है। मेरी आंखें और मेरा दिल हमेशा वहीं रहेंगे. इस मंदिर का जिक्र है जिसे सुलैमान ने बनवाया था।

मंदिर का कभी उल्लेख नहीं किया गया है, नीतिवचन की पुस्तक में भगवान की उपस्थिति का कभी उल्लेख नहीं किया गया है। स्वर्गदूतों, हमने निर्गमन 3:2 में स्वर्गदूतों, प्रभु के दूत को देखा है, वहाँ स्वर्गदूत प्रभु ने आग की लपटों में उसे दर्शन दिये।

अब जब वह वास्तव में बोलता है, तो यह कहता है कि प्रभु बोले। प्रभु का यह दूत अक्सर स्वयं ईश्वर के साथ स्वयं की पहचान रखता है। और मूसा ने झाड़ी में से क्या देखा, कि आग जल रही है, परन्तु नहीं जली।

यहाँ एक ऐसा है जो कुछ मजेदार है। गिनती 22:23 और गदही को इस्राएल को शाप देने के लिये बिलाम कहा जाता है। इसलिए, बिलाम अपने छोटे गधे पर सवार हो जाता है और गधा फिर प्रभु के दूत को हाथ में तलवार लिए हुए सड़क पर खड़ा देखता है और मैदान में सड़क से हट जाता है और इब्राहीम ने उसे पीटा या बिलाम ने उसे पाने के लिए उसे पीटा वापस सड़क पर. तो, गधा वह देखता है जो द्रष्टा बिलाम जो भविष्यद्वक्ता था, नहीं देखता। गधा वही देखता है जो देखने वाला नहीं देख पाता। अतः बिलाम यहोवा के दूत को नहीं देखता, गदहा देखता है। और फिर गधा कहने वाला है, अरे यार, तुम मुझे ये तीन बार क्या मार रहे हो? गधा वास्तव में बिलाम के प्रति उत्साही होने जा रहा है। बिलाम कहता है, यदि मेरे पास तलवार होती, तो मैं तुम्हें अभी मार डालता। और स्वर्गदूत उसके ठीक सामने खड़ा है, जिसके पास तलवार है, और कहता है, हे बिलाम, तुझे तलवार याद आ रही है? ऐसा लगता है जैसे आपका गधा सही था। वह बिलाम से भी अधिक समझदार था। बेहतर होगा कि आप परमेश्वर का वचन बोलें। बेहतर होगा कि आप पैसे के पीछे न जाएं। बेहतर होगा कि आप सच बोलें और आप इज़राइल को कोसने वाले नहीं हैं। आप उन्हें आशीर्वाद देने जा रहे हैं। परन्तु बालाम ने दूसरा रास्ता निकाला।

वह पुराने नियम के यहूदा की तरह है। लेकिन फिर भी, प्रभु का दूत प्रकट होता है और पुराने नियम में इसका बार-बार उल्लेख किया गया है। नीतिवचन की पुस्तक में इसका बिल्कुल भी उल्लेख नहीं है।

भजन 34:7 में भी, प्रभु का दूत उन लोगों के चारों ओर डेरा डालता है जो उससे डरते हैं और वह उन्हें बचाता है। जकर्याह 3:1 फिर उस ने मुझे यहोशू महायाजक को यहोवा के दूत के साम्हने खड़ा हुआ और शैतान को उस पर दोष लगाने के लिथे खड़ा दिखाया।

नीतिवचन में, कोई थियोफनी, कोई देवदूत, प्रभु के देवदूत नहीं हैं।

चमत्कार, सदोम और अमोरा, मिस्र से बाहर आना और विपत्तियाँ, मिस्र में विपत्तियाँ, नील नदी का रक्त में बदलना, वहां जो कुछ भी हुआ, पहलौठों की मृत्यु और फसह का उत्सव, लाल सागर को पार करना और निर्गमन अध्याय 6 से 15। कई चमत्कार, मन्ना, अध्याय 16, भगवान ने मन्ना को स्वर्ग से उतारा और उन्होंने जंगल में स्वर्गदूतों की रोटी खाई, मन्ना, निर्गमन 17 में चट्टान से

पानी। मूसा ने चट्टान पर प्रहार किया और पानी बाहर निकल कर उफान मारने लगा, लोगों को रेगिस्तान के बीच में पानी मिल गया।

और यरदन नदी के दो टुकड़े हो गए, यहोशू 4, यरदन नदी नीचे आने से रुक गई। याजक सूखी भूमि पर पार जाते हैं। जॉर्डन नदी को पार करने के बाद ये जेरिको की दीवारें हैं। वे कुछ समय के लिए गिलगाल में घूमते हैं। परमेश्वर उन्हें निर्देश देते हैं और फिर उन्हें खतना करवाना पड़ता है क्योंकि उनका खतना नहीं हुआ था। इसलिए वे गिलगाल जाते हैं, वह काम करते हैं और फिर वे दिन में एक बार और सातवें दिन सात बार जेरिको के चारों ओर घूमते हैं।

वैसे, शहरों के चारों ओर सात चक्कर लगाने से आपको पता चलता है कि जेरिको शहर कितना बड़ा है। यह उतना बड़ा नहीं है। और इसलिए, वे इसके चारों ओर सात बार घूमते हैं, वे तुरही बजाते हैं, धूम मचाते हैं, दीवारें गिर जाती हैं।

वे वेश्या राहब को उसके परिवार सहित बाहर निकालते हैं। जेरिको की दीवारें, यहोशू 6; सूर्य स्थिर खड़ा रहा, यहोशू 10. इस प्रकार, सूर्य स्थिर रहा और चंद्रमा एन्ज़ा राष्ट्र तक रुक गया, स्वयं शत्रु के रूप में, जैसा कि जशेर की पुस्तक में लिखा है। सूरज स्थिर खड़ा रहा, उसके बाद ऐसा दिन कभी नहीं रहा। भगवान ने मनुष्य की आवाज सुनी. यहोशू 10,

कार्मेल पर्वत पर एलिय्याह। अतः एलिय्याह ने बाल के सब भविष्यद्वक्ताओं को कार्मेल पर्वत पर बुलाया और कहा, जो परमेश्वर आग के द्वारा उत्तर देता है, वही परमेश्वर और सामान है। तो, बाल भविष्यद्वक्ता चारों ओर नृत्य कर रहे हैं और चीजें कर रहे हैं। और एलिय्याह वास्तव में उनका मज़ाक उड़ा रहा है। यहीं से बेबीलोन बी की शुरुआत हुई। और एलिय्याह उनका मज़ाक उड़ा रहा है। और फिर तुम्हें जोर से चिल्लाना होगा। हो सकता है कि वह शहर से बाहर हो या आपके साथ ईमानदार होने के लिए, हो सकता है कि वह पॉट पर हो और वह आपको सुन न सके। तो, जोर से चिल्लाओ और कुछ नहीं होगा। और फिर एलिय्याह उठता है, उफान मारता है, भगवान आते हैं, बिजली का बोल्ट भेजते हैं, धुआं कर देते हैं।

और वैसे भी, कार्मेल पर्वत पर एक चमत्कार, पहला राजा अध्याय 18। एलिय्याह के अधीन नामान, परमेश्वर कार्मेल पर्वत पर उतरता है, और बिजली गिराता है।

नामान को कुष्ठ रोग हो गया। और नामान आता है और उसे कुष्ठ रोग हो गया है और वह उससे कहने जाता है कि वह यरदन नदी में डुबकी लगाए। और नामान कहता है, हे मनुष्य, मुझे उत्तर की ओर अच्छी नदियाँ मिलीं। जॉर्डन नदी एक नाले से ज़्यादा बड़ी नहीं है।

ईमानदारी से कहूं तो कई जगहों पर जॉर्डन नदी की औसत चौड़ाई 30 फीट है। औसत गहराई तीन फीट है। अब बाढ़ चरण में है, बाढ़ बड़ी है, लेकिन अधिकांश समय इसे अमेरिकी लोग खाड़ी कहते हैं। मैं नियाग्रा नदी पर पला-बढ़ा हूँ और यह नियाग्रा नदी जैसा कुछ नहीं है। लेकिन फिर भी, नामान, फिर भी, तुम्हें वह कहानी याद है कि उसका कुष्ठ रोग ठीक हो गया था।

हिजकिय्याह का जीवन कई वर्षों तक बढ़ गया। और जैसे ही वह ऐसा करता है, घड़ी का डायल वापस चला जाता है और एक छाया घड़ी पर वापस चली जाती है। हिजकिय्याह का प्राण बच गया। सन्हेरीब यरूशलेम पर आक्रमण करने जा रहा है और वह ऊपर आता है, और 2 राजाओं 19 में और यशायाह की पुस्तक में भी उत्पीड़न करता है। वह ऊपर आता है और सन्हेरीब कहता है, तुम लोग कुछ भी नहीं हो। मैंने इन सभी अन्य देवताओं को उड़ा दिया है। यरूशलेम अलग नहीं है। और अचानक भगवान 180,000 सैनिकों पर उतर आते हैं। प्रभु का दूत सफाया कर देता है और सन्हेरीब नीनवे में अपने घर वापस चला जाता है और उसके अपने बच्चे उसे मार डालते हैं। उसके लिए बुरा समय है।

डैनियल और शेर की मांद, फिर से चमत्कार। शद्रक, मेशक, और अबेदनगो, धधकते भट्टे में। मेरा मतलब है, चमत्कार के बाद चमत्कार।

नीतिवचनों में शून्य चमत्कार हैं, कोई थियोफनी नहीं, कोई स्वप्न नहीं, कोई देवदूत नहीं, कोई चमत्कार नहीं, नीतिवचन की किताब में शून्य। कहावतें अलग हैं।

अब खंड नौ, नीतिवचन में कोई दावतें नहीं हैं। इज़राइल में कोई दावत नहीं है, कोई तीर्थयात्रा नहीं है, कोई शब्बत नहीं है। इसमें सब्बाथ का उल्लेख नहीं है। इसमें विश्राम वर्ष, जुबली वर्ष का उल्लेख नहीं है।

इसमें यह उल्लेख नहीं किया गया है कि पूरे पुराने नियम में कोई सामूहिक बैठकें और बड़े उपवास जुलूस नहीं हैं, जो नीतिवचन की पुस्तक में नहीं पाए जाते हैं। वसंत ऋतु में, यहूदी फसह मनाते हैं और फिर पुष्पांजलि का पर्व, शवुओट, जिसे हम पेंटेकोस्ट, पेंटेकोस्ट, 50 दिन कहते हैं। पतझड़ में, वे वसंत में हैं।

पतझड़ में, उनके पास तुरही का पर्व, सुक्कोट का पर्व, बूथों या झोपड़ियों का पर्व और फिर सबसे पवित्र योम किप्पुर, प्रायश्चित का दिन होता है। और वे पतझड़ में हैं। इसलिए, वसंत ऋतु में, जब आप अपने गेहूं और जौ की कटाई कर रहे होते हैं, तो वे दावतें मनाते हैं।

पतझड़ में, जब आप अपने फलों जैसे जैतून और अंगूर और अनार जैसी चीजों की कटाई कर रहे होते हैं, तो पतझड़ में आपके पास वे दावतें होती हैं। सब्बाथ, निर्गमन 20:8, "सब्ब के दिन को पवित्र रखने के लिए उसे स्मरण रखें।" लैव्यव्यवस्था 23:3 के अनुसार छः दिन हैं जब तुम अपना काम कर सकते हो। सातवाँ दिन सब्ब के विश्राम का दिन है, पवित्र सभा का दिन है। तुम जहां भी रहो, तुम्हें कोई काम नहीं करना है। यह प्रभु के लिये विश्रामदिन है।

गिनती 15:32 जब इस्राएली जंगल में थे, तो सब्ब के दिन एक मनुष्य लकड़ियाँ बीनता हुआ पाया गया। विश्रामदिन, विश्रामदिन, विश्रामदिन। 2 राजा 4:23 आज उसके पास क्यों जाएं? उसने पूछा, क्या यह नया चाँद या सब्ब का दिन नहीं है? यिर्मयाह 17:20 यहोवा यों कहता है, सावधान रहो, विश्राम के दिन कोई बोझ न उठाना, और न यरूशलेम के फाटकों के भीतर ले जाना।

होशे 2:11 मैं उनके सब उत्सव, और प्रति वर्ष के पर्व, नये चांद और विश्रामदिन, अर्थात् सब ठहराए हुए पर्वोंको बन्द कर दूंगा। निर्वासन के बाद नहेमायाह, नहेमायाह 10:31, तब पड़ोसी लोग सब्त के दिन माल या अनाज लाते थे या बेचते थे। हम उन्हें सब्त के दिन या किसी पवित्र दिन पर नहीं खरीदेंगे।

और इसलिए, नहेमायाह सब्बाथ, सब्बाथ, सब्बाथ में शामिल हो जाता है, जिसका उल्लेख सभी समय अवधियों में किया गया है। फसह, फसह का उल्लेख निर्गमन के अध्याय 12 में किया गया है। यह स्थापित है, भगवान कहते हैं, पहलौठे मर जाएंगे जब तक कि आप दरवाजे के खंभों और सामान पर खून नहीं डालते हैं और आप इस मेमने को नहीं खाते हैं और आप कड़वी जड़ी-बूटियां और मट्ज़ा, बिना खमीर की रोटी नहीं खाते हैं। और इसलिए, निर्गमन 12 में फसह की स्थापना की गई है, और निश्चित रूप से प्रभु के फसह में भी यही होता है। लैव्यव्यवस्था 23:5 में उल्लेख है कि फसह पहले महीने के 14वें दिन गोधूलि के समय शुरू होता है। अंक 9, हमें इसमें से कुछ भी सुबह तक नहीं छोड़ना चाहिए या इसकी कोई हड्डी नहीं तोड़नी चाहिए। उन्हें फसह का पर्व मनाना है, और नियमों का पालन करना है। व्यवस्थाविवरण 16:2 में फिर से फसह के बलिदान का उल्लेख है।

यहोशू 5:10, वे गिलगाल के मैदानों पर हैं और वे जश्न मनाते हैं, मुझे लगता है कि जेरिको पर हमला करने से पहले वे जॉर्डन नदी को पार करने के बाद यह तीसरा फसह था, वे गिलगाल तक गए थे। उन्होंने अपना खतना कराया, उन्होंने फसह मनाया और मन्ना देना बंद कर दिया क्योंकि वे उस देश में थे और उन्हें मन्ना की जरूरत नहीं थी।

वैसे भी, उस समय के राजा योशिय्याह, 2 राजा 23:21, राजा योशिय्याह कहते हैं, प्रभु के लिए फसह मनाओ। 2 इतिहास 30:1 में हिजकिय्याह कहता है, यहोवा के लिये फसह मनाओ।

और एज़्रा का कहना है, कि बन्धुवाई के बाद लेवियोंने सब बन्धुवाइयोंके लिथे, और अपने अपने कुटुम्बियों और याजकोंके लिथे फसह के मेमने को बलि किया। आप फसह का बलिदान भी देख सकते हैं। यहां तक कि आज तक, यदि आप शेकेम शहर के ठीक दक्षिण में गिरिज्जिम पर्वत पर सामरियों के साथ जाते हैं, तो वहां गिरिज्जिम पर्वत है और वहां सामरी हैं, मुझे नहीं पता, चार या पांच सौ सामरी हैं आज तक वहाँ पर। और वे अभी भी वहां फसह का जश्न मनाते हैं। आप वहां जा सकते हैं और देख सकते हैं कि उन्होंने फसह के मेमने को कहां बलि किया और आज तक फसह के मेमने को खा सकते हैं।

इसलिए, फसह का उल्लेख नीतिवचन की पुस्तक में कभी नहीं किया गया है। कहावतें अलग हैं .

इसमें सब्बाथ का उल्लेख नहीं है, पर्वों का उल्लेख नहीं है, तीर्थयात्राओं का उल्लेख नहीं है, यरूशलेम तक जाने का, इनमें से किसी भी चीज़ का उल्लेख नहीं है।

क्रमांक 10, वाचा, भूमि के लिये इब्राहीम की वाचा, बीज, कि उसका बीज आकाश के तारों, और समुद्र के किनारे की बालू के समान बहुत बढ़े। इब्राहीम के साथ की गई वाचा, भूमि, प्रतिज्ञा की

गई भूमि, बीज बहुगुणित होंगे और वे सभी राष्ट्रों के लिए आशीर्वाद होंगे। उल्लेख नहीं, नीतिवचनों में उल्लेख ही नहीं। सिनैटिक वाचा वह जगह है जहां भगवान कानून, 10 आज्ञाएँ निर्धारित करते हैं।

सिनैटिक वाचा और नीतिवचन के बीच एक दिलचस्प संबंध होगा। और इसे नीतिवचन और व्यवस्थाविवरण और वहां के अन्य अनुच्छेदों के अंतरपाठीय अध्ययन के अंतर्गत देखा जाएगा। डेविडिक वाचा का नीतिवचन में उल्लेख नहीं किया गया है।

नई वाचा का बिल्कुल भी उल्लेख नहीं किया गया है। पुराने नियम के अधिकतर भाग में भूमि पर ध्यान केन्द्रित किया गया, उनमें से एक का आना, भूमि का बंटवारा करना, भूमि लेना, लेवियों को कुछ नगर देना, भूमि का कोई भी वादा और सामान नहीं था। नीतिवचन की पुस्तक से भूमि वस्तुतः गायब हो गई है।

यह भूमि का संदर्भ देता है, लेकिन इसका अर्थ इस प्रकार के ठोस भूमि वादों में मिलने वाले अर्थ से भिन्न है। इब्राहीम की वाचा में, उत्पत्ति 12:7, यहोवा ने अब्राम को दर्शन देकर कहा, तेरे वंश को मैं यह देश दूंगा। और इसलिए, उसने वहां प्रभु के लिए एक वेदी बनाई जिसने उसे दर्शन दिया था।

थियोफनी में, उत्पत्ति 22:17 में, मैं निश्चित रूप से तुम्हें आशीर्वाद दूंगा और तुम्हारे वंशजों को आकाश के तारों और समुद्र के किनारे की रेत के समान असंख्य बनाऊंगा। उत्पत्ति 17:5, फिर तू अब्राम न कहलाया। तेरा नाम इब्राहीम होगा क्योंकि मैं ने तुझे बहुत सी जातियों का मूलपिता बनाया है। उत्पत्ति 17:11, तुम्हें खतना कराना होगा। यह वाचा का चिन्ह होगा। तुम्हारे और मेरे बीच में। इसलिए, यहूदी लोगों के लिए वाचा के संकेत के रूप में खतना एक बड़ी बात बन जाती है।

वादा की गई भूमि का फिर से नीतिवचन की पुस्तक में उल्लेख नहीं किया गया है। वहां जमीन का इस्तेमाल अलग तरीके से किया जाता है।

सिनैटिक वाचा मूल रूप से दस आज्ञाएँ और विभिन्न कानून, 615 या जो भी कानून हैं। शिपर ने टोरा के व्याख्याशास्त्र पर अद्भुत कार्य किया है। नीतिवचन 2 और व्यवस्थाविवरण और नीतिवचन की रचना एक से नौ तक दिखा रहा हूँ। यह सचमुच अच्छा काम है। वह इस अंतर्पाठीय सामग्री को कानून में दी गई कुछ आज्ञाओं के साथ करता है। वह एक अलग विषय है।

हम अभी यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि कहावतें अलग हैं। बाद में, हम दिखाएंगे कि यह कैसे एकीकृत होता है, लेकिन इस बिंदु पर हम यह कहने का प्रयास कर रहे हैं कि यह अलग है। हमें इसे बनाए रखने की आवश्यकता है क्योंकि अन्यथा, मुझे ऐसा लगता है कि लोग इस अंतर्पाठीयता को ले रहे हैं और इसे नीतिवचनों पर थोप रहे हैं और नीतिवचनों को सपाट बना रहे हैं जहां नीतिवचनों में ये सभी पहाड़ और घाटियाँ हैं।

वे इसे समतल करने की कोशिश कर रहे हैं और कह रहे हैं, ठीक है, यह तोरा के समान ही है। नहीं, नहीं, यह अलग है। और मैं यही कहना चाह रहा हूँ।

यह अलग है और इसे अलग तरह से पढ़ने की जरूरत है क्योंकि यह अलग है। इसे अलग ढंग से पढ़ने की जरूरत है। अब, हाँ, इसमें परतें और विभिन्न संबंध, प्रतिध्वनियाँ और विभिन्न चीजें हैं और यह कैसे धर्मग्रंथ के अन्य भागों से जुड़ता है।

लेकिन सबसे पहले, हमें यह कहना होगा कि एक कहावत अलग होती है और हम अभी इसी पर काम कर रहे हैं। दाऊद की वाचा में, यहोवा दाऊद के पास आता है और यहोवा तुम्हें बताता है, 2 शमूएल 7:11 और उसके बाद, यहोवा स्वयं तुम्हारे लिये एक घर स्थापित करेगा। घर का मतलब राजवंश। डेविड भगवान के लिए एक घर का मंदिर बनाना चाहता है। भगवान कहते हैं, नहीं, मैं तुम्हारे लिये घर वंश बसाऊंगा। जब तेरे दिन पूरे हो जाएंगे और तू अपने पुरखाओं के पास विश्राम करेगा, तब मैं तेरे वंश को उत्पन्न करके तेरे वंश को तेरे वंश में उत्पन्न करूंगा, जो तेरे हाड़-मांस का हो जाएगा। और मैं उसका राज्य स्थापित करूंगा। और वही मेरे नाम का घर बनाएगा। और मैं उसके राज्य का सिंहासन सदा के लिये स्थिर करूंगा। तेरा घर और तेरा राज्य मेरे साम्हने सर्वदा बना रहेगा। तेरी राजगद्दी सदैव कायम रहेगी। दाऊद के वंशज राजा के रूप में सिंहासन पर बैठेंगे।

कई राजा-प्रकार की कहावतें नीतिवचन में पाई जाती हैं, लेकिन उनमें से कोई भी इस डेविडिक वाचा का उल्लेख नहीं करती है। इसलिए, उदाहरण के लिए, नीतिवचन यह कहता है, नीतिवचन 22:11, "जो शुद्ध मन से प्रेम रखता और अनुग्रह से बोलता है, राजा उसका मित्र होता है।" नीतिवचन 24:21, यहोवा और राजा का भय मानो। "मेरे बेटे, विद्रोही अधिकारियों के साथ मत जुड़ो।" तो, क्या आप देखते हैं कि यह डेविडिक वाचा से कितना भिन्न है? वहां कुछ संबंध है, लेकिन ऐसा नहीं है, मुझे नहीं लगता कि आप पहले अंतर देखते हैं और संबंध बनाने से पहले अंतर काफी बड़ा होता है। नीतिवचन 16:14, "राजा का क्रोध मृत्यु का दूत होता है, परन्तु बुद्धिमान उसे शान्त करता है।"

नई वाचा, यिर्मयाह 31:33-34, वह वाचा है जो मैं इस्राएल के लोगों के साथ बाँधूंगा। यहोवा की यह वाणी है, उस समय के बाद मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊंगा, और उसे उनके हृदय पर लिखूंगा। और मैं उनका परमेश्वर ठहरूंगा, और वे मेरी प्रजा ठहरेंगे। वे अब अपने पड़ोसियों को शिक्षा न देंगे, और न एक दूसरे से कहेंगे, प्रभु को जानो, क्योंकि छोटे से ले कर बड़े तक सब मुझे जान लेंगे, प्रभु का यही वचन है।

इनमें से कुछ भी नीतिवचन की पुस्तक में नहीं है।

अब मुझे वापस जाने दीजिए और मैं बहुत आगे जा रहा हूँ क्योंकि हम अंतर्पाठीयता पर एक पूरी अन्य प्रस्तुति करने जा रहे हैं। लेकिन आप देख सकते हैं कि साइनाइटिक कानून के साथ कुछ समानताएं हैं, और नीतिवचन वास्तविक जीवन के बारे में बात करते हैं। तो कुछ चीजें इस तरह होंगी, नीतिवचन 23:10, कुछ हद तक नीतिवचन 22:28 के समान, "प्राचीन सीमा पत्थर को मत हटाओ और अनाय के खेत पर अतिक्रमण मत करो।"

"प्राचीन सीमा पत्थर को न हटाएं," दूसरे शब्दों में, मार्कर। व्यवस्थाविवरण 27:17 या व्यवस्थाविवरण 19:14 कहता है, "शापित है वह व्यक्ति जो अपने पड़ोसी की सीमा का पत्थर हटाता है। तब सब लोग कहते हैं, तथास्तु।" तो, आप देख सकते हैं कि इन दोनों के बीच समानताएं हैं, नीतिवचन और व्यवस्थाविवरण में जो कहा गया था। हमें इसके बारे में बाद में बात करनी होगी।

अब यह अगला नंबर 11 है और यह बहुत बड़ा है। पुराने नियम के अधिकांश भाग में, ईश्वर मूर्तिपूजा की निंदा कर रहा है। इज़राइल की प्रवृत्ति है, शायद सभी लोगों की प्रवृत्ति मूर्तिपूजा की ओर है। पुराने नियम में मूर्तिपूजा सर्वव्यापी है।

इसका उल्लेख नीतिवचनों में नहीं है। जब नीतिवचन की पुस्तक में सभी बुराइयों का उल्लेख किया गया है, तो मूर्तिपूजा का उल्लेख नहीं किया गया है। कहावतें अलग हैं।

अब मूर्तिपूजा की समस्या पर चर्चा की जाती है। जीके बीले की एक किताब है, वी बिकम व्हाट वी वर्शिप, ए बाइबिलिकल थियोलॉजी ऑफ आइडोलैट्री। यह सचमुच एक अच्छी किताब है। बील कुछ अद्भुत काम करता है। जीके बीले, हम वही बनते हैं जिसकी हम पूजा करते हैं, मूर्तिपूजा का एक बाइबिल धर्मशास्त्र।

परमेश्वर के वे नाम जिनसे आप संभवतः परिचित हैं, इन बुतपरस्त देवताओं से जिनकी इस्राएल ने पूजा की थी, आप परिचित हैं। इनमें से कुछ बड़े हैं बाल, मोलोच और केमोश। तुमने मोलोच और केमोश को अपने बच्चों की बलि चढ़ाकर उनकी पूजा की।

अशेरा, अशेरा खंभे और चीजे, पुराने नियम में प्रसिद्ध विदेशी देवता हैं। हमने 1 राजा 18 के बारे में बात की, जहां बाल के भविष्यवक्ता चारों ओर नृत्य कर रहे हैं ताकि बाल बिजली के बोल्ट को नीचे गिरवा सके, एलिय्याह ऐसा करता है, या भगवान 1 राजा 18 में एलिय्याह के माध्यम से ऐसा करता है। यदि भगवान भगवान है, तो उसका अनुसरण करें।

लेकिन अगर बील भगवान है, तो उसका अनुसरण करें। लेकिन लोगों ने कुछ नहीं कहा। मोलोच, लैविकस अध्याय 20 आयत एक और दो में, यहोवा ने मूसा से कहा, इस्राएलियों से कह, कि जो कोई इस्राएली वा इस्राएल में रहनेवाला परदेशी हो, जो अपनी सन्तानों में से किसी को मोलोच के लिये बलि करे, वह मार डाला जाए।

यह दिलचस्प है, बच्चों की मौत की बलि चढ़ा दी गई। ऐसा क्यों है कि संस्कृतियाँ हमेशा बच्चों, शिशुओं और शिशुओं पर हमला करती हैं? ऐसा प्रतीत होता है कि भगवान उस बड़े समय की निंदा करते हैं। उत्पत्ति अध्याय तीन श्लोक चार और पांच, तुम निश्चित रूप से नहीं मरोगे, शैतान कहता है।

साँप ने स्त्री से कहा, परमेश्वर जानता है, कि जब तुम उसका फल खाओगे, तो तुम्हारी आंखें खुल जाएंगी, और तुम भले बुरे का ज्ञान पाकर परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे। उत्पत्ति 31:19 जब लाबान अपनी भेड़ों का ऊन कतरने को गया, तब राहेल ने अपने पिता के गृहदेवोंको चुरा लिया। तब

लाबान ने याकूब को पकड़कर कहा, हे याकूब, तू ने मेरे पशु चुरा लिए हैं। तुमने मेरा सामान चुरा लिया। तुमने मेरे कुल देवताओं को क्यों चुराया? और वह कहता है, अरे, मैं तुम्हारे कुल देवताओं को नहीं ले गया। जाओ मेरे शिविर की खोज करो, तुम्हें पता है, खोजो। तो, वह राहेल के तम्बू में चला जाता है। रेचेल उस पर बैठ कर कहती है, पिताजी, जिस प्रकार स्त्रियों का रिवाज मुझ पर है, मैं उठ नहीं सकती।

मैं खड़ा नहीं हो सकता. वह घर के देवताओं पर बैठी है। ठीक है।

मुझे माफ़ करें। लेकिन फिर भी, उत्पत्ति 31 में, घरेलू देवता, यहाँ तक कि इज़राइल में भी।

उत्पत्ति 35:4, याकूब भागने के बाद बेथेल वापस चला गया और उसके पास स्वर्ग तक जाने वाली सीढ़ी थी। इसलिये उन्होंने याकूब को अपने सब पराए देवता दिए, और उनके कानों में कुण्डल पहिनाए, और याकूब ने उनको शकेम के बांज वृक्ष के पास मिट्टी दी। और वह बेथेल वापस चला जाता है और वे परमेश्वर के साथ नए सिरे से शुरुआत करते हैं। उत्पत्ति 32:4 और 6.

निर्गमन 19 और 20 में। तब सब लोग अपनी बालियां उतारकर हारून के पास ले आए। उन्होंने उसे जो कुछ दिया, उसे लेकर उसने एक मूर्ति बनाई और उसे एक उपकरण की मदद से एक बछड़े का आकार दिया। तब उन्होंने कहा, फिर उन्होंने कहा, हे इस्राएल, ये ही वे देवता हैं जो तुम्हें मिस्र से निकाल ले आए। यह सुनकर बछड़ा वह परमेश्वर है जो तुम्हें मिस्र से बाहर लाया। जब मूसा छावनी के पास पहुंचा, तो उस ने बछड़े को और नाचते हुए देखा, और उसका क्रोध भड़क उठा। और उसने पटियाओं को अपने हाथ से फेंक दिया, और वे टूट गईं, जो पहाड़ के नीचे वाचा के टूटने का प्रतीक थीं। और उस ने उस बछड़े को और जो लोगों ने बनाया या, ले लिया, और आग में जला दिया, और पीस डाला, और उसे पिलाया। वैसे भी, व्यवस्थाविवरण अध्याय चार श्लोक 15 से 19 तक। इसलिए, अपने आप को सावधान रहो, व्यवस्थाविवरण चार, अपने आप को बहुत सावधानी से देखो ताकि तुम भ्रष्ट न हो जाओ और अपने लिए एक मूर्ति या किसी भी आकार की छवि बनाओ, चाहे वह एक आदमी या एक आदमी की तरह हो स्त्री या पृथ्वी पर किसी भी जानवर या पक्षी की तरह।

और वह नीचे जाता है और उस सामान को सूचीबद्ध करता है। व्यवस्थाविवरण 13, भविष्यवक्ता कहता है, आइए विदेशी देवताओं के पीछे चलें। फिर पैगम्बर की निंदा की जाती है।

गिदोन को उसका फोन आता है। और वह क्या करता है? उसे बाहर जाना है और अशेरा के खम्भे को गिरा देना है और बाल की वेदी को नष्ट कर देना है। तो, वे नाम रखते हैं, वास्तव में, गिदोन को एक अलग नाम मिलता है जिसे जेरूबाल कहा जाता है, बाल को अपने लिए बोलने दें। परन्तु गिदोन ने बाल की वेदी को गिरा दिया और वह यरूबाल कहलाया।

उसमें से राजा सुलैमान मूर्तिपूजा और अन्य देवताओं के बारे में बात करता है। राजा सुलैमान 11:4 और 5, "जैसे-जैसे राजा सुलैमान बूढ़ा होता गया, उसकी पत्नियों ने उसका मन दूसरे देवताओं की ओर मोड़ दिया। और उसका हृदय अपने पिता दाऊद के समान अपने परमेश्वर यहोवा के प्रति पूरी तरह समर्पित नहीं था। उसने सिदोनियों की देवी अशेरा, अम्मोनियों के देवता मोलोच का अनुसरण किया, वगैरह वगैरह। यारोबाम, तब राज्य विभाजित हो गया।

परमेश्वर कहते हैं, हे सुलैमान, तू ने इन अन्य देवताओं की पूजा करना बिगाड़ दिया। राज्य बंटने वाला है. रहुबियाम को केवल यहूदा मिला। यारोबाम को उत्तर में एप्रैम मिला।

उत्तर में यारोबाम कहता है, मैं नहीं चाहता कि मेरे सारे लोग फिर यरूशलेम को जाएं, और यरूशलेम में जाकर अपने यहोवा, यहोवा, इस्राएल के परमेश्वर की उपासना करें। इसलिए, मुझे जैसा निर्माण करना है वैसा ही करना होगा। वह दो सुनहरे बछड़े बनाता है। एक को दक्षिण में बेथेल और उत्तर में डैन में स्थापित किया गया है। इसलिए, अब सभी लोग सोने के बछड़े के साथ डैन और बेथेल में उसके स्थान पर जा सकते हैं।

उन्होंने वास्तव में डैन में वह स्थान ढूँढ लिया है, जहां वह सुनहरा बछड़ा डैन में माउंट हर्मन के तल पर स्थापित किया गया था। उन्होंने इसे अब ढूँढ लिया है. उन्हें सुनहरा बछड़ा नहीं मिला, लेकिन उन्होंने पाया, और वैसे, जिम मोनसन के लड़के, जॉन मोनसन को एक सुनहरा बछड़ा मिला, मुझे लगता है कि यह कांस्य या अशकलोन में कुछ और था।

तो, इन सभी चीजों के लिए एक मिसाल है। तो वह 1 राजा 12:28, 31 में था, यारोबाम ने सोने के बछड़े स्थापित किए और फिर परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ता के माध्यम से उसे डांटा, हे मनुष्य, मैं यहूदा से बाहर निकल आया।

भजन इसके बारे में बात करते हैं। भजन 24:4, जिसके हाथ शुद्ध और हृदय शुद्ध है, जो किसी मूरत पर भरोसा नहीं रखता, और न झूठे देवता की शपथ खाता है। भजन संहिता 97:7 जो मूरतों की पूजा करते हैं वे लज्जित होते हैं। जो लोग मूरतों पर घमण्ड करते हैं, वे तेरे सब देवताओं की पूजा करते हैं।

भजन संहिता 135:15, राष्ट्रों की मूरतें मनुष्य के हाथ की बनाई हुई चान्दी और सोने की हैं। यशायाह 2:8 उनका देश मूरतों से भरा हुआ है। वे अपने हाथों के काम के आगे झुकते हैं।

यही अंतर है. भगवान इंसान के हाथों और उंगलियों से नहीं बने हैं। यिर्मयाह 2:11 क्या किसी जाति ने कभी अपने देवताओं को बदला है, तौभी वे देवता तो नहीं हैं।

परन्तु मेरी प्रजा ने अपने महिमामय परमेश्वर को निकम्मी मूरतों से बदल लिया है। यिर्मयाह यहाँ अध्याय 10 श्लोक 5 में कुछ कल्पना करता है, मूर्तियाँ, वे खीरे के खेत में बिजूका की तरह हैं। उनकी मूर्तियाँ बोल नहीं सकतीं.

उन्हें ले जाना होगा क्योंकि वे चल नहीं सकते। उनकी मूर्तियाँ बोल नहीं सकतीं, चल नहीं सकतीं। वे खेत में बिजूका की तरह हैं।

उनसे मत डरो क्योंकि वे तुम्हें कोई हानि नहीं पहुँचा सकते और न ही तुम्हारा कुछ भला कर सकते हैं। होशे 1 से 3, होशे को गोमेर से विवाह करना है। उसे गोमेर से प्यार करना है और फिर गोमेर ने उसे धोखा दिया।

और परमेश्वर कहता है कि मेरे और इस्राएल के साथ ऐसा ही है। मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे प्रति वफादार रहो और इन सभी देवताओं के बाद भी। और फिर वह होशे से कहता है कि वह गोमेर से दोबारा शादी करे और उसे वापस ले आये। और वह कहता है, यह परमेश्वर के समान है और तुम जो मेरी प्रजा नहीं हो, मेरी प्रजा बन जाओगे। और तुम्हें प्यार नहीं किया जाएगा किसे प्यार किया जाएगा। और भगवान की महान क्षमा और वहाँ वर्णित सामग्री।

यहाँ तक कि 1 जॉन, इसे लाने के लिए खेद है, लेकिन पहले जॉन 5:21, जब आपका काम पूरा हो जाता है, तो पहले जॉन, पत्र के अंत में, वह इसे कहीं से भी डाल देता है। यह कहीं से नहीं आया है, लेकिन यह वास्तव में एक दिलचस्प कविता है। 1 यूहन्ना की पुस्तक के अंत में, 1 यूहन्ना का पत्र, यूहन्ना उस पर इस प्रकार की एक पंक्ति लिखता है और कहता है, "प्रिय बच्चों, अपने आप को मूर्तियों से दूर रखो।"

और इसलिए, मूर्तिपूजा, यह हर जगह धर्मग्रंथों में व्याप्त है। कहावतों में यह शून्य है। तो, कहावतें अलग हैं।

यहाँ अंत में आते हैं, संख्या 12, नीतिवचन में कोई इतिहास नहीं है। कोई इतिहास नहीं है। अब इतिहास, क्षमा करें, घटनाओं का वर्णन है।

इसमें आमतौर पर एक दृश्य और फिर एक चरित्र होता है। और फिर ये किरदार A, B, C, D, E, F, G करता है और फिर ये किरदार मर जाता है। और चरित्र, जब वह ए, बी, सी, डी कर रहा है, तो उसका भगवान के साथ एक रिश्ता है, अच्छा, बुरा, बदसूरत।

क्या होता है? पैगम्बर आते हैं, पादरी आते हैं, क़ानून बनते हैं, और फिर धूम मच जाती है, खत्म हो जाती है। तो, यह रैखिक है। यह रैखिक है और यह अनुक्रमिक है। यह रैखिक है और यह अनुक्रमिक है। यह नीतिवचन के काम करने का तरीका नहीं है। अतः नीतिवचनों में ये घटनाएँ घटित नहीं होतीं।

मुक्ति का कोई इतिहास नहीं है। महान कुलपिता, इब्राहीम, इसहाक, याकूब और यूसुफ, मूसा ने उन्हें मिस्र से बाहर निकाला। नीतिवचन में कोई मुक्ति का इतिहास सूचीबद्ध नहीं है।

यहोशू के अधीन भूमि पर कोई विजय नहीं हुई है। महान न्यायाधीशों की कोई कहानियाँ नहीं हैं। इस्राएल के महान न्यायाधीशों, गिदोन, दबोरा और बराक, एहूद, सैमसन, यहाँ तक कि अंतिम महान न्यायाधीशों में से सैमुअल का भी कोई उल्लेख नहीं है।

रूथ या एस्तेर जैसे विशेष लोगों की कोई कहानियाँ नहीं हैं। शाऊल, दाऊद, सुलैमान, यारोबाम, अहाब और इज़ेबेल जैसे राजाओं की कोई कहानियाँ नहीं हैं। राजा हिजकिय्याह और योशिय्याह की कहानियाँ।

उन लोगों का कोई जिक्र नहीं है। भविष्यवक्ताओं की कहानियाँ, होशे के भविष्यवक्ताओं की कहानियाँ, गोमेर, यिर्मयाह से विवाह, और उसकी सभी समस्याएँ। दानिय्येल, शद्रक, मेशक और अबेदनगो। योना और व्हेल और नीनवे। इनमें से किसी भी चीज़ का कोई उल्लेख नहीं है।

कोई पलायन मूल भाव नहीं है. कोई पलायन मूल भाव नहीं है. निर्गमन का मूल भाव पूरे धर्मग्रंथ में व्याप्त है। यहां तक कि, आप न्यू टेस्टामेंट में मैथ्यू को देख रहे हैं, यह वहां भी व्याप्त है।

और इस पुस्तक में, विश्वास करें या न करें, प्रकाशितवाक्य में, यहां तक कि प्रकाशितवाक्य भी अधिकांशतः निर्गमन को प्रतिध्वनित करता है। कोई युद्ध नहीं है. पुराने नियम में आपके कितने युद्ध हुए? पलिशियों, मोआबियों, एदोमियों, बेबीलोन, अशूर और उन सभी चीजों के विरुद्ध लड़ना।

नीतिवचन में इसका कोई उल्लेख नहीं है। कोई युद्ध नहीं, विशिष्ट संघर्ष नहीं, कोई निर्वासन नहीं, कोई निर्वासन नहीं जहां उत्तरी साम्राज्य दूर ले जाकर सीरिया में बिखर जाए। नीनवे आज मोसुल है। और यह दिलचस्प है, मोसुल आज उत्तरी इराक में है जहां अमेरिका ने लड़ाई लड़ी, मोसुल वास्तव में निनेवेह है। आप वास्तव में Google मानचित्र पर पहुंच सकते हैं और वास्तव में नीचे आ सकते हैं। आप मोसुल शहर के भीतर निनेवे साइट पर यह बता सकते हैं कि हाल ही में, पिछले कुछ साल पहले जब आईएसआईएस उस पर हमला कर रहा था।

बेबीलोन, फिर से, बेबीलोन में कोई निर्वासन नहीं, मंदिर का कोई विनाश नहीं। एज्रा और नहेमायाह के समय के बाद कोई वापसी नहीं है। तो, इनमें से कोई भी ऐतिहासिक घटना घटित नहीं होती, वे इतिहास में एक बार घटित होती हैं और इतिहास चला जाता है।

कहावतें अलग हैं. कहावतें अलग हैं. कहावत बार-बार घटित होती है।

तो अब तीन, 13, और यह हमारा आखिरी होगा। ऐतिहासिक आख्यान इन पेरिकोप्स, कहानियों में पैराग्राफ और पैराग्राफ पर केंद्रित हैं। स्तोत्र एक स्तोत्र के रूप में, एक कविता के रूप में भी आते हैं, और फिर कविता आमतौर पर श्लोकों में विभाजित हो जाती है।

तो, आपके पास ऐसे तीन या चार या पाँच छंद हैं जो एक साथ चलते हैं और वे एक काव्यात्मक अनुच्छेद या एक स्तोत्र की तरह हैं। और इसलिए, आपके पास ये द्वि-कॉलन हिब्रू कविता इकाइयाँ हैं जो एक स्ट्रोफ़े में संयोजित होती हैं और स्ट्रोफ़े एक कविता में बनती हैं। नीतिवचन में, आपको ये मिल गए हैं, वे भावनात्मक हैं। प्रत्येक वाक्य अपने आप में एक प्रकार से खड़ा है। और इसलिए, मैं बस इतना कह रहा हूँ कि कहावतें अलग हैं। तो आइए मैं संक्षेप में बता दूँ और फिर हम इस पर विचार करेंगे।

कहावतें अलग हैं. कहावतें अलग हैं. और इसलिए, क्योंकि यह एक अलग साहित्यिक विधा है, इसे अलग ढंग से पढ़ने की जरूरत है।

और जब हम इस पर आते हैं, तो हम अलग-अलग अपेक्षाओं के साथ आते हैं। जब हम इस पर आते हैं, तो हम अलग-अलग अपेक्षाओं के साथ आते हैं और हमें एक ऐतिहासिक कथा, एक भविष्यवक्ता के दैवज्ञ, या एक भजन की तुलना में एक कहावत की अलग तरह से व्याख्या करने के लिए एक अलग व्याख्या की आवश्यकता होती है।

कहावतें अलग-अलग हैं क्योंकि उनमें किताब के शीर्षकों के अलावा कोई व्यक्तिगत नाम नहीं है। कोई व्यक्तिगत नाम नहीं हैं। ऐसे कोई आदिवासी नाम या समूह या राष्ट्र नहीं हैं जिनका उल्लेख पूरे धर्मग्रंथ में किया गया हो। यहूदा और इज़राइल को छोड़कर इनमें से कुछ भी नहीं है, और ये उपाधियाँ हैं।

कोई शहर या स्थान या जनजातीय सीमाएँ या जॉर्डन नदियाँ या दान से बेशेबा या फ़रात से वादी एल अरिश या मिस्र की नदी की सीमाएँ नहीं हैं। इसमें कुछ भी नहीं है, शून्य। मूसा या गिदोन जैसे किसी विशेष व्यक्ति को नहीं बुलाया गया था।

इनमें से किसी का भी उल्लेख नहीं किया गया है। मंदिर, तम्बू, भगवान का घर, इसका कभी भी किताब में उल्लेख नहीं किया गया है, भले ही भगवान का घर, मंदिर सुलैमान की सबसे बड़ी उपलब्धि थी, नीतिवचन में इसका कभी उल्लेख नहीं किया गया है। नीतिवचनों में पुजारियों और पैगम्बरों जैसी किसी संस्था का कभी उल्लेख नहीं किया गया।

ऐसा नहीं है, ऐसा भगवान कहते हैं, नहीं, ऐसा भगवान कहते हैं, सपने, इनमें से कोई भी नहीं। नहीं, प्रभु इस प्रकार कहते हैं जो भविष्यवक्ताओं में सर्वत्र मिलता है, नीतिवचनों में नहीं मिलता।

नहीं, कोई सपना नहीं। कोई थियोफ़नीज़, देवदूत, चमत्कार या प्रभु का दूत नहीं। जहां भगवान प्रकट होते हैं वहां कोई थियोफनी नहीं, कोई चमत्कार नहीं और कोई चमत्कार नहीं। क्या तुम समझ रहे हो? वे एक प्रकार की अनोखी चीज़ हैं।

कहावतें बार-बार घटित होती हैं। यह फिट नहीं बैठता. और इसलिए, नीतिवचन की पुस्तक में कोई चमत्कार नहीं, कोई पर्व और तीर्थयात्रा नहीं, कोई सब्बाथ या यहां तक कि सब्बाथ का कोई संदर्भ भी नहीं है। यह कभी भी नीतिवचन की पुस्तक में दावतों या तीर्थयात्राओं, जुलूसों या उस तरह की किसी भी चीज़ को संदर्भित नहीं करता है, और न ही किसी अनुबंध को संदर्भित करता है।

अब, सिनैटिक वाचा और कुछ कानूनों और कुछ कहावतों के बीच कुछ संबंध होगा। ठीक है। और हम इसे बाद में देखेंगे। लेकिन इब्राहीम वाचा, भूमि, इज़राइल की वादा की गई भूमि की भूमि का महत्व, पुस्तक में उल्लेख नहीं किया गया है। मेरा मतलब है, यह एक तरह से अद्भुत है।

और मूर्तिपूजा का कोई उल्लेख नहीं। मूर्तिपूजा पूरे पुराने नियम में है और नए नियम में भी। और यह बस है, इसका बिल्कुल भी उल्लेख नहीं किया गया है। मूर्तिपूजा, इज़राइल की प्रमुख बुराइयों में से एक का कभी उल्लेख नहीं किया गया है।

बहुत ही रोचक। इतिहास। इतिहास, कोई इतिहास नहीं। हम इतिहास हैं, मुक्तिदायी इतिहास हैं जो इन महान घटनाओं से गुजर रहे हैं जहां भगवान ने खुद को इतिहास में प्रकट किया। ईश्वर कार्य का ईश्वर है, इतिहास का ईश्वर है, और स्वयं को इतिहास में प्रकट करता है। नीतिवचन की पुस्तक में बिल्कुल भी उल्लेख नहीं किया गया है।

और फिर अंततः, ऐतिहासिक आख्यानों को इन अनुच्छेदों की तरह कहानियों में समूहीकृत किया जाता है। या भजन संहिता के मामले में, द्वि-विराम एक स्ट्रोफ़े, इन खंडों और एक कविता में आता है।

एक कहावत अधिक भावुक होती है, एक वाक्य, छोटा, मीठा, नमकीन, छोटा, मीठा और नमकीन। और इसलिए, कहावतें अलग हैं।

और वह यह है कि, मुझे पता है कि यह एक लंबा समय रहा है। मेरे साथ जुड़े रहने के लिए धन्यवाद। लेकिन मुझे लगता है कि आज यह गंभीर रूप से एक महत्वपूर्ण बिंदु है कि नीतिवचन पुराने नियम या तनाख के बाकी हिस्सों से अलग है। इसलिए, जब आप नीतिवचन के बारे में बात करते हैं, तो आपको अपनी अपेक्षाएं विकसित करनी होंगी कि एक कहावत का क्या अर्थ है और इसका क्या अर्थ है, यह किस प्रकार के रूपों का उपयोग करता है, आप इसकी व्याख्या कैसे करेंगे, और आप इसकी व्याख्या कैसे करेंगे यह पुराने नियम के शेष भाग के प्रकाश में है।

लेकिन इसे इस तरह से खंडित करने की जरूरत है। यह अखबार में वर्गीकृत विज्ञापन या मृत्युलेख पढ़ने जैसा है। जब आप वर्गीकृत विज्ञापनों पर आते हैं, तो वे छोटे होते हैं और उनका एक निश्चित रूप होता है।

आप वर्गीकृत विज्ञापनों के साथ पहले पन्ने पर समाचार की उम्मीद नहीं करते हैं। तो, यह नीतिवचन के साथ है। नीतिवचन अलग-अलग हैं और उन्हें शैली का सम्मान करते हुए अलग-अलग तरीके से पढ़ा जाना चाहिए, न कि कुचल दिया जाए और कहा जाए, ओह, यह पुराने नियम के बाकी हिस्सों की तरह ही है। नहीं यह नहीं।

कहावतें अलग हैं।

सुनने के लिए धन्यवाद। और अगली बार हम तुम्हें पकड़ लेंगे।